डाक पंजीयन क्र. MP/Bhopal/186/2021-2023
लाइसेंस क्र. WPP/Tech/23-04/08/2021-2023
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या 38506/84

रोज़गार और निर्माण

टेलीग्राम चैनल से जुड़ने के लिए यहां क्लिक करें

प्रति ... मासांत, भोपाल, 2 ... 2022 से ... 2022 ... वर्ष-3 ... अंक-03 ... मूल्य ₹ 0.00

इंदौर में गोबर-धन बायो सीएनजी प्लांट का किया लोकार्पण

शहरों को कूड़े के पहाड़ों से मुक्त करने में प्रेरणा बनेगा इंदौर मॉडल - प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री के स्वच्छता संकल्प को चरितार्थ करेगा मध्यप्रदेश – मुख्यमंत्री

भोपाल, शहरों को कूड़े के पहाड़ों से मुक्त करने का इंदौर मॉडल अन्य शहरों के लिए प्रेरणा बनेगा। इंदौर के देवगुराड़िया क्षेत्र में कभी कूड़े के पहाड़ थे, अब वहां 100 एकड़ की डंप साइट ग्रीन जोन में परिवर्तित हो गई है। इंदौर में गोबर-धन बायो सीएनजी प्लांट बनने से वेस्ट-टू-वेल्थ तथा सर्कुलर इकोनॉमी की परिकल्पना साकार हुई है। इससे भारत के स्वच्छता अभियान भाग-2 को नई ताकत मिलेगी, जिसके अंतर्गत आने वाले दो वर्षों में देश के सभी शहरों को कूड़े के पहाड़ों से मुक्त कर ग्रीन जोन बना दिया जाएगा। इंदौर शहर ने वाटर प्लस की भी उपलब्धि हासिल की है, अब यह शहर देश के अन्य शहरों को इस क्षेत्र में भी प्रेरणा देगा। मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान और उनकी टीम ने बड़ा काम कर दिखाया है। ये बातें प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने नई दिल्ली से वर्चुअल माध्यम से इंदौर में गोबर-धन बायो सीएनजी प्लांट का लोकार्पण करते हुये कहीं।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी इंदौर में बायो सीएनजी गोबर-धन प्लांट के शुभारंभ कार्यक्रम को वर्चुअली संबोधित करते हुये।

प्रधानमंत्री ने कहा कि इंदौर की बहनों ने कूड़ा प्रबंधन का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्होंने कूड़े को 6 हिस्सों में अलग-अलग बांट कर उसका निस्तारण किया है। यह री-साइकिलिंग संस्कार, देश की बड़ी सेवा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने इंदौर के सफाईकर्मियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कोरोना के मुश्किल समय में उनकी सेवा सराहनीय है।

श्री मोदी ने कहा कि वेस्ट-टू-वेल्थ (कचरे से कंचन) में कचरे से गोबर-धन, गोबर-धन से स्वच्छ ईंधन, स्वच्छ ईंधन से ऊर्जा धन तथा ऊर्जा धन से जीवन धन बनेगा। इस दिशा में इंदौर शहर में किया गया कार्य पूरे देश के लिए प्रेरणादायक है। आने वाले 2 वर्षों में विभिन्न नगरों में इसी प्रकार के प्लांट बनाए जाएंगे। शहरों को स्वच्छ, प्रदूषणरहित तथा क्लीन एनर्जी युक्त बनाया जाएगा। ग्रामों में भी गोबर-धन प्लांट लगाए जा रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि स्वच्छता से पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा तथा इससे नई अर्थव्यवस्था जन्म लेगी। इंदौर ने यह सब कर दिखाया है। आज भी देश-विदेश से लोग यह देखने आते हैं कि इंदौर में स्वच्छता एवं सफाई के लिए कैसे कार्य हुआ है।

श्री मोदी ने कहा कि कोयले के कारखानों में पराली के उपयोग से किसानों को अतिरिक्त आय होगी। भारत में सौर ऊर्जा को भी अत्यधिक महत्व दिया जा रहा है। सौर ऊर्जा के उत्पादन में भारत विश्व के प्रथम पांच देशों में शामिल हो गया है। अब किसान भी सौर ऊर्जा बनाएंगे।

'वेस्ट टू वेल्थ' के सिद्धांतों के अनुरूप है प्लांट

केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री श्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि इंदौर भारत का सबसे स्वच्छ शहर है इसमें कोई दो राय नहीं है। लगातार 5 वर्षों से स्वच्छता सर्वेक्षण में प्रथम आकर इंदौर ने देश में अपना कीर्तिमान स्थापित किया है। इंदौर की सफलता का श्रेय प्रदेश की सरकार को जाता है। प्रदेश के अन्य शहर भी स्वच्छता के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा वेस्ट-टू-वेल्थ के सिद्धांत पर जोर दिया जाता रहा है, इसलिए इंदौर का यह बायो सीएनजी प्लांट हमारे लिए एक बड़ी उपलब्धि है।

इंदौर के प्रयास सबसे अलग

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि इंदौर देश का पहला वाटर प्लस शहर है। यहां डस्ट फ्री शहर, इंदौर बिन फ्री के साथ जीरो वेस्ट कॉलोनी, जीरो वेस्ट इवेंट, जीरो वेस्ट मार्केट और जीरो वेस्ट वार्ड विकसित किए जा रहे हैं। इंदौर शहर के 21 बाजार जीरो वेस्ट मार्केट घोषित हुए हैं, जहां सिंगल यूज प्लास्टिक पूरी तरह प्रतिबंधित है। श्री चौहान ने बताया कि इंदौर में झोलाधारी इंदौरी अभियान का आगाज भी किया है। इंदौर नगरीय क्षेत्र की स्लम बस्तियों को ग्रीन स्लम के रूप में विकसित करने का कार्य लगातार किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री को

प्रतिदिन वृक्षारोपण करते हुए एक वर्ष हुआ पूर्ण

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा 18 फरवरी, 2022 को लगाए गए नारियल के पौधे के साथ ही उनके द्वारा 19 फरवरी, 2021 को प्रतिदिन पौध-रोपण के संकल्प को एक साल पूर्ण हुआ है। मुख्यमंत्री ने साल के प्रत्येक दिन पौध-रोपण किया है। इसमें सामाजिक संस्थाओं, स्वयंसेवी संस्थाओं और पर्यावरण-संरक्षण के क्षेत्र में सक्रिय व्यक्तियों की सहभागिता भी रही है। श्री चौहान ने 19 फरवरी, 2021 से अब तक वृक्षारोपण अभियान में उनके साथ जुड़े संगठनों और व्यक्तियों के साथ मिलकर पौध-रोपण की योजना बनाई थी, परंतु कोविड से प्रभावित होने के कारण इस कार्यक्रम में परिवर्तन हुआ है।

मुख्यमंत्री ने इस संबंध में ट्वीट किया है कि पर्यावरण की रक्षा तथा धरती मां की सेवा के लिए एक वर्ष पहले अमरकंटक में 19 फरवरी, 2021 को मैंने रोज एक पेड़ लगाने का संकल्प लिया था। वहां मैंने धर्मपत्नी के साथ पेड़ लगाया था। पिछली नर्मदा जयंती से 19 फरवरी, 2021 से 18 फरवरी, 2022 तक प्रतिदिन वृक्षारोपण करते हुए पूरा एक साल हो गया है। मैं कहीं भी रहा, पौधा जरूर लगाया। वृक्षारोपण के इस अभियान से लोग लगातार जुड़ते चले गए। कई संस्थाओं और समाज के प्रमुख लोगों ने भी मेरे साथ पेड़ लगाए। कम से कम दो पेड़ रोज लगे, कभी-कभी तो कई पेड़ लगे। मेरा मन आत्मसंतोष से भरा है। एक पवित्र काम से लोग जुड़ रहे हैं। मैं उन संस्थाओं के साथ भोपाल में 19 फरवरी, 2022 को पेड़ लगाने वाला था, जिन्होंने मेरे साथ पेड़ लगाए थे। किन्तु मुझे कोविड होने के कारण अब मैं 19 फरवरी के स्थान पर 24 फरवरी को अपने ऐसे सभी साथियों के साथ वृक्षारोपण करूंगा। अगले साल भी वृक्षारोपण का यह अभियान जारी रहेगा। एक नहीं कम से कम दो पेड़ प्रतिदिन लगायेंगे। आप भी साथ आइये, हर शुभ अवसर पर पेड़ लगाइये।

खास खबर

मदरसों की मान्यता नवीनीकरण के ऑनलाइन आवेदन 22 फरवरी से

भोपाल, राज्य मदरसा बोर्ड द्वारा शिक्षण-सत्र 2022 23 के लिए मदरसों की मान्यता नवीनीकरण के आवेदन 22 फरवरी से 21 मार्च, 2022 तक किये जा सकते हैं। एमपी ऑनलाइन पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। आवेदन से संबंधित आवश्यक सर्कुलर और जानकारी मदरसा बोर्ड की वेबसाइट www.mpmb.org और एमपी ऑनलाइन के मदरसा बोर्ड पोर्टल पर उपलब्ध है।

अंदर के पृष्ठों पर

- **खेल चर्चा-** प्रमुख खेल गतिविधियों का विवरण
- **सामयिकी-** देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं
- **चर्चा में-** प्रमुख चर्चित व्यक्तियों और ध्यान आकर्षित करने वाली खबरों की चर्चा
- **पिछला सप्ताह-** देश-विदेश की साप्ताहिक खबरों का संक्षिप्त विवरण

नवीन शिक्षा नीति

विद्यार्थियों की शिक्षा और कौशल संवर्धन के साथ करेगी सर्वांगीण विकास

भोपाल, मध्यप्रदेश में लागू की गई नवीन शिक्षा नीति विद्यार्थियों को शिक्षा और कौशल संवर्धन के साथ उनका सर्वांगीण विकास सुनिश्चित करेगी। पाठ्यक्रमों में रोज़गारमूलक विषयों को शामिल करने से पढ़ाई समाप्त करने के बाद अब विद्यार्थियों को रोज़गार के लिये भटकना नहीं पड़ेगा। ये बातें उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाल में शासकीय और निजी महाविद्यालयों के स्नातक प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिये आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुये कहीं।

डॉ. यादव ने कहा कि नई शिक्षा नीति में व्यावसायिक पाठ्यक्रम की पहल से विद्यार्थी अपनी रुचि अनुसार पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त वे इंटर्नशिप और अप्रेंटिसशिप के विकल्प को अपनाकर अपने कौशल को निखार सकते हैं। उन्होंने कहा कि व्यावसायिक शिक्षा का उद्देश्य केवल विद्यार्थियों को व्यवसायों का अकादमिक ज्ञान या तकनीकी प्रशिक्षण देना मात्र नहीं है। यह विस्तृत उद्देश्यों वाली अत्यावश्यक शिक्षा है, जो युवाओं के कौशल को निखार कर रोज़गार के अवसरों के अनुरूप उन्हें परिपक्व बनाती है।

ग्लोबल स्किल पार्क का नाम संत रविदास के नाम पर होगा - मुख्यमंत्री

भोपाल, राजधानी में बनने वाले ग्लोबल स्किल पार्क का नाम संत शिरोमणि रविदास जी महाराज के नाम पर रखा जाएगा। संत रविदास जी ने श्रम की महत्ता और समानता के भाव को स्थापित किया। ग्लोबल स्किल पार्क में भी युवा विभिन्न विधाओं में प्रशिक्षण प्राप्त कर आत्मनिर्भर होंगे। वहां श्रम की पूजा होगी, काम सीखने हजारों नौजवान आएंगे। युवाओं को रोज़गार देने के लिए संत रविदास स्व-रोज़गार योजना, डॉ. भीमराव अंबेडकर आर्थिक कल्याण योजना और मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति विशेष परियोजना वित्त पोषण योजना आरंभ की जाएगी। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में संत रविदास जयंती पर आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम को वर्चुअली संबोधित करते हुये कहीं।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 'सबका साथ-सबका विकास' के ध्येय को लेकर सशक्त, समृद्ध और सम्पन्न भारत के निर्माण में लगे हैं। इस दिशा में राज्य सरकार भी निरंतर सक्रिय है। संत रविदासजी ने कहा था 'ऐसा चाहूं राज मैं जहां मिले सबहूं को अन्न, छोट-बड़ो सब सम बसे, रविदास रहे प्रसन्न'। संत जी की प्रेरणा से हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री मोदी सभी वर्गों के कल्याण के लिए कार्यरत हैं। इसी क्रम में प्रदेश में अनुसूचित जाति वर्ग के युवाओं को रोज़गार के लिए विशेष पहल की गई है। संत रविदास स्व-रोज़गार योजना में अनुसूचित जाति वर्ग के युवाओं को मेन्युफैक्चरिंग इकाई की स्थापना के लिए एक लाख से 50 लाख रुपये तक की ऋण सहायता प्रदान की जाएगी।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान भोपाल में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संत रविदास जयंती पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुये।

परियोजना के लिए 5 प्रतिशत की दर से ब्याज अनुदान दिया जाएगा। इसी प्रकार सर्विस सेक्टर और रिटेल ट्रेड के लिए भी योजना में एक लाख से 25 लाख तक ऋण की व्यवस्था होगी। योजना का संचालन मध्यप्रदेश राज्य सहकारी अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम के माध्यम से किया जाएगा।

श्री चौहान ने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा के क्षेत्र में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। शिक्षा के साथ रोज़गार की भी आवश्यकता है। प्रदेश के जिन गरीब परिवारों के बच्चों का आई.आई.एम., इंजीनियरिंग, मेडिकल और उच्च शिक्षण संस्थानों तथा विदेशी यूनिवर्सिटी में एडमिशन होगा, उनकी फीस राज्य सरकार भरवाएगी।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

12 फरवरी

आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन का हिस्सा बना आरोग्य सेतु एप

● कोरोना महामारी के दौर में कोरोना संक्रिमितों से बचने से लेकर वैक्सीनेशन के लिये पंजीकरण कराने, टीकाकरण केंद्र खोजने तथा टीकाकरण सर्टिफिकेट डाउनलोड करने में अहम भूमिका निभाने वाला आरोग्य सेतु एप अब केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन का हिस्सा बन गया है। अब आरोग्य सेतु एप पर मरीज के डॉक्टर के प्रिस्क्रिप्शन से लेकर जांच रिपोर्ट एक क्लिक में उपलब्ध होगी। इसके लिये आवेदक को आरोग्य सेतु पर जाकर एक आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट खोलना होगा। अकाउंट खोलते ही आरोग्य सेतु पर 14 अंकों का एक अकाउंट नंबर जनरेट होगा। इस अकाउंट नंबर की मदद से आवेदक अपनी सारी मेडिकल जानकारी को आरोग्य सेतु एप पर सुरक्षित रख सकता है।

● केंद्रीय सामाजिक न्याय और आधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेन्द्र कुमार ने नई दिल्ली में वंचित लोगों की आजीविका और उद्यम की सहायता के लिये एक योजना लॉन्च की है। इस योजना को 'स्माइल' नाम दिया गया है। यह योजना ट्रांसजेंडर समुदाय और भिक्षुकों के कल्याण और उनके पुनर्वास के लिये है। डॉ. वीरेन्द्र कुमार ने कहा कि केंद्र सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि ट्रांसजेंडर समुदाय और भिक्षुकों की हर जरूरत को बेहतर तरीके से पूरा किया जाये। इस योजना के लिये राष्ट्रीय पोर्टल और हेल्पलाइन भी शुरू की गई है।

13 फरवरी

केंद्र सरकार ने पुलिस बल के आधुनिकीकरण की योजना को जारी रखने की मंजूरी दी

● प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने पुलिस बलों के आधुनिकीकरण की वृहद योजना को जारी रखने की मंजूरी प्रदान की है। यह योजना वित्तीय वर्ष 2021-22 से लेकर 2025-26 की अवधि के लिये है। इस योजना के लिये 26 हजार 275 करोड़ रुपये का व्यय केंद्र सरकार करेगी। इस योजना के तहत आंतरिक सुरक्षा, कानून व्यवस्था, आधुनिक प्रौद्योगिकी को अपनाने, मादक पदार्थों पर नियंत्रण के लिये राज्यों को सहायता और देश में एक मजबूत फोरेंसिक व्यवस्था विकसित करके आपराधिक न्याय प्रणाली को मजबूत करने जैसे प्रावधान किये गये हैं।

● नेपाल की सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश चोलेन्द्र शमशेर राणा के खिलाफ नेपाल की संसद में महाभियोग चलाया जायेगा। नेपाल के सत्तारूढ़ गठबंधन के 100 से अधिक सांसदों ने मुख्य न्यायाधीश के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पेश किया है। प्रस्ताव पेश होने के बाद राणा को मुख्य न्यायाधीश के पद से निलंबित कर दिया गया है। नेपाल में अमेरिकी परियोजना एमसीसी को लेकर सत्तारूढ़ गठबंधन में टकराव की स्थिति उत्पन्न हो गई थी, इसके बाद से नेपाल में सांसदों ने मुख्य न्यायाधीश का विरोध शुरू कर दिया था। उल्लेखनीय है कि राणा जनवरी 2019 को नेपाल के मुख्य न्यायाधीश बने थे।

14 फरवरी

मई तक होगी 5जी स्पेक्ट्रम की नीलामी

● भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने कहा है कि मोबाइल सर्विस के ग्राहकों को 5जी सर्विस के लिये ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। दूरसंचार मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि दूरसंचार विभाग और ट्राई ने 5जी सर्विस रोल आउट को लेकर सभी तैयारियां लगभग पूरी कर ली हैं। उन्होंने बताया कि 5जी स्पेक्ट्रम की नीलामी इस वर्ष मई तक हो सकती है, लेकिन ऐसा तभी होगा, जब ट्राई मार्च 2022 तक अपनी सिफारिशें मंत्रालय को सौंप दे।

● लंबे समय से गृह युद्ध का दंश झेल रहे यमन में आतंकी संगठन अलकायदा के आतंकवादियों ने संयुक्त राष्ट्र के पांच कर्मचारियों का अपहरण कर लिया है। संयुक्त राष्ट्र के शीर्ष प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने बताया कि हिंसाग्रस्त दक्षिणी प्रांत आब्यान में फील्ड मिशन पूरा करने के बाद यूएन के कर्मचारी अदन लौट रहे थे। इसी दौरान रास्ते में इन कर्मचारियों का अपहरण किया गया। अपहृत लोगों में चार यमन तथा एक विदेशी नागरिक हैं। संयुक्त राष्ट्र की ओर से कहा गया है कि हम मामले से अवगत हैं और अपने कर्मचारियों की रिहाई के लिये प्रयासरत हैं।

15 फरवरी

इसरो ने तीन नये उपग्रह किये अंतरिक्ष में स्थापित

● भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने इस वर्ष अपने पहले मिशन के तहत धरती की निगरानी करने वाले सैटेलाइट ईओएस-04 और दो अन्य छोटे सैटेलाइट को सफलतापूर्वक अंतरिक्ष की कक्षा में स्थापित कर दिया है। इसरो के प्रक्षेपण यान पीएसएलवी-सी52 ने तीनों उपग्रहों के साथ उड़ान भरी। इसरो ने कहा कि पीएसएलवी-सी52 ने 17 मिनट 34 सेकेंड की उड़ान के बाद तीनों उपग्रहों को सन सिंक्रोनस पोलर आर्बिट में प्रविष्ट करा दिया, जो लक्षित आर्बिट के बेहद नजदीक है। इसरो ने बताया कि ईओएस-04 उपग्रह पर बेंगलुरु स्थित इसरो टेलीमेट्री ट्रैकिंग एंड कमांड नेटवर्क (इस्ट्रैक) ने नियंत्रण हासिल कर लिया है। यह उपग्रह अगले कुछ दिनों में आंकड़े उपलब्ध कराने लगेगा।

● केंद्र सरकार ने चाइनीज मोबाइल एप्स के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुये 54 चीनी मोबाइल एप पर प्रतिबंध लगा दिया है। गृह मंत्रालय ने देश की सुरक्षा और नागरिकों की निजता के लिये खतरा बताते हुये इन मोबाइल एप्स पर प्रतिबंध लगाने की सिफारिश की थी। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने इन एप्स को प्रतिबंधित करने का आदेश जारी किया। मंत्रालय के अनुसार ये एप भारतीय नागरिकों के संवेदनशील डाटा को विदेशी सर्वर पर ट्रांसफर कर रहे थे। मंत्रालय ने गूगल प्ले स्टोर से इन एप्लीकेशन को ब्लॉक करने के निर्देश दिये हैं।

16 फरवरी

कनाडा में पिछले 50 वर्षों में पहली बार आपातकाल लागू

● कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने कनाडा में आपातकाल एक्ट लागू कर दिया है। ट्रूडो ने यह कदम देश में कोरोना महामारी संबंधी पाबंदियों और वैक्सीनेशन अनिवार्यता के खिलाफ चल रहे ट्रक ड्राइवरों के प्रदर्शनों को संभालने के लिये संघीय सरकार को अतिरिक्त अधिकार देने के लिये उठाया है। कनाडा में पिछले 50 वर्षों में पहली बार आपातकाल लागू किया गया है। प्रधानमंत्री ट्रूडो ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि यह आपातकाल कनाडा के नागरिकों को सुरक्षित रखने और लोगों की नौकरियों की रक्षा करने के लिये लगाया गया है।

● भारत ने संयुक्त राष्ट्र चयन सहायता और मूल्यांकन टीम (यूएनएसएएटी) 2022-2024 के लिये 69 सदस्यीय पैनल का चयन किया है। इस पैनल में पहली बार 25 प्रतिशत से अधिक महिला पुलिस अधिकारियों का चयन किया गया है। पैनल के सदस्यों को विदेशों में 5 भारतीय मिशनों में तैनात किया जायेगा। इनमें साइप्रस, दक्षिण सूडान और माली शामिल हैं। गृह मंत्रालय के अनुसार 69 सदस्यों के भारतीय दल में विभिन्न अर्द्धसैनिक बलों, केंद्रीय पुलिस संगठनों और विभिन्न राज्यों के पुलिस बल की 19 महिला अधिकारी शामिल हैं।

17 फरवरी

मोटरसाइकिल पर छोटे बच्चों की सुरक्षा के लिये नये नियम अधिसूचित

● केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय ने मोटर साइकिल पर चार वर्ष से कम आयु के बच्चों को ले जाने के संबंध में नये नियम अधिसूचित किये हैं। नये नियम के तहत बच्चों के लिये हेलमेट और सुरक्षा बेल्ट (हार्नेस) का इस्तेमाल अनिवार्य रूप से करना होगा। मंत्रालय द्वारा जारी नोटिफिकेशन के अनुसार अगर चार वर्ष से कम आयु का बच्चा मोटरसाइकिल पर बैठा है, तो वाहन की गति 40 किलोमीटर प्रति घंटा से अधिक नहीं हो। साथ ही बच्चे को वाहन पर सवारी के दौरान क्रैश हेलमेट पहनना जरूरी होगा। यह हेलमेट भारतीय मानक ब्यूरो के मानदंडों के अनुरूप होना चाहिये। यह नियम एक अक्टूबर 2022 से लागू होगा।

● सिंगापुर एयर शो में भारत के स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस ने जमकर अपने कौशल का प्रदर्शन किया। इस एयर शो में भारतीय वायुसेना के तीन तेजस एमके-वन विमान हिस्सा ले रहे हैं। तेजस ने सिंगापुर के आसपास में लो-लेवल एयरोबैटिक्स डिस्प्ले में हिस्सा लिया। सिंगापुर एयर शो में दुनियाभर के लड़ाकू विमान हिस्सा लेते हैं। इस बार सिंगापुर एयर शो में अलग-अलग देशों की विमानन कंपनियां अपने 600 से ज्यादा उत्पादों का प्रदर्शन कर रही हैं। इससे पहले वर्ष 2020 में हुये शो में 930 से ज्यादा उत्पादों का प्रदर्शन किया गया था।

18 फरवरी

भारत ने यूक्रेन से उड़ानों की संख्या पर रोक हटाई

● रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध की आशंका के मद्देनजर भारत ने यूक्रेन में फंसे अपने नागरिकों को निकालने के लिये यूक्रेन से उड़ानों की संख्या पर लगी रोक को हटा दिया है। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने कहा कि यूक्रेन से भारतीय नागरिकों को सुरक्षित स्वदेश लाने के लिये उड़ान और सीट संख्या से प्रतिबंध हटा दिया गया है। साथ ही मंत्रालय ने विमानन कंपनियों से उड़ानों की संख्या बढ़ाने को भी कहा है। मंत्रालय की ओर से बताया गया कि यूक्रेन के हालात को लेकर हम लगातार विदेश मंत्रालय के संपर्क में है। भारत और यूक्रेन के बीच उड़ानों की संख्या बढ़ाने को लेकर नागर विमानन प्राधिकरण और विभिन्न एयरलाइंस के बीच चर्चा चल रही है।

● केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने कहा कि नीट-एमडीएस परीक्षा-2022 को चार से छह सप्ताह के लिये स्थगित किया जा सकता है। इसके अलावा बताया कि एमडीएस पाठ्यक्रमों में प्रवेश की पात्रता के लिये अनिवार्य रोटेटिंग इंटर्नशिप पूरा करने की तिथि 31 मार्च से बढ़ाकर 31 जुलाई, 2022 तय की जा सकती है। मंत्रालय के अनुसार नीट एमडीएस-2022 और नीट-पीजी-2022 परीक्षा के बीच समानता लाने के लिये सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि नीट-एमडीएस-2022 परीक्षा की तिथि चार से छह सप्ताह तक स्थगित की जाये और यह परीक्षा उसी तिथि के आसपास आयोजित की जाये जो नीट-पीजी-2022 के लिये तय हो।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित फोटो : गूगल से साभार)

GOVINDRAM SEKSARIA INSTITUTE OF MANAGEMENT & RESEARCH, INDORE
(Estd. by Govindram Seksaria Technological Society, Indore)
(Approved by AICTE and affiliated to DAVV, Indore)
MR-10, Scheme No. 54, Vijay Nagar, Near Hotel Marriott, Indore
APPOINTMENTS
GSIMR, established in 1997 & one of the Best Business Schools of Central India, invites applications from
EDUCATIONISTS FOR MBA PROGRAMME
Director, Professors, Associate Professors, Assistant Professors
(in General Management, HR, Marketing, Finance, Operation Research, Business Analytics, IT)
Qualification, experience and salary as per AICTE & UGC norms.
NON-TEACHING POSITION
Placement Officer, Office Assistant, Computer Operator, Sports Officer, Security Guard, Gardner, Peon.
Interested candidates may send their CV with photocopies of all relevant documents along with photograph at the above-mentioned address or email at director@gsimr.co.in within 21 days.
Chairman
For any query, Contact: 9179113138
R-46667/2022

PEOPLE'S UNIVERSITY
(Established by M.P. Act No. 18 of 2011 & approved u/s 2 (f) of UGC act 1956)
ADMISSION OPEN
Limited Seats
PARAMEDICAL
MPT Masters of Physiotherapy - (Ortho'/ Neuro'/ Cardio' & Sports) 2 yrs PG Degree Program, Eligibility : BPT
BPT Bachelor of Physiotherapy* 4½ yrs Degree Course
BMLT Bachelor of Medical Lab Technology* 3 yrs Degree Course
DMLT Diploma in Medical Lab Technology* 2 yrs Diploma Course
DDT Diploma in Dialysis Technology* 2 yrs Diploma Course
*Eligibility : 12th with Physics, Chemistry & Biology
0755-400 5203, 9538500200
People's Campus, Bhanpur, Bhopal (M.P.)
R-46662/2022

साप्ताहिक रोज़गार और निर्माण
में विज्ञापन के लिए दरें
टैरिफ

क्रमांक	ब्लैक एंड व्हाइट रेट प्रति वर्ग सेमी (sq Per cm)	रंगीन रेट प्रति वर्ग सेमी (sq Per cm)
1. डीएवीपी (DAVP) रेट	17.76	24.86
2. कॉन्ट्रैक्ट रेट	70.00	98.00
3. कमर्शियल रेट	80.00	112.00

फुल पेज का आकार

चौड़ाई	-	25 सेंटीमीटर
लंबाई	-	37 सेंटीमीटर
कुल वर्ग सेंटीमीटर	-	925 वर्ग सेंटीमीटर

संपर्क करें :
40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) 462011
फोन नंबर : 0755-2551330, 0755-2760006
ई मेल : madhyam.rojgar@gmail.com Website : www.mpmadhyam.in
नोट : 1. 5% जीएसटी (GST) शुल्क अलग से देय होगा।
2. 4.5x5 सेमी (cm) से कम का विज्ञापन स्वीकार नहीं किया जाएगा।

वर्ष 39, अंक 08 21.02.2022 से 27.02.2022
रोज़गार और निर्माण
www rojgaraurnirman.in

- प्रबंध संचालक - राघवेन्द्र कुमार सिंह
- सम्पादक - पुष्पेन्द्र पाल सिंह
- कार्यकारी सम्पादक - राजीव तिवारी
- प्रभारी अधिकारी - नरेन्द्र कुमार बनवट (प्रसार एवं विज्ञापन)
- प्रबंधक - वंदना चतुर्वेदी (विज्ञापन एवं प्रसार)
- आकल्पन - हेमंत वायंगणकर, आशा रोमन, अरविन्द टोप्पो, सुशील लांडगे
- वेबसाइट - आत्माराम शर्मा

वार्षिक सदस्य बनने के लिये रुपये 500/- (पाँच सौ) का डी.डी., मनीऑर्डर अथवा पोस्टल ऑर्डर रोज़गार और निर्माण, भोपाल के नाम बनवाकर नीचे लिखे पते पर भेजें :-
रोज़गार और निर्माण, मध्यप्रदेश माध्यम, 40 प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) पिन-462011
फोन- 2760006, 2551330, 4281330, फैक्स - 4228409, **e-mail : madhyam.rojgar@gmail.com**
रोज़गार और निर्माण कार्यालय में नगद राशि जमा कर भी इसकी वार्षिक सदस्यता प्राप्त की जा सकती है। रोज़गार और निर्माण में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं। जरूरी नहीं कि सम्पादक उससे सहमत हों। किसी भी प्रकार के विवाद के लिये न्यायालयीन अधिकार क्षेत्र भोपाल रहेगा। रोज़गार और निर्माण में निजी संस्थाओं के विज्ञापन भी प्रकाशित किये जाते हैं, इन विज्ञापनों में किए गए दावे और तथ्य निजी संस्थाओं के अपने होते हैं। इसका समाचार पत्र के प्रबंधन से कोई संबंध नहीं है।

सम्पादकीय

केन-बेतवा लिंक परियोजना

मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश के बुंदेलखंड अंचल में लंबे अरसे से पेयजल और सिंचाई का संकट जगजाहिर रहा है। परिणामस्वरूप यह क्षेत्र देश में आर्थिक रूप से कमजोर क्षेत्र के रूप में जाना जाता है। बुंदेलखंड का अधिकांश भूखंड पथरीला है और सिंचाई के लिये पानी की कमी यहां के मेहनतकश रहवासियों को जीवन निर्वहन के लिये पलायन करने पर मजबूर करती है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने बुंदेलखंड क्षेत्र को 'केन-बेतवा लिंक परियोजना' की सौगात देते हुये एक नये विकसित बुंदेलखंड की परिकल्पना को साकार करने का महत्वकांक्षी कदम बढ़ाया है। यह परियोजना पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी के सपने को साकार करते हुये बुंदेलखंड अंचल की तकदीर और तस्वीर बदलकर विकास की नई उड़ान भरेगी। लगभग 23 हजार 733 वर्ग किलोमीटर में फैले बुंदेलखंड अंचल में 'बेतवा-केन नदियों' को जीवन रेखा कहा जाता है। इनके साथ ही धसान, सिंध, काली सिंध, नर्मदा का प्रवाह भी अंचल की आर्थिक समृद्धि में सहायक है। इन सबके बावजूद बुंदेलखंड अंचल में पानी की गंभीर समस्या रही है। यही कारण रहा होगा कि अंचल में राजशाही के समय बड़ी संख्या में बड़े-बड़े तालाबों का निर्माण कराया गया, लेकिन घटती वर्षा और बढ़ते शहरीकरण से इन तालाबों का अस्तित्व समाप्त हो गया और परिणामस्वरूप सूखी खेती के साथ पेयजल समस्या ने भी विकराल रूप ले लिया। देश में श्री अटल बिहारी वाजपेयी ही ऐसे पहले प्रधानमंत्री थे, जिनका ध्यान बुंदेलखंड की इस समस्या पर गया। उन्होंने यह समझ लिया था कि पलायन रोकने और बुंदेलखंड के विकास के लिये यहां पानी की समस्या को खत्म कराना बेहद जरूरी है। इसीलिये अपने कार्यकाल के दौरान वर्ष 2002 में उन्होंने केन-बेतवा लिंक परियोजना की परिकल्पना तैयार करवाई। इसके जरिये उनका उद्देश्य बुंदेलखंड की दो बड़ी नदी केन एवं बेतवा को आपस में जोड़कर बारिश के पानी को बर्बाद होने से रोकना था, ताकि बारिश के पानी का संग्रहण और सही उपयोग हो और प्यासा बुंदेलखंड हरियाली से भरा क्षेत्र बन जाये। काफी समय तक यह परियोजना पानी के बंटवारे के विवाद के चलते उलझी रही है। करीब 19 वर्ष बाद प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से पिछले वर्ष 2021 में उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ एवं मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के सहयोग से दोनों प्रदेश पानी बंटवारे पर सहमत हुये। उसके बाद इस परियोजना को आगे बढ़ाने की कवादय शुरू हुई। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने इस बार आत्मनिर्भर, अर्थव्यवस्था की तरफ एक और मजबूत कदम बढ़ाते हुये देश के अलग-अलग क्षेत्रों में नदियों को एक करने के प्रस्ताव को केंद्रीय बजट में पास किया है। इसमें प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा विशेष रूप से केन-बेतवा नदियों को लिंक करने के लिये 44 हजार 605 करोड़ रुपये का बजट स्वीकृत किया है। इस योजना में 90 प्रतिशत राशि केंद्र सरकार खर्च करेगी। शेष 10 प्रतिशत राशि मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश सरकार खर्च करेंगी। अब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का बुंदेलखंड के विकास पर विशेष ध्यान होने से स्वीकृत हुई केन-बेतवा लिंक परियोजना किसानों के जीवन और खेती में बदलाव लायेगी। इस योजना पर करीब 44 हजार करोड़ रुपये खर्च होंगे। किसानों के खेत में पानी पहुंचाने के लिये इस परियोजना से प्रधानमंत्री श्री मोदी ने भागीरथ के समान काम किया है, जिससे बुंदेलखंड का विकास और अधिक तेजी से होगा। अब बुंदेलखंड के खेतों में और अधिक हरियाली आयेगी तथा गर्मी के मौसम में भी खेतिहर मजदूरों को रोज़गार की तलाश में भटकना नहीं पड़ेगा। केन-बेतवा लिंक परियोजना में मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश के 13 जिले आते हैं। इनमें मध्यप्रदेश के नौ जिले पन्ना, टीकमगढ़, छतरपुर, सागर, दमोह, दतिया, विदिशा, शिवपुरी और रायसेन शामिल हैं, वहीं उत्तरप्रदेश के बांदा, महोबा, झांसी और ललितपुर जिले हैं।

नई तकनीक मददगार हो सकती है अल्जाइमर के इलाज में

अल्जाइमर एक ऐसा रोग है, जिसका बेहतर इलाज चिकित्सा क्षेत्र के लिये आज भी चुनौती है। इस बीमारी से ग्रसित व्यक्ति बहुत तकलीफ के दौर से गुजरता है। इसमें आदमी की याददाश्त पर बहुत बुरा असर पड़ता है। आज दुनियाभर के विकसित देशों में अल्जाइमर के मरीजों की संख्या बढ़ी है। ऐसे में दुनियाभर के वैज्ञानिक इस बीमारी का इलाज खोजने में लगे हैं। इस बीच साउथ कोरिया के ग्वांगजू इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (जीआईएसटी) के वैज्ञानिकों की ओर से किये गये एक शोध में अल्जाइमर के इलाज की नई उम्मीद जगी है। अध्ययन में शोधकर्ता यह दर्शाने में कामयाब हुये हैं कि अल्जाइमर से निपटने के लिये अल्ट्रासाउंड आधारित गामा एंट्रेनमेंट मददगार हो सकता है। इस तकनीक में किसी व्यक्ति के ब्रेन वेव्स को 30 हर्ट्ज से ज्यादा किया जाता है। जिसे गामा वेव्स कहते हैं। ये काम बाहरी दोलन आवृत्ति से समेकित किया जा सकता है। शोधकर्ताओं द्वारा चूहों पर किये गये अध्ययन में पाया गया है कि गामा एंट्रेनमेंट बी-एमिलाइड की परत जमने और टाउ प्रोटीन को जमा होने से रोकने में कारगर साबित होता है। ये दोनों ही अल्जाइमर के प्रतीक माने जाते हैं। शोधकर्ताओं ने बताया कि अल्ट्रासाउंड के 40 हर्ट्ज की मदद से गामा एंट्रेनमेंट को महसूस किया जा सकता है। जीआईएसटी में बॉयोमेडिकल इंजीनियरिंग के असिस्टेंट प्रोफेसर और अध्ययन के सहलेखक जेई ग्वान किम का कहना है कि अन्य गामा एंट्रेनमेंट तरीकों (जो साउंड या टिमटिमाती प्रकाश पर निर्भर करते हैं) की तुलना में अल्ट्रासाउंड बिना किसी जख्म और संवेदी तंत्र को नुकसान पहुंचाये बिना ही दिमाग में प्रवेश कर सकता है।

- देवेश तिवारी

(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पर लिखते हैं)

विश्व सामाजिक न्याय दिवस 20 फरवरी

समाज में भेदभाव खत्म कर समानता की स्थापना करना हो ध्येय

ऐसा चाहूं राज में जहां मिले सबन को अन्न,
छोट बड़े सब सम बसें रैदास रहे प्रसन्न।

15वीं सदी के संत रविदास का यह दोहा समाज में सामाजिक न्याय की अवधारणा को प्रतिपादित करता है तथा लोक कल्याणकारी राज्य की इच्छा को व्यक्त करता है कि एक ऐसा राज्य हो, जहां हर जगह समानता हो। सामाजिक न्याय को लेकर पूर्व हो या पश्चिम सभी जगह उसे अलग-अलग ढंग से परिभाषित किया गया है। ईसा पूर्व चौथी सदी के एथेंस में प्लेटो ने अपनी पुस्तक द रिपब्लिक में न्याय के बारे में लिखा है। भलाई की तुलना में दुष्टता बड़ी है और इसीलिए जब लोग अन्याय करने और झेलने दोनों का अनुभव प्राप्त करते हैं, जब वे किसी एक से बचने और दूसरे को पाने में सफल नहीं होते तब वे एक-दूसरे से समझौता करना ही उचित समझते हैं। यहां से कानून और आपसी समझौते बनते हैं। जो कुछ कानून के द्वारा होता है उसे ही न्यायोचित और कानून सम्मत कहा जाता है। जर्मन दार्शनिक इमैनुएल कांट के अनुसार हर मनुष्य की गरिमा होती है। अगर सभी व्यक्तियों की गरिमा तय है। तो उनमें से हर एक को अपनी प्रतिभा के विकास और लक्ष्य की पूर्ति के अवसर प्राप्त हों। न्याय के लिए जरूरी है कि हम तमाम व्यक्तियों को समुचित और बराबरी की अहमियत दें।

सामाजिक न्याय को बढ़ावा देने के लिए प्रति वर्ष 20 फरवरी को विश्व सामाजिक न्याय दिवस मनाया जाता है। यह दिवस विभिन्न सामाजिक मुद्दों, जैसे- बहिष्कार, बेरोज़गारी तथा गरीबी से निपटने के प्रयासों को बढ़ावा देने के लिए मनाया जाता है। इस अवसर पर विभिन्न संगठनों, जैसे संयुक्त राष्ट्र एवं अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन द्वारा लोगों से सामाजिक न्याय करने की अपील की जाती है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, सामाजिक न्याय देशों के बीच समृद्ध और शांति पूर्ण सहअस्तित्व के लिए एक अंतर्निहित सिद्धांत है। सामाजिक न्याय का अर्थ है- लिंग, आयु, धर्म, अक्षमता तथा संस्कृति की भावना को भूलकर समान समाज की स्थापना करना है।

विश्व सामाजिक न्याय दिवस मनाने की शुरूआत

मजदूरों के लिए काम करने वाले संगठन अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO) ने 10 जून 2008 को उचित न्याय के लिए सामाजिक न्याय पर ILO के घोषणा पत्र को स्वीकार किया। यह अंतर्राष्ट्रीय श्रम सम्मेलन द्वारा अपनाए गए प्रमुख सिद्धांतों और नीतियों में से एक है। संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA) ने माना कि शांति और सुरक्षा प्राप्त करने और बनाए रखने के लिए, सामाजिक विकास और सामाजिक न्याय महत्वपूर्ण हैं। मार्च 1995 में, कोपेनहेगन, डेनमार्क में सामाजिक विकास के लिए विश्व शिखर सम्मेलन आयोजित किया गया था। कई सरकारों ने लोगों को विकास के केंद्र में रखने की आवश्यकता पर एक नई सहमति बनाई। 10 वर्ष बाद 2005 में न्यूयॉर्क में हुई सभा में विश्व के नेताओं ने सामाजिक एकीकरण के लिए पूर्ण रोज़गार और समर्थन प्राप्त करने के लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित किया। 26 नवंबर 2007 को, यूएनजीए ने हर साल 20 फरवरी को सामाजिक न्याय के विश्व दिवस को मनाने की घोषणा की गई। विश्व सामाजिक न्याय दिवस पहली बार 2009 में मनाया गया था। इस दिवस को मनाने का उद्देश्य है, हर किसी व्यक्ति को बिना किसी भेदभाव के समान रूप से न्याय दिलाना और सामाजिक न्याय को

बढ़ावा देना। 'विश्व सामाजिक न्याय दिवस' के इस उद्देश्य को पूरा करने और लोगों के बीच इस दिन के महत्व के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए संयुक्त राष्ट्र और अंतर्राष्ट्रीय श्रम कार्यालय एक साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

रोज़गार के माध्यम से असमानता को खत्म करने पर जोर

हर वर्ष विश्व सामाजिक न्याय दिवस पर एक विषय या थीम जारी की जाती है। इस वर्ष यानी 2022, विश्व सामाजिक न्याय दिवस की थीम- अचीविंग सोशल जस्टिस थ्रू फॉर्मल एम्प्लॉयमेंट (Achieving Social Justice Through Formal Employment) रखी गयी है। जिसका अर्थ है औपचारिक रोज़गार के माध्यम से सामाजिक न्याय प्राप्त करना है। दुनिया की करोड़ों महिलाएं, पुरुष और युवा, अनौपचारिक अर्थव्यवस्था के माध्यम से अपनी जीविका चलाते हैं। कोविड-19 महामारी ने वैसे तो देश-दुनिया के हर वर्ग को प्रभावित किया है, मगर अनौपचारिक अर्थव्यवस्था में श्रमिकों के संग किए जाने वाले भेदभाव पर विशेष प्रकाश डाला है। ऐसे मजदूर जिनके पास अक्सर किसी भी प्रकार की सामाजिक सुरक्षा या रोज़गार संबंधी हितों की पूरी पूर्ति नहीं होती है, नौकरी सुरक्षित नहीं होती, किसी तरह की बीमा योजना का लाभ नहीं मिलता, कोई पीएफ फंड नहीं होता इस तरह की समस्याओं से जूझते हैं। औपचारिक श्रमिकों की तुलना में इनके गरीब होने की संभावना दोगुनी होती है। अधिकांश लोग अनौपचारिक अर्थव्यवस्था में अपनी पसंद से नहीं, बल्कि औपचारिक अर्थव्यवस्था में अवसरों की कमी की वजह से इसमें शामिल होते हैं। कोरोना के संकटकाल में जब लाखों की संख्या में कारखाने बंद हुए, घाटे की वजह से उद्योग धंधों को क्षति होने के बाद नौकरियों में छंटनी की वजह से अच्छी नौकरियां कर रहे लोगों को भी असंगठित रोज़गार की ओर रुख करना पड़ा है। इसे रोकने के लिए सही प्रोत्साहन और अवसर प्रदान करना ही एकमात्र हल है। इस प्रक्रिया को बेहतर ढंग से समझने और औपचारिकता की दिशा में प्रगति की निगरानी के लिए विश्वसनीय और प्रासंगिक आंकड़ों की आवश्यकता होती है। कई देश ई फॉर्मलाइजेशन टूल्स उपकरणों के माध्यम से अनौपचारिक यानी असगंठित क्षेत्र के रोज़गार से औपचारिक यानी संगठित रोज़गार बढ़ाने के लिए नई तकनीकों का उपयोग कर रहे हैं, जैसे कि रोजगार की उचित पहचान के लिए इलेक्ट्रॉनिक डेटाबेस सिस्टम और ई-कॉमर्स का सहारा लिया जा रहा है।

भारत में सामाजिक न्याय की स्थिति

सामाजिक न्याय के संबंध में जब हमारे देश की बात होती है तो हम पाते हैं कि हमारे संविधान की प्रस्तावना और अनेकों प्रावधानों के द्वारा इसे सुनिश्चित करने की बात कही गई है। भारत में फैली जाति प्रथा और इस पर आधारित भेदभाव सामाजिक न्याय को रोकने में एक अहम कारक सिद्ध होता है। भारत में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, राष्ट्रीय महिला एवं बाल विकास आयोग जैसी कई सरकारी तंत्र एवं लाखों स्वयं सेवी संगठन हमेशा इस बात की कोशिश करते हैं कि समाज में भेदभाव से कोई आम इंसान पीड़ित न हो। हमारे देश में आज भी एक बड़ी आबादी ऐसे लोगों की है जो अपनी कई मूल जरूरतों के लिए न्याय प्रकिया को नहीं जानते जिसके अभाव में कई बार उनके मानवाधिकारों का हनन होता है और उन्हें अपने अधिकारों से वंचित रहना पड़ता है। ऐसे में उन्हें जब अपने अधिकार ही नहीं पता हैं, तो उनका शोषण होना स्वाभाविक है। अशिक्षा, गरीबी, बेरोज़गारी, महंगाई और आर्थिक असमानता की खाई बहुत गहरी है। इन असमानता को मिटाकर ही सामाजिक न्याय लाया जा सकता है।

जाति प्रथा का विरोध कर सामाजिक न्याय का दर्शन प्रस्तुत किया संत रविदास ने

संत रविदास की गिनती भारतीय भक्ति आंदोलन के शुरुआती संतों में होती है। 15वीं सदी में उन्होंने समाज में समानता फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे न केवल एक महान संत थे, बल्कि एक कवि, समाज सुधारक और दर्शनशास्त्री भी थे। संत रविदास जी ने अपने दोहों से समाज में फैली बुराइयों को दूर करने का प्रयत्न किया है और अपने दोहों से लोगों में सकरात्मक ऊर्जा का विस्तार किया है। इसके साथ ही लोगों को सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा भी दी है। निर्गुण धारा के संत रविदास की भाईचारे और बराबरी का संदेश प्रसारित करने में उनका बड़ा योगदान रहा। जाति को लेकर बनी रूढ़िवादिता पर उन्होंने कड़ा प्रहार किया और समाज में बराबरी का भाव फैलाया। अपनी रचनाओं के जरिये उन्होंने आध्यात्मिक और सामाजिक संदेश दिया है। सुप्रसिद्ध लेखिका गेल ओम्वे ने अपनी पुस्तक 'सीकिंग बेगमपुराः दी सोशल विजन ऑफ एंटीकास्ट इंटेलेक्चुअल्स' में सतगुरु रविदास को सम्पूर्ण भारतीय इतिहास में प्रथम व्यक्ति माना है, जिन्होंने आदर्श भारतीय समाज का मॉडल पेश किया। वास्तव में, आदर्श भारतीय समाज का सपना 'यूटोपिया' अभिजात्य वर्ग के साहित्य की देन नहीं है, बल्कि यह तो जाति व्यवस्था का प्रखर विरोध करने वाली शख्सियतों में से एक महान शख्सियत संत रविदास की देन है, जिनका लोग भरपूर आदर और सम्मान करते हैं। संत रविदास, भारत के प्रथम व्यक्ति हैं जिन्होंने अपने गीत 'बेगमपुरा' में आदर्श भारतीय समाज का 'यूटोपिया' प्रस्तुत किया है। 'बेगमपुरा' अर्थात् बिना गमों का शहर, जो एक जातिविहीन, वर्गविहीन आधुनिक समाज है। संत रविदास ने मीराबाई को अपना शिष्य स्वीकार किया और दीक्षा दी। उन्होंने मीराबाई को शिष्य उस दौर में बनाया जब हिन्दू धर्म में महिलाओं को कोई सम्मानजनक स्थान नहीं मिल रहा था। जब मीराबाई के पति की असमय मृत्यु हो गई तो राजपूताने की प्रथा अनुसार मीराबाई को सती होना था। लेकिन रविदास ने मीराबाई और उनके परिवार को समझाया और मीराबाई को सती होने से बचा लिया। इस तरह उन्होंने सती प्रथा बंद करवाने की परंपरा की नींव डाली। चित्तौड़गढ़, राजस्थान के किले में स्थित कुम्भा श्याम मंदिर के प्रांगण में गुरु रविदास की चरण पादुकाएं बनवाई गई हैं।

सर्जना चतुर्वेदी

(लेखिका, समसामयिक विषय पर लेखन कार्य करती हैं)

कार्यालय कलेक्टर (सामाजिक न्याय एवं निःशक्तजन कल्याण) जिला धार (म.प्र.)

Tel. No. : 07292-235810 & E-mail : ddsjdhar@gmail.com

क्रमांक/निःशक्त/2022-23/199 धार, दिनांक : 09.02.2022

विज्ञप्ति

निःशक्तजनों के उत्थान के लिये जिला विकलांग पुनर्वास केन्द्र के संचालन हेतु मानदेय के आधार पर विभिन्न पदों पर नियुक्ति के लिये आवेदन पत्रों का आमंत्रण आयुक्त, सामाजिक न्याय एवं निःशक्तजन कल्याण (म.प्र.) भोपाल का पत्र क्रमांक/निक/9/जि.वि.पु.के./2010/1320 भोपाल दिनांक 19.07.2010 एवं परिपत्र क्रमांक/1400 भोपाल दिनांक 11.7.2017 के अनुसार **"जिला विकलांग पुनर्वास केन्द्र के संचालन"** हेतु कार्यालयीन पत्र क्र/निःशक्त/2019/1793 धार, दिनांक 25.07.2019 से विज्ञप्ति जारी कर आवेदन पत्र आमंत्रित किये गये थे स्वीकृत पदों में से शेष पदों की पूर्ति हेतु आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं :-

क्र.	पदनाम	शैक्षणिक योग्यता	जिला विकलांग पुनर्वास केन्द्रों के कर्मचारियों के प्रतिमाह देय मानदेय
1.	क्लीनिकल साइक्लोजिस्ट/साइक्लोजिस्ट	M-PHIL - IN Clinical Psychology/M.A. Psychology Preferably with 2 years experience in the field of disability rehabilitation.	20000/- प्रतिमाह
2.	सीनियर प्रोस्थेटिस्ट/आर्थोटिस्ट	Degree in prosthetic and orthotic preferably From National Institute with 5 years experience Or a diploma in prosthetic and Orthotic with 6 years experience.	20000/- प्रतिमाह
3.	प्रोस्थेटिस्ट/आर्थोटिस्ट (टेक्निशियन)	ITI trained with 2/3 years expeirence.	16000/- प्रतिमाह
4.	सीनियर स्पीच थेरापिस्ट/आडियोलाजिस्ट	Post Gradate in related in related field/B.Sc. (Speech & Hearing)	20000/- प्रतिमाह
5.	ईअर मोल्ड टेक्निशियन	Diploma in Speech & Hearing With knowledge of hearing Aids Repair/ear mouid Making.	16000/- प्रतिमाह
6.	मोविलिटी इन्स्ट्रक्टर	Matriculation + Certificate Diploma in Mobility	16000/- प्रतिमाह
7.	मल्टीपर्पज रिहेब्लीटेशन	10+2 With diploma in CBR/MRW COURSE ONE year diploma Course in early childhood Special education with two years experience.	16000/- प्रतिमाह
8.	विशेष शिक्षक (मेंटर रिटार्डेशन/ऑटिज्म/सेरेब्रल पॉल्सी)	Gradute (General) B.Ed. In special education in MR with 2 years experience Or diploma in special education in MR with 3 years experience.	14000/- प्रतिमाह

उक्त पदों के लिये शर्तें निम्नानुसार होंगी :- 1. उपरोक्त सभी पद एकांकी होने से आरक्षण प्रावधान से मुक्त होंगे। 2. उक्त सभी पद पूर्णतः संविदा आधार के हैं, शासन पक्ष के विरुद्ध न्यायालय में कोई प्रकरण प्रस्तुत करने पर स्थिति शून्य मानी जावेगी। 3. उम्मीदवार की आयु 18 से कम नहीं एवं 35 वर्ष से अधिक नहीं होना चाहिए, सामान्य प्रशासन विभाग के द्वारा समय-समय पर जारी किये गये दिशा-निर्देशानुसार उम्मीदवार को आयु शिथिलता की पात्रता होगी। 4. उक्त पदों के लिये जिन प्रतिभागियों के द्वारा शासन के द्वारा अधिकृत पंजीकृत संस्था से पाठ्यक्रम किये हैं। (उन्हें चयन में प्राथमिकता दी जावेगी)। 5. उक्त पद योजना के तहत होकर संविदा आधारित केवल एक वर्ष के लिये होगी, किसी भी प्रकार के कार्य संतोषजनक नहीं पाए जाने पर पुनर्वास केन्द्र के अध्यक्ष/सचिव द्वारा किसी भी समय एक माह का नोटिस दिया जाकर सेवा समाप्त की जा सकती है। उम्मीदवार द्वारा भी नौकरी से त्याग-पत्र देने की स्थिति में एक माह पूर्व नियोक्ता को नोटिस देना आवश्यक है। अन्यथा उसे एक माह के संविदा मानदेय को जमा करना होगा। संविदा अवधि का कार्य संतोषजनक पाये जाने पर शासन निर्देशानुसार जिला विकलांग पुनर्वास समिति द्वारा अवधि बढ़ाये जाने का निर्णय लिया जावेगा। 6. जिला विकलांग पुनर्वास केन्द्रों के लिये चयनित कर्मचारियों के प्रतिमाह देय मानदेय भुगतान देते समय कार्य निष्पादन का आंकलन किया जावेगा। 7. उक्त पदों के लिये चयनित प्रतिभागियों को नियुक्ति पत्र प्राप्त होने के 15 दिवस में अपना चरित्र सत्यापन, मेडिकल बोर्ड, शैक्षणिक योग्यता एवं अन्य अर्हताएं संबंधी प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया जाना अनिवार्य है, उक्त प्रमाण पत्रों में प्रतिकूल स्थिति पायी जाने पर सेवाएं तत्काल समाप्त कर दी जावेंगी। 8. उक्त पदों के लिये चयनित प्रतिभागियों (तकनीकी) को जिला विकलांग पुनर्वास केन्द्र में उपलब्ध कराई गई सामग्री का उपयोग एवं रख रखाव एवं उसे व्यवस्थित संचालन की पूर्ण जवाबदारी स्वयं की होगी। यदि उपकरण में किसी प्रकार की कोई परेशानी आ रही है या खराबी हो रही है तो तत्काल सचिव को अवगत कराया जाना आवश्यक है। 9. उक्त पदों में चयनित प्रतिभागियों (तकनीकी) अनुक्रमांक 01 से 09 तक को जिला विकलांग पुनर्वास परिषद अधिनियम 1992 को भारतीय पुनर्वास परिषद (RCI) में पंजीबद्ध होना आवश्यक है। 10. उम्मीदवारों को अपना आवेदन पत्र दिये जा रहे प्रारूप में सम्पूर्ण जानकारी के साथ में उपलब्ध कराये गये सहपत्रों के साथ स्वयं सत्यापन कर उपलब्ध करावें। 11. अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़ा वर्ग के आवेदक जाति प्रमाण-पत्र, मूल निवासी प्रमाण पत्र की प्रमाणित प्रति संलग्न करें। 12. उक्त पदों में कमी या आधिक्य करने का अधिकार म.प्र. शासन का रहेगा। उच्च शिक्षा एवं अनुभव को प्राथमिकता दी जावेगी। 13. उक्त पदों के लिये शैक्षणिक योग्यता/डिप्लोमा के लिये 40:40 अंक कार्य अनुभव के 10 अंक साक्षात्कार के 10 अंक का निर्धारण किया जाता है उम्मीदवार का चयन मेरिट/वरीयता के आधार पर किया जावेगा, समान अंक आने पर जिसकी आयु अधिक होगी उसे प्राथमिकता दी जावेगी। 14. उपरोक्त पदों के लिये आवेदन पत्र **दिनांक 28.02.2022 तक** जिला कार्यालय उप संचालक सामाजिक न्याय कलेक्टोरेट (जिला पंचायत केम्पस) धार के नाम से उक्त दिनांक के सायंकाल 5.30 बजे तक उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित करें। 15. नियत तिथि के उपरांत डाक एवं अन्य माध्यम से प्राप्त आवेदन पत्र पर विचार नहीं किया जावेगा। 16. विज्ञप्ति में प्रकाशित सरल क्रमांक 01 से 08 तक प्राप्त आवेदन पत्रों में पात्र उम्मीदवारों का चयन परीक्षा/साक्षात्कार में उपस्थित होने की सूचना संबंधित को पत्र के माध्यम से/दूरभाष से/मोबाइल/डाक के द्वारा भेजी जावेगी। 17. उक्त के संबंध में सम्पूर्ण जानकारी जिला कार्यालय के NIC पोर्टल पर दर्शित है।

म.प्र. माध्यम/103714/46658/2022

उप संचालक एवं सचिव विकलांग पुनर्वास केन्द्र
सामाजिक न्याय एवं निःशक्तजन कल्याण, जिला धार, मध्यप्रदेश

कलेक्टर एवं अध्यक्ष
जिला विकलांग पुनर्वास केन्द्र, जिला धार, मध्यप्रदेश

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, संभाग क्र.-01, 1558 ऋषि कॉटेज
रतन कालोनी, जबलपुर (म.प्र.) 482003, फोन : 0761-4927201
Email : mpphcjabalpur@gmail.com

म.प्र. पुलिस आ.अधो.वि.नि. जबलपुर क्र.-01 के अंतर्गत स्वास्थ्य विभाग वर्ष 2021-22 में 50 बिस्तर अस्पताल निर्माण कार्य पाटन जिला जबलपुर एवं करेली, जिला नरसिंहपुर हेतु (ऑनलाइन निविदा क्र. 2022_MPPHC_185014, 185015) आमंत्रित की जाती हैं। निविदा प्रपत्र **दिनांक 10.03.2022 समय 17:00 बजे तक** ऑनलाइन खरीदे एवं सबमिट (प्रस्तुत) किये जा सकते हैं। जिसकी विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : https://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं एवं निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उक्त वेबसाइट पर ही किए जावेंगे। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

म.प्र. माध्यम/103706/46653/2022 **परियोजना यंत्री**

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, संभाग क्र.-01, 1558 ऋषि कॉटेज
रतन कालोनी, जबलपुर (म.प्र.) 482003, फोन : 0761-4927201
Email : mpphcjabalpur@gmail.com

म.प्र. पुलिस आ.अधो.वि.नि. जबलपुर क्र.-01 के अंतर्गत शहरी थाना भवन का अपूर्ण निर्माण कार्य रांझी, जिला जबलपुर हेतु (ऑनलाइन निविदा क्र. 2022_MPPHC_185013) आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 28.02.2022 समय 17:00 बजे तक** ऑनलाइन खरीदे एवं सबमिट (प्रस्तुत) किये जा सकते हैं। जिसकी विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : https://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं एवं निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उक्त वेबसाइट पर ही किए जावेंगे। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

म.प्र. माध्यम/103707/46654/2022 **परियोजना यंत्री**

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, सागर संभाग, भदभदा रोड, भोपाल

क्र./198/मप्रपुहाका/पय/सागर/22 दिनांक : 14.02.2022

निविदा सूचना क्रमांक 019/2021-22

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम, सागर संभाग के अंतर्गत भोपाल जिले में बाह्य विद्युतीकरण कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र ऑनलाइन क्रय की **अंतिम तिथि 28.02.2022** तक है। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : https://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/103711/46655/2022 **परियोजना यंत्री**

म.प्र. पुलिस आवास एवं अधो.वि. निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, संभाग क्र.-1, भदभदा रोड, भोपाल

क्र./192-194/तशा/प.यं./2021 दिनांक : 15.02.2022

प्रेस विज्ञप्ति

इस कार्यालय द्वारा भोपाल जिले में विभिन्न मरम्मत/उन्नयन कार्यों हेतु ऑनलाइन निविदा क्रमांक (1) 2022_MPPHC_184979_1 (2) 2022_MPPHC_184982_1 (3) 2022_MPPHC_184984_1 (4) 2022_MPPHC_185002_1 हेतु निविदा प्रपत्र **दिनांक 22.02.2022 समय 17.00 बजे तक** खरीदे जा सकते हैं। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/103718/46559/2022 **परियोजना यंत्री**

म.प्र. पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, संभाग रीवा (म.प्र.)
Ph. : 9425601523/8871571988

प्रेस-विज्ञप्ति

संभाग रीवा के अंतर्गत 30 बिस्तर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र नागौद जिला सतना का 50 बिस्तर सिविल अस्पताल में उन्नयन कार्य हेतु निविदा क्रमांक 20/2021-22 (ऑनलाइन निविदा क्रमांक MPPHCL/TENDER NO. 2022_MPPHC_185126_1) आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 04.03.2022 समय 17:00 बजे तक** ऑनलाइन खरीदे एवं प्रस्तुत किये जा सकते हैं एवं निविदा सूचना व अन्य विवरण **Portal : http://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/103712/46656/2022 **परियोजना यंत्री**

म.प्र. पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, पुलिस लाइन, रीवा (म.प्र.)
Ph. : 9425601523/8871571988

प्रेस-विज्ञप्ति

संभाग रीवा के अंतर्गत निर्माण कार्य पुलिस चौकी त्यौंथर जिला रीवा हेतु निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 21/2021-22 (ऑनलाइन निविदा क्रमांक MPPHCL/TENDER NO. 2022_MPPHC_185232_1) आमंत्रित की जाती है। उक्त निविदा प्रपत्र **दिनांक 04.03.2022 समय 17:00 बजे तक** ऑनलाइन खरीदे एवं प्रस्तुत किये जा सकते हैं एवं निविदा सूचना व अन्य विवरण **Portal : http://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/103713/46657/2022 **परियोजना यंत्री**

म.प्र. पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, संभाग क्र.-01, जबलपुर
1558 ऋषि कॉटेज, रतन कॉलोनी, जबलपुर (म.प्र.) 482003
Ph. : 0761-4927201, Email : mpphcjabalpur@gmail.com

म.प्र. पुलिस आ.अधो.वि.नि. संभाग जबलपुर क्र.- 01 अंतर्गत खेलो इंडिया योजना अंतर्गत स्वीकृत 400 मीटर सिंथेटिक एथलेटिक ट्रेक (Top Layer Over Sub Grade) रांझी, जबलपुर कार्य हेतु निविदा क्र. 17/2021-22 (ऑनलाइन निविदा क्र. 2021_MPPHC_184690) आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 28.02.2022 समय 17:00 बजे तक** ऑनलाइन खरीदे एवं सब्मिट (प्रस्तुत) किये जा सकते हैं। जिसकी विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : https://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं एवं निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उक्त वेबसाइट पर ही किए जावेंगे पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

म.प्र. माध्यम/103677/46648/2022 **परियोजना यंत्री**

म.प्र. पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, संभाग क्र.-01, जबलपुर
1558 ऋषि कॉटेज, रतन कॉलोनी, जबलपुर (म.प्र.) 482003
Ph. : 0761-4927201, Email : mpphcjabalpur@gmail.com

म.प्र. पुलिस आ.अधो.वि.नि. संभाग जबलपुर क्र.-01 में (1) पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय जबलपुर में पूर्व निर्मित पुराने अतिथि गृह में मरम्मत एवं उन्नयन कार्य हेतु निविदा क्र. 16/2021-22 (ऑनलाइन निविदा क्र. 2021_MPPHC_184689) आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 23.02.2022 समय 17:00 बजे तक** ऑनलाइन खरीदे एवं सब्मिट (प्रस्तुत) किये जा सकते हैं। जिसकी विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : https://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं एवं निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उक्त वेबसाइट पर ही किए जावेंगे पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

म.प्र. माध्यम/103678/46649/2022 **परियोजना यंत्री**

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(An Agency of Panchayat & Rural Development Department, Govt. of M.P.)
5th Floor, Block-II, Paryavas Bhawan, BHOPAL M.P. - 462 011

NOTICE INVITING TENDER FOR SQC CONSULTANCY

(E-Procurement Notice)

No. 2621/22/D-12/SQC/MPRRDA/2022
Bhopal, Dated : 14.02.2022

Online bids are invited from the consultants fulfilling the required qualification criteria for Supervision and Quality Control Consultancy of Rural Roads being constructed under PMGSY-III for the following districts.

- **No. of Packages - 6**

Name of Districts/PIU - Chhindwara-2, Damoh, Bhopal, Indore, Katni-1 & 2, & Narsinghpur.

- **Cost of Bid Document, Bid Security (EMD) and service charges as appearing on e-procurement portal are to be paid simultaneously through Debit Card/Credit Card/Internet Banking or system generated challan. For detailed procedure of online payment of EMD and submission of affidavit please refer condition number 2 of detailed NIT.**

1. RFP document may be seen, downloaded and purchased from our e-procurement website **https://mptenders.gov.in from 17:00 hrs on 15.02.2022 .**
2. Last date of Submission of bid is date **04.03.2022 upto 17.00 hrs.**

Other details & conditions may be seen in the detailed NIT, Tender document for SQC of Roads and Bridge works August, 2020 (Updeted upto 28.06.2021) on our Website **http://mptenders.gov.in.**

CHIEF GENERAL MANAGER
M.P. Madhyam/103683/46650/2022 **(Tender)**

म.प्र. पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, भदभदा रोड संभाग क्रमांक-02 भोपाल

Mobile : 9425601534, ई-मेल : bhopaldivision2@gmail.com

क्र.-मप्रपुआअविनि/80/पयं/भोपाल-02/तशा/2022 भोपाल, दि. : 14.02.2022

प्रेस विज्ञप्ति

"37 बिस्तर सिविल अस्पताल नरसिंहगढ़ जिला राजगढ़ का 100 बिस्तर सिविल अस्पताल में उन्नयन कार्य हेतु निविदा क्रमांक-12/2021-22 ऑनलाइन निविदा क्रमांक-MPPHCL/TENDER No. 2022_MPPHC_184692_1) आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 10.03.2022 समय 5.00 बजे तक** ऑनलाइन से खरीदे जा सकते हैं, विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : https://mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/103672/46647/2022 **परियोजना यंत्री**

APPOINTMENTS

Under College Code 28

Affiliated to DAVV

A renowned educational group Renaissance has requirement for RENAISSANCE COLLEGE OF COMMERCE & MANAGEMENT

45, Anurag Nagar, Behind Press Complex, Indore (M.P.)

DEDICATED & HARD WORKING

PROFESSOR, ASSOCIATE PROFESSORS & ASSISTANT PROFESSORS

FOR COMMERCE, MANAGEMENT, MATHEMATICS, STATISTICS, COMPUTERS, MASS COMMUNICATION, HINDI & ENGLISH

SPORTS OFFICER & LIBRARIAN

Qualification & Salary as per UGC/ AICTE norms.

Candidate should have good command over English language.

Apply within 7 days.

City Office : 45, Anurag Nagar, Behind Press Complex, Indore
Phone : **0731-4262100-2**
e-mail: **rccm.college@gmail.com**

Renaissance College of Commerce & Management

Director

VIGILANCE

R-46663/2022

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)
5th Floor, Block-II, Paryawas Bhawan, Bhopal M.P. – 462011
(GST No. 23AAATM9054A3ZX)

NOTICE INVITING TENDER NO. 976 DMF

No./2648/22/D-12/MPRRDA/2022 Bhopal, Dated : 15.02.2022

Online Tenders for Construction of Rural Roads/CDs with 5 years maintenance are invited on the E-Procurement System portal **https://www.mptenders.gov.in** as detailed below.

● **Table No.1 : Name of work : Up-gradation (UPG)**

S. No.	Name of District	No. of Package	Total PAC (In Rs.)
1.	Waidhan	2	26241000.00

1. Tender document can be purchased and submitted only online from the above website from **17.02.2022 from 17:30 hrs.**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document for construction & maintenance of rural roads/Bridges Sept. 2017 on the above-mentioned portal and concerned PIU.

Madhyam/103688/46651/2022 **CHIEF GENERAL MANAGER**

म.प्र. पुलिस आवास एवं अधो. वि. निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, संभाग क्र.-1, भदभदा रोड, भोपाल

क्र./186/तशा/प.यं./2022 दिनांक 15.02.2022

प्रेस विज्ञप्ति

इस कार्यालय द्वारा भोपाल में आवासगृहों के निर्माण हेतु ऑनलाइन निविदा क्रमांक 2022_MPPHC_184917_1, 2022_MPPHC_184919_1, 2022_MPPHC_184920_1 आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 02.03.2022 समय 17.00 बजे तक खरीदे जा सकते हैं। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं एवं निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उक्त वेबसाइट पर ही किए जावेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

म.प्र. माध्यम/103699/46652/2022 **परियोजना यंत्री**

Vidyodaya Mahavidyalaya

Affiliated to DAVV, Indore

Dhar Road Opposite Telephone Exchange, MANAWAR, Dist. Dhar (M.P.) 454446

REQUIRES

Applications are invited for the following posts, under college code-28, Eligibility and Salary as per UGC/AICTE and MP Govt. norms.

* Principal
* Associate/Asst. Professor **(Commerce, Botany, Maths, Statistics, Hindi Home Science, Chemistry, Physics, English, Management, Computer, Economics, Soil Conservation and Water Management**
* Sports officer, Librarian

Note:- **Qualification for S.C.W.M. (M.Sc. In Soil Science/Agronomy/Seed Technology/Agroforestry)**

Apply within 15 days with complete resume

Contact : Tel. 07294-233 511, 9826537056 Secretary
email: vidyodaya_society@rediffmail.com

R-46664/2022

SHRI VAISHNAV COLLEGE OF TEACHERS TRAINING (Recognized by NCTE & Affiliated to DAVV, Indore)

REQUIRED

- **B.Ed./D.EL.ED (Faculty)**
  Assistant Professor/Lecturer:
  - **Perspectives in Education • Pedagogy Subjects**
  - **Fine Art/ Performing Art/ Health and Physical Education**

  Qualification according to NCTE/UGC Norms.
- **Librarian (B.Lib), Lab Assistant (BCA), Technical Assistant (B.Sc./B.Tech)**

Qualifying candidates may apply in the prescribed format available at svctt.vaishnavindore.com and at the college campus. Attach your resume. Passport size Photograph and send it to the Principal within 15 days from the date of this advertisement.

Campus : Sch. No. 71 Gumasta Nagar, Indore -452009 (M.P.)
Email: svcttindore@gmail.com **Contact:** 0731-2387360, 9770907720

R-46666/2022

deepak

जेल बंदियों की परिजन से मुलाकात की दी स्वीकृति

भोपाल, राज्य शासन ने कोरोना वायरस (कोविड-19) बीमारी से बचाव हेतु बंदियों की परिजन से मुलाकात 31 मार्च, 2022 तक प्रतिबंधित की गई थी। जेल विभाग द्वारा 12 फरवरी से जेलों में परिरुद्ध बंदियों की उनके परिजन से मुलाकात को प्रारंभ करने की स्वीकृति प्रदान की है। बंदियों को उनके परिजनों से मुलाकात जेल मेन्युअल एवं जेल मुख्यालय के परिपत्र में दिये गये निर्देशों तथा कोविड-19 के संबंध में शासन के दिशा-निर्देशों का पालन करवाना अनिवार्य होगा।

म.प्र. ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण

कार्यालय महाप्रबंधक, परियोजना क्रियान्वयन इकाई क्र. 01, सतना (म.प्र.)
(म.प्र. शासन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अधीन)
श्रम न्यायालय के पीछे, मास्टर प्लान, सिविल लाइन, सतना (म.प्र.)
E-Mail : gmpiusatna@rediffmail.com, Phone : 07672-292290

पत्र क्र. 217/स्था./2022 सतना, दिनांक 14.02.2022

विज्ञप्ति

महाप्रबंधक, म.प्र. ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण, परियोजना क्रियान्वयन इकाई क्रमांक 01, सतना में सहायक ग्रेड - 2 के 02 पद रिक्त हैं। उक्त पद की पूर्ति प्रतिनियुक्ति/संविदा पर कार्य विभाग में कार्यरत कर्मचारियों अथवा सेवानिवृत्त कर्मचारियों से किया जाना है, जिसका विवरण निम्नानुसार है :-

स. क्र.	प्रतिनियुक्ति का प्रकार	प्रतिनियुक्ति के लिये अर्हता/वेतन	संविदा नियुक्ति के लिये अर्हता/वेतन विवरण/ आयु सीमा आदि	रिमार्क
1.	प्रतिनियुक्ति/ संविदा	म.प्र. कार्य विभाग में कार्यरत सहायक ग्रेड 2 जिन्हें इस पद पर 05 वर्ष का अनुभव हो प्रतिनियुक्ति पर मूल विभाग में प्राप्त हो रहे वेतन एवं भत्ते देय होंगे।	म.प्र. कार्य विभाग से सेवानिवृत्त कार्यालय सहायक ग्रेड-2 **वेतन** - संविदा हेतु सेवानिवृत्ति के पूर्व देय कुल वेतन से पेंशन एवं राहत राशि घटाकर, शेष राशि एकजाई वेतन के रूप में देय होगी **आयु** - दि. 01.03.2022 को 63 वर्ष से कम	

प्रतिनियुक्ति से पदों की पूर्ति न होने की स्थिति में इन्हें संविदा आधार पर भरा जाना प्रस्तावित है। अतः इच्छुक अभ्यर्थी इस हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत कर सकते हैं। इच्छुक अभ्यार्थी प्रतिनियुक्ति हेतु उचित माध्यम से (विभाग की अनापत्ति प्रमाण पत्र सहित) आवेदन पत्र प्रस्तुत करें एवं संविदा पदस्थापना हेतु सीधे आवेदन प्रस्तुत किये जायें। आवेदन पत्र जमा करने की **अंतिम तिथि 02.03.2022** है।

म.प्र. माध्यम/103727/46668/2022 **महाप्रबंधक**

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)
5th Floor, Block-II, Paryawas Bhawan, Bhopal M.P. – 462011
(GST No. 23AAATM9054A3ZX)

NOTICE INVITING TENDER No. 977 DEPOSIT WORK

No./2800/22/D-12/MPRRDA/2022 Bhopal, Dated : 18.02.2022

Online Tenders for Construction of Rural Roads/CDs with 5 years maintenance are invited on the E-Procurement System portal **https://www.mptenders.gov.in** as detailed below.

● **Name of work :** Deposit Work (DW)

S. No.	Name of District	No. of Package	Total PAC (In Rs.)
1	Agar	4	307281000.00
2	Neemuch	1	171339000.00
3	Shajapur	1	105351000.00

1. Tender document can be purchased and submitted only online from the above website from **21.02.2022 from 17:30 hrs.**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document for construction & maintenance of rural roads/Bridges Sept. 2017 on the above-mentioned portal and concerned PIU.

Madhyam/103728/46669/2022 **CHIEF GENERAL MANAGER**

कार्यालय संचालक, राज्य स्तरीय रोज़गार एवं प्रशिक्षण केन्द्र (पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण) पुलिस रेडियो मुख्यालय के सामने, भदभदा रोड, भोपाल

E-mail : wrd.setc@mp.gov.in, Phone : 0755-2763284

राज्य सेवा मुख्य परीक्षा 2020 की तैयारी हेतु प्रशिक्षण

म.प्र. लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित राज्य सेवा प्रारम्भिक परीक्षा 2020 में उत्तीर्ण एवं मुख्य परीक्षा हेतु अर्हता रखने वाले म.प्र. के पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक वर्ग के अभ्यर्थियों को मुख्य परीक्षा की तैयारी के लिए निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान किया जाना है। प्रशिक्षण की अवधि 2 माह 15 दिवस की होगी। पात्र एवं इच्छुक अभ्यर्थी संलग्न आवेदन पत्र में अपनी जानकारी की पूर्ति कर कार्यालय को प्रेषित करें। प्रशिक्षण एवं छात्रावास में प्रवेश पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर सीट्स रिक्त रहने तक दिया जावेगा। इच्छुक अभ्यर्थी अपना आवेदन स्वयं अथवा डाक अथवा ई-मेल के माध्यम से **दिनांक 25.02.2022 सायं 05.00 तक** प्रेषित किया जाना सुनिश्चित करें। विलम्ब से प्राप्त आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जावेगा। अधिक जानकारी के लिए केंद्र के दूरभाष क्रमांक 0755-2763284 पर कार्यालयीन समय में संपर्क किया जा सकता है।

संचालक
राज्य स्तरीय रोज़गार एवं प्रशिक्षण केंद्र
(पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण), भोपाल (म.प्र.)

आवेदन पत्र का प्रारूप

राज्य सेवा परीक्षा-2020 के मुख्य परीक्षा प्रशिक्षण हेतु आवेदन पत्र

आवेदक का फोटो जो स्व-हस्ताक्षरित हो

1. आवेदक का नाम .....
2. पिता/पति का नाम .....
3. निवास का वर्तमान पता .....
4. स्थाई पता (पिनकोड सहित) .....
5. दूरभाष/मोबाइल क्र. .....
6. ई-मेल आई.डी. .....
7. मूल निवास स्थान .....
8. पिछड़ा वर्ग जाति/उपजाति .....
   अथवा अल्पसंख्यक वर्ग जाति/उपजाति .....
9. पारिवारिक वार्षिक आय (समस्त स्रोतों से) .....
10. राज्य सेवा प्रारम्भिक परीक्षा 2020 को अनुक्रमांक .....
11. अभिरुचि .....
14. शैक्षणिक योग्यताएं -

क्र.	शैक्षणिक स्तर	उत्तीर्ण वर्ष	बोर्ड/वि.वि.	श्रेणी	प्रतिशत	विशेष
1.	हाईस्कूल/हायर सेकेण्डरी (जन्मतिथि हेतु)					
2.	स्नातक					

नोट - क्रमांक 07 से 10 एवं 12 के समर्थन में अभिलेखों की स्वप्रमाणित सत्यप्रतियां संलग्न करें।

स्थान :- **आवेदक के हस्ताक्षर**
दिनांक :- **पूरा नाम**.....

घोषणा-पत्र

मैं निष्ठापूर्वक घोषणा करता/करती हूं कि :-

1. मेरे द्वारा आवेदन पत्र में दी गई जानकारी तथ्यों पर आधारित एवं सत्य है।
2. मेरे ऊपर न्यायालय में किसी प्रकार का आपराधिक प्रकरण नहीं चल रहा है।
3. प्रशिक्षण अवधि में किसी भी प्रकार की अनुशासनहीनता करने पर मेरा प्रवेश तत्काल निरस्त किया जा सकेगा।

स्थान :- **आवेदक के हस्ताक्षर**
दिनांक :- **पूरा नाम**.....

जी-22582/46633/2022

कार्यालय अतिरिक्त परियोजना संचालक
लोक निर्माण विभाग पी.आई.यू., ओल्ड पलासिया, इंदौर (म.प्र.)

ई-मेल : apdpiuindore@gmail.com

क्र. एफ-1/2022/सामान्य/ए.पी.डी./एनआईटी-04/440 इंदौर, दिनांक : 14.02.2022

विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 04/2022

मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से लोक निर्माण विभाग, पी.आई.यू. परिक्षेत्र इंदौर के अंतर्गत निम्नांकित निर्माण कार्यों हेतु केंद्रीयकृत ई-पंजीयन व्यवस्था अंतर्गत सिविल श्रेणी में पंजीयन ठेकेदार से लोक निर्माण विभाग, पी.आई.यू. म.प्र. द्वारा दिनांक 01.12.2020 से प्रभावशील एसओआर एवं निविदा सूचना प्रकाशन तिथि संशोधित, निर्धारित तिथि (Key-Date) अनुसार के आधार पर ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है। आमंत्रित निविदा शासन के पोर्टल **http://mptenders.gov.in** पर देखी जा सकती है, जिसका विवरण निम्नानुसार है -

क्र.	पोर्टल टेंडर क्र.	कार्य का नाम	जिला	ठेके की अनुमानित राशि (पीएसी) (रु. लाख में)	अमानत राशि (ईएमडी) (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि (माह में) वर्षा-काल सहित
1.	2022_PWPIU_183931_1	आम्बुआ जिला अलीराजपुर में शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल भवन का निर्माण कार्य।	अलीराजपुर	364.66	3,64,700	15,000	12
2.	2022_PWPIU_183946_1	बोरी जिला अलीराजपुर में शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल भवन का निर्माण कार्य।	अलीराजपुर	322.48	3,22,500	15,000	12
3.	2022_PWPIU_183944_1	शासकीय हा.से. स्कूल अजंदा जिला अलीराजपुर में 10 नग अतिरिक्त कक्ष का निर्माण कार्य।	अलीराजपुर	212.45	2,12,500	15,000	12
4.	2022_PWPIU_184227_1	बड़वानी जिला बड़वानी में विभिन्न भवनों वर्ष 2021-22 में आर्किटेक्चरल डिजाइन एवं डीपीआर कंसल्टेंसी का कार्य। (द्वितीय आमंत्रण)	बड़वानी	50.00	50,000	5,000	24
5.	2022_PWPIU_184214_1	सेंधवा जिला बड़वानी में शासकीय पॉलीटेक्नीकल भवन में वर्कशाप का निर्माण कार्य। (द्वितीय आमंत्रण)	बड़वानी	130.05	1,30,050	12,500	8
6.	2022_PWPIU_184205_1	ओझर जिला बड़वानी में 50 सीटर कन्या छात्रावास एवं राजपुर में 50 सीटर बालक छात्रावास का निर्माण कार्य। (द्वितीय आमंत्रण)	बड़वानी	577.96	5,77,960	20,000	15
7.	2022_PWPIU_184204_1	अनुसूचित जनजाति विभाग के अंतर्गत शासकीय हा.से. स्कूल भवन मेलफा जिला बड़वानी में 10 नग अतिरिक्त कक्ष का निर्माण कार्य।	बड़वानी	251.79	2,51,790	15,000	12
8.	2022_PWPIU_184182_1	अनुसूचित जनजाति विभाग के अंतर्गत शासकीय हा.से. स्कूल भवन चौकी जिला बड़वानी में 10 नग अतिरिक्त कक्ष का निर्माण कार्य।	बड़वानी	226.35	2,26,350	15,000	12
9.	2022_PWPIU_184177_1	अनुसूचित जनजाति विभाग के अंतर्गत शासकीय हा.से. स्कूल भवन बावटी जिला बड़वानी में 10 नग अतिरिक्त कक्ष का निर्माण कार्य।	बड़वानी	214.56	2,14,560	15,000	12
10.	2022_PWPIU_184419_1	अनुसूचित जनजाति विभाग के अंतर्गत शासकीय हा.से. स्कूल भवन खकनार जिला बुरहानपुर में नवीन हा.से. स्कूल भवन का निर्माण कार्य।	बुरहानपुर	359.29	3,59,300	15,000	12
11.	2022_PWPIU_184348_1	अनुसूचित जनजाति विभाग के अंतर्गत शासकीय हा.से. स्कूल भवन सिरपुर जिला बुरहानपुर में 10 नग अतिरिक्त कक्ष का निर्माण कार्य।	बुरहानपुर	250.12	2,50,121	15,000	12
12.	2022_PWPIU_176076_3	पीआईयू धार के अंतर्गत छुटे हुये, मरम्मत मायनर एवं परफार्मेंस ग्यारंटी के अंदर किये जाने वाले विभिन्न निर्माण कार्य।	धार	100.00	1,00,000	10,000	12
13.	2022_PWPIU_184490_1	शासकीय हा.से. स्कूल भवन कुक्षी, तलवाड़ा एवं गानपुर जिला धार में 06 अतिरिक्त कक्ष का निर्माण कार्य।	धार	533.92	5,33,920	20,000	14
14.	2022_PWPIU_184474_1	शासकीय हा.से. स्कूल भवन जोलाना, जिला धार में नवीन हा.से. स्कूल भवन का निर्माण कार्य।	धार	465.60	4,65,600	15,000	12
15.	2022_PWPIU_184468_1	शासकीय हा.से. स्कूल भवन गाजगोटा, जिला धार में नवीन हा.से. स्कूल भवन का निर्माण कार्य।	धार	386.54	3,86,540	15,000	12
16.	2022_PWPIU_184455_1	शासकीय हा.से. स्कूल भवन दिग्ठान, सागौर एवं माडु जिला धार में 10 एवं 06 अतिरिक्त कक्ष का निर्माण कार्य।	धार	603.15	6,03,150	20,000	14
17.	2022_PWPIU_184442_1	अनुसूचित जनजाति विभाग के अंतर्गत धार में 50 सीटर सीनियर कन्या छात्रावास भवन का निर्माण कार्य।	धार	296.01	2,96,010	15,000	10
18.	2022_PWPIU_184418_1	अनुसूचित जनजाति विभाग के अंतर्गत कुक्षी में 50 सीटर सीनियर बालक छात्रावास भवन का निर्माण कार्य।	धार	267.06	2,67,060	15,000	10
19.	2022_PWPIU_184409_1	शासकीय हा.से. स्कूल भवन रालामंडल एवं उमरबन जिला धार में 06 नग अतिरिक्त कक्ष का निर्माण कार्य।	धार	558.93	5,58,930	20,000	15
20.	2022_PWPIU_184356_1	शासकीय हा.से. स्कूल भवन बलेडी जिला धार में 08 नग अतिरिक्त कक्ष का निर्माण कार्य।	धार	200.45	2,00,450	15,000	10
21.	2022_PWPIU_184342_1	शासकीय हा.से. स्कूल भवन कुसुमला जिला धार में 06 नग अतिरिक्त कक्ष का निर्माण कार्य।	धार	183.56	1,83,560	12,500	10
22.	2022_PWPIU_183773_1	जिला जेल इंदौर में 80 बंदी क्षमता की बैरक का निर्माण कार्य।	इंदौर	165.89	1,65,900	12,500	15
23.	2022_PWPIU_183760_1	केंद्रीय जेल इंदौर के जेल चिकित्सालयों के 10-10 बंदी क्षमता के कोरोना वार्ड एवं लांड्री का निर्माण कार्य।	इंदौर	40.85	50,000	5,000	9
24.	2022_PWPIU_183767_1	केंद्रीय जेल इंदौर में 40 बंदी क्षमता की बैरक का निर्माण कार्य।	इंदौर	83.91	83,910	10,000	12
25.	2022_PWPIU_184243_1	कन्या क्रीडा परिसर झाबुआ में आरचेरी भवन का शेष कार्य।	झाबुआ	145.67	1,45,650	12,500	8
26.	2022_PWPIU_184250_1	कन्या शिक्षा परिसर पेटलावद जिला झाबुआ में शेष कार्य।	झाबुआ	115.91	1,15,910	12,500	2
27.	2022_PWPIU_184256_1	कन्या शिक्षा परिसर रामा जिला झाबुआ में शेष कार्य।	झाबुआ	96.05	96,050	10,000	2
28.	2022_PWPIU_184265_1	कन्या शिक्षा परिसर राणापुर जिला झाबुआ में शेष कार्य।	झाबुआ	99.80	99,800	10,000	2
29.	2022_PWPIU_184278_1	कन्या शिक्षा परिसर झाबुआ जिला झाबुआ में शेष कार्य।	झाबुआ	62.29	62,290	10,000	2
30.	2022_PWPIU_183424_1	मेघनगर जिला झाबुआ में नवीन शासकीय बालक हा.से. स्कूल भवन निर्माण कार्य।	झाबुआ	307.17	3,07,170	15,000	12
31.	2022_PWPIU_183536_1	शासकीय हा.से. स्कूल भवन बामनिया जिला झाबुआ में 12 नग अतिरिक्त कक्ष का निर्माण कार्य।	झाबुआ	271.33	2,71,330	15,000	12
32.	2022_PWPIU_183442_1	खुरडुबडी जिला झाबुआ में नवीन शासकीय बालक हा.से. स्कूल भवन निर्माण कार्य।	झाबुआ	329.35	3,29,350	15,000	12
33.	2022_PWPIU_183393_1	पिटोल जिला झाबुआ में नवीन शासकीय बालक हा.से. स्कूल भवन निर्माण कार्य।	झाबुआ	327.50	3,27,500	15,000	12
34.	2022_PWPIU_183448_1	शासकीय हा.से. स्कूल भवन पारा जिला झाबुआ में 10 अतिरिक्त कक्ष का निर्माण कार्य।	झाबुआ	210.62	2,10,620	15,000	12
35.	2022_PWPIU_183409_1	शासकीय हा.से. स्कूल भवन रातीतलाई जिला झाबुआ में 10 नग अतिरिक्त कक्ष का निर्माण कार्य।	झाबुआ	211.44	2,11,440	15,000	12
36.	2022_PWPIU_183436_1	शासकीय हा.से. स्कूल भवन माण्डली जिला झाबुआ में 10 नग अतिरिक्त कक्ष का निर्माण कार्य।	झाबुआ	211.81	2,11,810	15,000	12
37.	2022_PWPIU_183453_1	गुणावद ब्लॉक पेटलवाद जिला झाबुआ में नवीन शासकीय हा.से. स्कूल भवन निर्माण कार्य।	झाबुआ	337.17	3,37,170	15,000	12
38.	2022_PWPIU_183430_1	रम्भापुर ब्लॉक मेघनगर जिला झाबुआ में नवीन शासकीय हा.से. स्कूल भवन निर्माण कार्य।	झाबुआ	319.39	3,19,390	15,000	12
39.	2022_PWPIU_184314_1	अनुसूचित जनजाति विभाग के अंतर्गत खालवा जिला खण्डवा में नवीन शासकीय हा.से. स्कूल भवन निर्माण कार्य।	खण्डवा	368.13	3,68,130	15,000	12
40.	2022_PWPIU_184316_1	अनुसूचित जनजाति विभाग के अंतर्गत शासकीय हा.से. स्कूल भवन काला आम खुर्द जिला खण्डवा में 10 नग अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य।	खण्डवा	204.37	2,04,370	15,000	12
41.	2022_PWPIU_184323_1	शासकीय मेडिकल कॉलेज खण्डवा में 150 से 250 स्ना. एम.एम.बी.एस. सीट वृद्धि के गैपऐनालिसिस के लिये आर्किटेक्चरल डिजाईन एवं डीपीआर कंसल्टेंसी सर्विसेस कार्य।	खण्डवा	127.02	1,27,020	12,500	12
42.	2022_PWPIU_184319_1	लोक निर्माण विभाग पीआईयू खण्डवा के विभिन्न भवनों का आर्टिटेक्चरल डिजाईन एवं डीपीआर कंसल्टेंसी सर्विसेस कार्य। (तृतीय आमंत्रण)	खण्डवा	50.00	50,000	5,000	24
43.	2022_PWPIU_183896_1	शासकीय हा.से. स्कूल भवन डोंगरगांव जिला खरगोन में 06 नग अतिरिक्त कक्ष का निर्माण कार्य।	खरगोन	162.41	1,62,410	12,500	12
44.	2022_PWPIU_183987_1	शासकीय हा.से. स्कूल भवन सिराली में 06 नगर, शासकीय हा.से. स्कूल भवन गौराडिया में 10 नग अतिरिक्त कक्ष का निर्माण कार्य।	खरगोन	374.96	3,74,960	15,000	12
45.	2022_PWPIU_183997_1	गोविन्दपुरा जिला खरगोन में नवीन हा.से. स्कूल का निर्माण कार्य।	खरगोन	389.36	3,89,360	15,000	12
46.	2022_PWPIU_184026_1	मोहनपुरा जिला खरगोन में नवीन हा.से. स्कूल का निर्माण कार्य।	खरगोन	374.15	3,74,150	15,000	12
47.	2022_PWPIU_184043_1	शासकीय हा.से. स्कूल भवन मोतीपुरा एवं ओन जिला खरगोन में 06 नग अतिरिक्त कक्ष का निर्माण कार्य।	खरगोन	323.39	3,23,390	15,000	12
48.	2022_PWPIU_184284_1	शासकीय कन्या हा.से. स्कूल भवन सैलाना जिला रतलाम में 10 नग अतिरिक्त कक्ष का निर्माण कार्य। (द्वितीय आमंत्रण)	रतलाम	222.12	2,22,130	15,000	12

(शेष अगले पृष्ठ पर)

कार्यालय अतिरिक्त परियोजना संचालक
लोक निर्माण विभाग, परियोजना क्रियान्वयन इकाई
निर्माण भवन, प्लाट नं.-27-28, अरेरा हिल्स, भोपाल

एनआईटी नं.-42/2021/निविदा/सा/एपीडी/ **भोपाल, दिनांक : 10.02.2022**

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती है :-

स. क्र.	पोर्टल टेंडर क्र.	कार्य का नाम	जिला	ठेके की अनुमानित राशि (पीएसी) (रु. लाख में)	अमानत राशि (ईएमडी) (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने की समय (माह में) वर्षा-काल सहित
1.	2022_PWPIU_184302_1	हायर सेकेण्डरी स्कूल भवन आमला में 10 अतिरिक्त कक्षों का निर्माण कार्य।	बैतूल	317.89	317890	15000	12 माह वर्षाकाल सहित
2.	2022_PWPIU_184305_1	हायर सेकेण्डरी स्कूल भवन वेलकुड़ में 10 अतिरिक्त कक्षों का निर्माण कार्य।	बैतूल	319.91	319910	15000	12 माह वर्षाकाल सहित
3.	2022_PWPIU_184310_1	हायर सेकेण्डरी स्कूल भवन केरपानी में 10 अतिरिक्त कक्षों का निर्माण कार्य।	बैतूल	290.40	290400	15000	12 माह वर्षाकाल सहित
4.	2022_PWPIU_184315_1	हायर सेकेण्डरी स्कूल भवन प्रभुढाना में 10 अतिरिक्त कक्षों का निर्माण कार्य।	बैतूल	290.40	290400	15000	12 माह वर्षाकाल सहित
5.	2022_PWPIU_184317_1	रामपुरमाल में नवीन हायर सेकेण्डरी स्कूल भवन रामपुरमाल का निर्माण कार्य।	बैतूल	440.97	440970	15000	12 माह वर्षाकाल सहित
6.	2022_PWPIU_184321_1	कन्या शिक्षा परिसर भैंसदेही में शेष कार्य।	बैतूल	246.80	246800	15000	02 माह वर्षाकाल सहित
7.	2022_PWPIU_184330_1	चार ईमली भोपाल में परागमन पारिवारिक खण्ड का निर्माण कार्य।	भोपाल	573.58	573580	20000	12 माह वर्षाकाल सहित
8.	2022_PWPIU_184134_1	जिला देवास में अनुसूचित जाति कल्याण विभाग अंतर्गत 100 सीटेड बालिका छात्रावास का निर्माण कार्य।	देवास	487.34	487340	15000	12 माह वर्षाकाल सहित
9.	2022_PWPIU_184301_1	कंस्ट्रक्शन ऑफ माईनर ओरिजिनल वर्क/ लेफ्ट ओव्हर वर्क बाय दि कान्ट्रेक्टर एंड वर्क अंडर परफारमेंस गारंटी ऑफ बिल्डिंग्स फ्रॉम दि डिपाजिट्स ऑफ ओरिजिनल कान्ट्रेक्टर अंडर पी.आई.यू. नर्मदापुरम डिवीजन (जोनल कांट्रेक्ट) (पांचवां आमंत्रण)	नर्मदापुरम	88.37	88370	10000	12 माह वर्षाकाल सहित
10.	2022_PWPIU_184099_1	अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कार्यालय भवन बुधनी जिला सीहोर का निर्माण कार्य। (द्वितीय आमंत्रण)	सीहोर	97.29	97290	10000	08 माह वर्षाकाल सहित
11.	2022_PWPIU_184645_1	विदिशा जिले अंतर्गत तहसील सिरोंज एवं लटेरी में शेष कार्य पी.जी. अंतर्गत सुधार कार्य एवं अन्य कार्य हेतु जोनल निविदा।	विदिशा	105.03	105030	12500	12 माह वर्षाकाल सहित

1. निविदा से संबंधित विड डॉक्यूमेंट वेबसाइट **http://mptenders.gov.in** पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे।
2. निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑनलाइन पोर्टल पर क्रेडिट/डेविट/कैश कार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा।
3. निविदा प्रपत्र केवल ऑनलाइन **दिनांक 10.02.2022 समय 10.30 से दिनांक 25.02.2022 समय 15.30 तक** खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी वेबसाइट पर देखी जा सकती है।
4. निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त वेबसाइट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

अतिरिक्त परियोजना संचालक (मुख्य अभियंता)
जी-22824/आर-46665/2022 **लो.नि.वि. पी.आई.यू., भोपाल**

(पिछले पृष्ठ का शेष)

49.	2022_PWPIU_184262_1	शासकीय हा.से. स्कूल भवन शिवगढ़ जिला रतलाम में 10 नग अतिरिक्त कक्ष का निर्माण कार्य। (द्वितीय आमंत्रण)	रतलाम	221.11	2,21,120	15,000	12
50.	2022_PWPIU_184257_1	रानीसिंग जिला रतलाम में शासकीय हा.से. स्कूल का निर्माण कार्य। (द्वितीय आमंत्रण)	रतलाम	394.88	3,94,890	15,000	12
51.	2022_PWPIU_184237_1	शासकीय कन्या हा.से. स्कूल भवन कुन्दनपुर जिला रतलाम में 10 नग अतिरिक्त कक्ष का निर्माण कार्य। (द्वितीय आमंत्रण)	रतलाम	216.89	2,16,890	15,000	12
52.	2022_PWPIU_184249_1	शासकीय कन्या हा.से. स्कूल भवन शक्करवाड़ा, जिला रतलाम में 10 नग अतिरिक्त कक्ष का निर्माण कार्य। (द्वितीय आमंत्रण)	रतलाम	217.58	2,17,590	15,000	12
53.	2022_PWPIU_184064_1	भेरूगढ़ केन्द्रीय जेल उज्जैन के जेल चिकित्सालयों में 10-10 बंदी क्षमता के कोरोना वार्ड एवं लांड्री का निर्माण कार्य।	उज्जैन	40.85	50,000	5,000	6
54.	2022_PWPIU_184080_1	लोक निर्माण विभाग पीआईयू जिला उज्जैन के विभिन्न भवनों का आर्किटेक्चरल डिजाईन एवं डीपीआर कंसल्टेंसी सर्विसेस कार्य।	उज्जैन	50.00	50,000	10,000	24
55.	2022_PWPIU_184083_1	माकडान जिला उज्जैन में 30 बिस्तरीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भवन स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत 01 नग एफ टाईप, 02 जी टाईप, 02 नग एच टाईप आवासगृह का निर्माण कार्य। (द्वितीय आमंत्रण)	उज्जैन	486.26	4,86,260	15,000	15

निविदा संबंधित तिथियां (Key - Date) :-

1. प्रपत्र क्रय करने की प्रारंभिक तिथि - 11.02.2022, 2.विड प्रस्तुत करने की प्रारंभिक तिथि - 14.02.2022
3. विड प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि - 28.02.2022, 4.विड खोलने की तिथि - 02.03.2022

अतिरिक्त परियोजना संचालक,
जी-22800/आर-46661/2022 **लोक निर्माण विभाग, पी.आई.यू., इंदौर**

कार्यालय संचालक, राज्य स्तरीय रोज़गार एवं प्रशिक्षण केन्द्र
(पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण)
पुलिस रेडियो मुख्यालय के सामने, भदभदा रोड, भोपाल

E-mail : wrd.setc@mp.gov.in, Phone : 0755-2763284

राज्य सेवा साक्षात्कार परीक्षा 2019 की तैयारी हेतु प्रशिक्षण एवं मॉक इंटरव्यू

म.प्र. लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित राज्य सेवा मुख्य परीक्षा 2019 में उत्तीर्ण एवं साक्षात्कार हेतु अर्हता रखने वाले म.प्र. के पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक वर्ग के अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के लिए निःशुल्क प्रशिक्षण एवं मॉक इंटरव्यू के माध्यम से तैयार किया जाना है। प्रशिक्षण की अवधि अधिकतम 01 माह की होगी। पात्र एवं इच्छुक अभ्यर्थी संलग्न आवेदन पत्र में अपनी जानकारी की पूर्ति कर कार्यालय को प्रेषित करें। प्रशिक्षण एवं छात्रावास में प्रवेश पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर दिया जावेगा। इच्छुक अभ्यर्थी अपना आवेदन स्वयं अथवा डाक अथवा ई-मेल के माध्यम से **दिनांक 25.02.2022 सायं 05.00 तक** प्रेषित किया जाना सुनिश्चित करें। विलम्ब से प्राप्त आवेदनों पर विचार नहीं किया जावेगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम अंतर्गत पंजीकृत प्रशिक्षणार्थियों को विस्तृत प्रशिक्षण कार्यक्रम से पृथक से ई-मेल के माध्यम से अवगत कराया जावेगा। अधिक जानकारी के लिए केंद्र के दूरभाष क्रमांक 0755-2763284 पर कार्यालयीन समय में संपर्क किया जा सकता है।

संचालक, राज्य स्तरीय रोज़गार एवं प्रशिक्षण केंद्र
(पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण), भोपाल (म.प्र.)

आवेदन पत्र का प्रारूप
राज्य सेवा परीक्षा-2019 के साक्षात्कार प्रशिक्षण हेतु आवेदन पत्र

आवेदक का फोटो जो स्व-हस्ताक्षरित हो

1. आवेदक का नाम .....
2. पिता/पति का नाम .....
3. निवास का वर्तमान पता .....
4. स्थाई पता (पिनकोड सहित) .....
5. दूरभाष/मोबाइल क्र. .....
6. ई-मेल आई.डी. .....
7. मूल निवास स्थान .....
8. पिछड़ा वर्ग जाति/उपजाति .....
   अथवा अल्पसंख्यक वर्ग जाति/उपजाति .....
9. पारिवारिक वार्षिक आय (समस्त स्रोतों से) .....
10. राज्य सेवा मुख्य परीक्षा 2019 का अनुक्रमांक .....
11. विगत वर्षों में राज्य सेवा मुख्य परीक्षा उत्तीर्ण की हो तो उसका विवरण :
    - मुख्य परीक्षा उत्तीर्ण वर्ष - .....
    - मुख्य परीक्षा के प्राप्तांक - .....
12. अभ्यर्थी यदि शा. सेवा में है तो उसका विवरण दे .....
13. अभिरुचि .....
14. शैक्षणिक योग्यताएं -

क्र.	शैक्षणिक स्तर	उत्तीर्ण वर्ष	बोर्ड/वि.वि.	श्रेणी	प्रतिशत	विशेष
1.	हाईस्कूल/हायर सेकेण्डरी (जन्मतिथि हेतु)					
2.	स्नातक					

नोट - क्रमांक 07 से 11 एवं 14 के समर्थन में अभिलेखों की स्वप्रमाणित सत्यप्रतियां संलग्न करें।

स्थान :- **आवेदक के हस्ताक्षर**
दिनांक :- **पूरा नाम**.....

घोषणा-पत्र

मैं निष्ठापूर्वक घोषणा करता/करती हूं कि :-
1. मेरे द्वारा आवेदन पत्र में दी गई जानकारी तथ्यों पर आधारित एवं सत्य है।
2. मेरे ऊपर न्यायालय में किसी प्रकार का आपराधिक प्रकरण नहीं चल रहा है।
3. प्रशिक्षण अवधि में किसी भी प्रकार की अनुशासनहीनता करने पर मेरा प्रवेश तत्काल निरस्त किया जा सकेगा।

स्थान :- **आवेदक के हस्ताक्षर**
दिनांक :- **पूरा नाम**.....
जी-22581/46634/2022

कार्यालय प्रधानाचार्य/मुख्य कार्यपालन अधिकारी
शासकीय स्वशासी अष्टांग आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय
लोकमान्य नगर, केसरबाग रोड, इंदौर, म.प्र. 452009
www.gaacindoe.edu.in, Email - principal.gaacindore@gmail.com
Ph. - 0731-4960037 (Office), Fax - 2472767, (Hospital - 2473767)

क्रमांक/एकेडमिक-02/एफ/2022/550-51 **इंदौर, दिनांक : 10.02.2022**

प्रवेश सूचना
फार्मेसी (आयुर्वेद) डिप्लोमा एवं पंचकर्म टेक्नीशियन पाठ्यक्रम सत्र 2021-22 में प्रवेश हेतु आवेदन पत्र प्राप्त होने की अंतिम तिथि : 25.02.2022

म.प्र. चिकित्सा शिक्षा विभाग एवं म.प्र. पैरामेडिकल काउंसिल भोपाल द्वारा मान्यता प्राप्त निम्न पाठ्यक्रमों के लिए सत्र 2021-22 में प्रवेश हेतु म.प्र. के मूल निवासी अभ्यर्थियों से संस्था द्वारा निर्धारित प्रपत्र में निम्नानुसार उपलब्ध सीटों पर आवेदन आमंत्रित हैं। सीटों हेतु आरक्षण म.प्र. शासन के नियमानुसार लागू होगा।

क्र.	पाठ्यक्रम का नाम	शैक्षणिक योग्यता	प्रवेश हेतु सीट
1.	फार्मेसी (आयुर्वेद) डिप्लोमा डी.फार्मा आयुर्वेद (दो वर्षीय)	जीव विज्ञान विषय सहित 12वीं उत्तीर्ण	50
2.	पंचकर्म टेक्नीशियन (एक वर्षीय प्रमाण पत्र)	किसी भी विषय से 12वीं उत्तीर्ण	50

पाठ्यक्रम हेतु शिक्षण शुल्क का विवरण :-

❋ पंचकर्म एक वर्षीय पाठ्यक्रम हेतु कुल रुपये 34,604/- एवं 5000 रु. काशनमनी कुल 39,604/- रु. तथा फार्मेसी (आयुर्वेद) डिप्लोमा हेतु प्रथम वर्ष में 47910/- एवं 5000/- रु. काशनमनी कुल 52910/- रु. तथा द्वितीय वर्ष में 47910/- जिसमें रुपये 5,000/- सुरक्षा निधि के रूप में जमा राशि पाठ्यक्रम पूर्ण होने पर ही वापसी योग्य है। सम्पूर्ण फीस प्रवेश के समय जमा करनी होगी साथ ही प्रवेश के समय अन्य आवश्यक प्रमाण पत्रों के साथ टी.सी. की मूल प्रति अनिवार्य है। आवेदन पत्र महाविद्यालय में उपस्थित होकर रुपये 200/- नगद के साथ जमा कर सकते हैं अथवा बैंक ड्राफ्ट "प्रधानाचार्य शासकीय स्वशासी अष्टांग आयुर्वेद महाविद्यालय, इंदौर" के नाम से हो, के साथ डाक द्वारा भी भेजे जा सकते हैं। आवेदन पत्र अवकाश दिवसों को छोड़कर **दिनांक 25.05.2022 के सायं 5.00 बजे तक** जमा करा सकते हैं। आवेदन पत्र महाविद्यालय की वेबसाइट **www.gaacindore.edu.in** पर उपलब्ध है जिसे डाउनलोड कर, निर्धारित प्रमाण पत्र व शुल्क के साथ जमा कर सकते हैं।

नोट - पत्राचार हेतु आवेदन के साथ स्वयं का पता लिखा रजिस्टर्ड डाक वाला टिकट सहित लिफाफा संलग्न प्रेषित करें।

जी-22579/46635/2022 **प्र. प्रधानाचार्य/मुख्य कार्यपालन अधिकारी**

कार्यालय प्रमुख अभियंता, जल संसाधन विभाग, भोपाल
ईमेल - ceproc.encwrd.bpl@nic.in, फोन - 0755-2767635, फैक्स - 0755-2552406

निविदा सूचना क्रमांक - 876/2021-22/प्रमुख अभियंता/ई-टेंडरिंग/ **भोपाल, दिनांक : 07.02.2022**

निम्न कार्यों हेतु निविदा वेबसाइट **https://www.mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 08.03.2022** को 17.30 बजे तक क्रय/डाउनलोड तथा प्रस्तुत किए जा सकते हैं।

निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

स.क्र.	निविदा क्र.	कार्य	जिला	लागत (लाख)
1.	2022_WRD_183391	**टर्न की पद्धति पर :-** झाड़वीड़ा उद्वहन सिंचाई परियोजना का निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परंतु उस तक सीमित नहीं।	होशंगाबाद	14882.74

जी-22618/46636/2022 **मुख्य अभियंता (प्रोक्योरमेंट)**

कार्यालय संयुक्त संचालक, महिला एवं बाल विकास, ग्वालियर संभाग ग्वालियर

क्रमांक/मबाबि/आईसीडीएस-2/2021-22/233-34 ग्वालियर, दिनांक : 09.02.2022

मानदेय आधारित आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं/सहायिकाओं/मिनी आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के पद की पूर्ति हेतु विज्ञापन आवेदन आमंत्रण सूचना

ग्वालियर संभाग में संचालित एकीकृत बाल विकास सेवा परियोजनाओं में 91 पद आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, 166 पद आंगनवाड़ी सहायिका एवं 12 पद मिनी आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के आवदेन पूर्णतः अस्थाई एवं मानदेय आधारित पदों के लिए पात्र महिला अभ्यर्थियों से निम्नानुसार आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं :-

क्र.	जिले का नाम	परियोजना का नाम	आंगनवाड़ी कार्यकर्ता पद संख्या	आंगनवाड़ी सहायिका पद संख्या	मिनी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता पद संख्या
1.	ग्वालियर	एकीकृत बाल विकास सेवा परियोजना शहरी क्र.-01	02	04	-
2.		एकीकृत बाल विकास सेवा परियोजना शहरी क्र.-02	02	-	-
3.		एकीकृत बाल विकास सेवा परियोजना शहरी क्र .-03	04	05	-
4.		एकीकृत बाल विकास सेवा परियोजना शहरी क्र.-04	03	02	-
5.		एकीकृत बाल विकास सेवा परियोजना शहरी क्र.-05	03	01	-
6.		एकीकृत बाल विकास सेवा परियोजना मुरार	-	02	-
7.		एकीकृत बाल विकास सेवा परियोजना, डबरा-01	01	04	-
8.		एकीकृत बाल विकास सेवा परियोजना, डबरा-02	02	09	-
9.		एकीकृत बाल विकास सेवा परियोजना, गिर्द	06	08	01
10.		एकीकृत बाल विकास सेवा परियोजना, भितरवार	03	05	-
11.	शिवपुरी	एकीकृत बाल विकास सेवा परियोजना, शिवपुरी ग्रामीण	-	05	-
12.		एकीकृत बाल विकास सेवा परियोजना, पोहरी	07	06	03
13.		एकीकृत बाल विकास सेवा परियोजना, पिछोर	02	02	-
14.		एकीकृत बाल विकास सेवा परियोजना, करैरा	-	04	-
15.		एकीकृत बाल विकास सेवा परियोजना, नरवर	05	05	01
16.		एकीकृत बाल विकास सेवा परियोजना, बदरवास	08	08	-
17.		एकीकृत बाल विकास सेवा परियोजना, खनियाधाना	07	07	01
18.		एकीकृत बाल विकास सेवा परियोजना, शिवपुरी शहरी	01	05	-
19.		एकीकृत बाल विकास सेवा परियोजना, कोलारस	03	10	-
20.	गुना	एकीकृत बाल विकास सेवा परियोजना, गुना शहरी	02	08	-
21.		एकीकृत बाल विकास सेवा परियोजना, गुना ग्रामीण	06	27	-
22.		एकीकृत बाल विकास सेवा परियोजना, बमौरी	-	03	-
23.		एकीकृत बाल विकास सेवा परियोजना, आरौन	-	-	-
24.		एकीकृत बाल विकास सेवा परियोजना, राधौगढ़	02	02	-
25.		एकीकृत बाल विकास सेवा परियोजना, चाचौड़ा	05	02	-
26.	अशोकनगर	एकीकृत बाल विकास सेवा परियोजना, अशोकनगर शहरी	-	02	-
27.		एकीकृत बाल विकास सेवा परियोजना, ईसागढ़	02	06	-
28.		एकीकृत बाल विकास सेवा परियोजना, अशोकनगर ग्रामीण	04	-	-
29.		एकीकृत बाल विकास सेवा परियोजना, चंदेरी	-	01	-
30.		एकीकृत बाल विकास सेवा परियोजना, मुंगावली	01	07	03
31.	दतिया	एकीकृत बाल विकास सेवा परियोजना, भाण्डेर	02	-	-
32.		एकीकृत बाल विकास सेवा परियोजना, दतिया-01	02	01	-
33.		एकीकृत बाल विकास सेवा परियोजना, दतिया-शहरी	-	02	-
34.		एकीकृत बाल विकास सेवा परियोजना, दतिया-02	03	08	01
35.		एकीकृत बाल विकास सेवा परियोजना, इंदरगढ़	01	04	01
36.		एकीकृत बाल विकास सेवा परियोजना, सेंवढा	02	01	01
		कुल योग	**91**	**166**	**12**

उपरोक्त चार्ट अनुसार आंगनवाड़ी केन्द्रों की नामवार सूची एवं नियम निर्देश शर्तें आवेदन का प्रारूप एवं अन्य अर्हताएं संबंधित जिला कार्यक्रम अधिकारी एवं संबंधित एकीकृत बाल विकास सेवा परियोजना कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। जिस ग्राम/वार्ड में रिक्त पद की पूर्ति हेतु विज्ञप्ति जारी की गयी है, आवेदिका ग्रामीण क्षेत्र में उसी राजस्व ग्राम की एवं शहरी क्षेत्र में उसी वार्ड की निवासी होना चाहिए। संबंधित महिला आवेदक अपने पूर्णतः भरे आवेदन मय आवश्यक सहपत्रों सहित संबंधित एकीकृत बाल विकास परियोजना कार्यालय में कार्यालयीन दिवसों में समय 5.30 बजे तक दिनांक 02.03.2022 तक जमा कराकर निर्धारित प्रारूप में प्राप्ति अभीस्वीकृति प्राप्त कर सकते हैं।

संयुक्त संचालक, महिला एवं बाल विकास
ग्वालियर संभाग ग्वालियर

जी-22742/46639/2022

कार्यालय प्रमुख अभियंता, जल संसाधन विभाग, भोपाल

ई-मेल : ceproc.encwrd.bpl@nic.in, फोन : 0755-2767635, फैक्स : 0755-2552406

निविदा सूचना क्रमांक - 878/2021-22/प्रमुख अभियंता/ई-टेण्डरिंग/ **भोपाल, दिनांक 08.02.2022**

निम्न कार्यों हेतु निविदा वेबसाइट **https://www.mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र दिनांक 22.02.2022 को 17.30 बजे तक क्रय/डाउनलोड तथा प्रस्तुत किए जा सकते हैं।

निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

स. क्र.	निविदा क्र.	कार्य	जिला	लागत (लाख)
1.	2022_WRD_182675	एस.डी.एम.एफ. अंतर्गत भीमवाटिका तालाब, बरबटपुर तालाब, दाहोद तालाब एवं बेतवा बैराज का सुदृणीकरण कार्य।	रायसेन	305.50

जी-22681/46637/2022 **मुख्या अभियंता (प्रोक्योरमेंट)**

कार्यालय संभागीय परियोजना यंत्री
लोक निर्माण विभाग, परियोजना क्रियान्वयन इकाई, छिंदवाड़ा

शिवनगर कॉलोनी, छिन्दवाड़ा (म.प्र.), E-mail id - pwdpiu12cwa@gmail.com, फोन नं. - 07162-243214

संशोधित सूचना आमंत्रण

सूचना क्र. 04/2022 **छिन्दवाड़ा, दिनांक 04.02.2022**

निविदा आमंत्रण सूचना क्रामंक 04/2022/केन्द्रीयकृत निविदा आमंत्रण/पी.आई.यू./व.ले.लि. दिनांक 01.02.2022 द्वारा जिसका जी नंबर 22471/21 दिनांक 10.02.2022 को जारी किया गया। निविदा अपरिहार्य कारणों से निरस्त की जाती है। निविदा संशोधित कर पुनः निविदा आमंत्रित की जा रही है।

संभागीय परियोजना यंत्री
लोक निर्माण विभाग, परियोजना क्रियान्वयन इकाई, छिन्दवाड़ा (मध्यप्रदेश)

जी-22659/46640/2022

कार्यालय संयुक्त संचालक
महिला एवं बाल विकास रीवा संभाग रीवा (म.प्र.)

शिल्पी प्लाजा "ए" ब्लाक तीसरी मंजिल, रीवा
E-mail - jdwcdrew@mp.gov.in, Phone : 07662-292759

क्रमांक/संयु.संचा./मबाबि/आईसीडीएस/2022/202 रीवा, दिनांक 10.02.2022

विज्ञप्ति

मानदेय आधारित आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं/सहायिकाओं/ मिनी आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के रिक्त पदों की पूर्ति हेतु विज्ञापन

म.प्र. शासन महिला एवं बाल विकास विभाग मंत्रालय वल्लभ भोपाल के पत्र क्रमांक/3440/1784/2019/50-2 (ए.एन) भोपाल दिनांक 21.09.2019 के द्वारा दिये गये निर्देशानुसर रीवा संभाग के जिलों में संचालित महिला एवं बाल विकास परियोजनाओं में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं/आंगनवाड़ी सहायिकाओं/मिनी आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के पूर्णतः अस्थाई (मानसेवी) एवं मानदेय आधारित रिक्त पदों की पूर्ति हेतु पात्र महिलाओं के जिलेवार निम्नानुसार आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं।

स. क्र.	जिला	आंगनवाड़ी कार्यकर्ता पद संख्या	आंगनवाड़ी सहायिका पद संख्या	मिनी आंगनवाड़ी पद संख्या	जिला कार्यालय का सम्पर्क नम्बर
1.	रीवा	20	23	02	07662-256857
2.	सतना	17	38	-	07672-494353
3.	सीधी	03	09	01	07822-356068
4.	सिंगरौली	14	18	-	07805-355404
	योग	54	88	03	

- आंगनवाड़ी केन्द्रवार/ग्रामवार/वार्डवार वास्तविक रिक्त पद की जानकारी एवं नियम, निर्देश, शर्तें आवेदन पत्र का प्रारूप, शैक्षणिक योग्यता एवं अन्य अर्हताओं से संबंधित विस्तृत जानकारी संबंधित बाल विकास परियोजना कार्यालय एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।
- महिला आवेदक अपने पूर्णतः भरे आवेदन-पत्र मय आवश्यक सहपत्रों सहित संबंधित जिले की बाल विकास परियोजना कार्यालय में **दिनांक 08.03.2022 को सायं 05.00 बजे तक** कार्यालय दिवस में निर्धारित प्रारूप में जमा कराकर प्राप्ति अभिस्वीकृति प्राप्त कर सकते हैं।
- जिलेवार आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं/आंगनवाड़ी सहायिकाओं/मिनी आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के रिक्त पदों पर नियुक्ति हेतु आवश्यक नियम/निर्देश आदि की जानकारी विभागीय वेबसाइट/ऑनलाइन पोर्टल, जिला कार्यलय एवं संबंधित बाल विकास परियोजना कार्यालयों में उपलब्ध है।
- संभागीय संयुक्त संचालक, महिला एवं बाल विकास रीवा संभाग रीवा के पते पर प्रेषित आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जावेगा।
- रिक्त पदों एवं अन्य किसी विस्तृत जानकारी के संबंध में संबंधित जिला कार्यालय के दूरभाष पर जो विज्ञप्ति के अंतिम कालमों में अंकित है पर संपर्क किया जा सकता है।
- जिलेवार आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं/आंगनवाड़ी सहायिकाओं/मिनी आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के रिक्त पदों की संख्या में कमी अथवा वृद्धि होना संभव है। परियोजना अन्तर्गत अंतिम रूप से वास्तविक रिक्त पदों की संख्या एवं स्थान की जानकारी संबंधित बाल विकास परियोजना कार्यालय के सूचना पटल पर प्रदर्शित की जावेगी।

संयुक्त संचालक
महिला एवं बाल विकास
रीवा संभाग रीवा (म.प्र.)

जी-22723/46641/2022

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संभाग-भोपाल
द्वितीय तल सतपुड़ा भवन, भोपाल (म.प्र.)

नि.आं.सू.क्रं./12/2021-22/335 भोपाल, दिनांक : 08.02.2022

निविदा आमंत्रण सूचना

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संभाग-भोपाल की ओर से निम्नलिखित कार्य संपादित करने के लिये निविदा पोर्टल ऑनलाइन (निविदा ई-टेण्डरिंग के माध्यम) से **(www.mptenders.gov.in)** (Department of Directorate of Health Services) टेण्डर तीन लिफाफा पद्धति से प्रपत्र "अ" फार्म में परसेंटेज बेसिस पर उपयुक्त श्रेणी में पंजीबद्ध ठेकेदारों हेतु प्रोजेक्ट डायरेक्टर पीआईयू लोक निर्माण विभाग भोपाल द्वारा जारी भवन एवं विद्युत कार्य हेतु एस.ओ.आर. 01.12.2020 (निविदा सूचना जारी होने तक किये गये मस्त संशोधनों सहित) दरों पर आमंत्रित की जाती है। निविदा का विवरण निम्नानुसार है :-

ई-निविदा सूचना क्रमांक - 12/2021-22 दिनांक 08.02.2022

सं क्र.	टेण्डर नं. 2022_DHS	कार्य का नाम	अनुमानित लागत राशि (लाख में)	जमा धरोहर राशि रु.	टेण्डर दर राशि रु.	समय सीमा
1.	2022_DHS_183708	**ग्राम खरबई विकासखंड सांची** जिला रायसेन में मुख्य भवन, बाउण्ड्रीवॉल, नलकूप खनन पहुंच मार्ग सहित 01 जी एवं 01 एच टाईप आवासगृह इत्यादि के निर्माण कार्य।	125.84	1,25,840/-	12500/-	12 माह वर्षाकाल सहित
2.	2022_DHS_183709	**ग्राम साचेत विकासखंड सांची** जिला रायसेन में मुख्य भवन, बाउण्ड्रीवॉल, नलकूप खनन पहुंच मार्ग सहित 01 जी एवं 01 एच टाईप आवासगृह इत्यादि के निर्माण कार्य।	125.84	1,25,840/-	12500/-	12 माह वर्षाकाल सहित
3.	2022_DHS_183710	**ग्राम प्रतापगढ़ विकासखंड सिलवानी** जिला रायसेन में मुख्य भवन, बाउण्ड्रीवॉल, नलकूप खनन पहुंच मार्ग सहित 01 जी एवं 01 एच टाईप आवासगृह इत्यादि के निर्माण कार्य।	125.84	1,25,840/-	12500/-	12 माह वर्षाकाल सहित
4.	2022_DHS_183711	**ग्राम बेरखेड़ी, सागोनिया, कुदनासिर, खपडिया कला विकासखंड बरेली** जिला रायसेन में उपस्वास्थ्य केन्द्र भवन का निर्माण कार्य। **तृतीय आमंत्रण**	175.52	1,75,520/-	12500/-	12 माह वर्षाकाल सहित
5.	2022_DHS_183712	**ग्राम सालेरा, मानपुर, अमरियाकलां, रमपुरा कला आमखेड़ा विकासखंड सांची एवं गैरतगंज** जिला रायसेन में उपस्वास्थ्य केन्द्र भवन का निर्माण कार्य।	219.40	2,19,400/-	15000/-	12 माह वर्षाकाल सहित

1. कार्य से संबंधित एन.आई.टी. वेबसाइट **(https://www.mptenders.gov.in)** पर देखी जा सकती है।
2. निविदा प्रपत्र ऑनलाइन दिनांक 11.02.2022 प्रातः 10.30 से **दिनांक 23.02.2022** सायं 17.30 तक क्रय किये जा सकते हैं।
3. धरोहर राशि स्टेट हेल्थ सोसायटी, एन.एच.एम. भोपाल के पक्ष में देय होगी।
4. एन.आई.टी. में कोई भी संशोधन होने की स्थिति में वेबसाइट **(http://www.mptenders.gov.in)** पर प्रकाशित किया जावेगा एवं समाचार पत्रों में नहीं।

कार्यपालन यंत्री, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन
संभाग-भोपाल

जी-22679/46643/2022

कार्यालय संभागीय परियोजना यंत्री, लोक निर्माण विभाग
परियोजना क्रियान्वयन इकाई, पांडवनगर, जिला-शहडोल (म.प्र.)

E-mail :- piushahdol@gmail.com

एनआईटी नं.:- 04/2022/केन्द्रीयकृत निविदा/एपीडी/पी.आई.यू./168 **रीवा, दिनांक : 07.02.2022**

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती है।

कार्य का नाम :- शा.उ.मा. विद्यालय **मसीरा (नवीन भवन)** जिला शहडोल का निर्माण कार्य (भूतल एवं प्रथम तल पर)। **(प्रथम आमंत्रण)**

सं. क्र.	पोर्टल टेंडर आई.डी.	जिला	ठेके की अनु. राशि (पीएसी रु. लाख में)	अमानत राशि (ईएम डी रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)	90 प्रतिशत अविवादित भूमि प्राप्त एवं एम ओयू निष्पादित
1.	2022_PWPIU_183533_1	शहडोल	353.70	3,53,700/-	15000/-	12 माह (वर्षा काल सहित)	भूमि उपलब्ध

कार्य का नाम :- शा.उ.मा. विद्यालय **बुढ़ार (नवीन भवन)** जिला शहडोल का निर्माण कार्य (भूतल एवं प्रथम तल पर)। **(प्रथम आमंत्रण)**

2.	2022_PWPIU_183551_1	शहडोल	332.59	3,32,590/-	15000/-	12 माह (वर्षा काल सहित)	भूमि उपलब्ध

कार्य का नाम :- शा.उ.मा. विद्यालय **अमझोर (08 अतिरिक्त कक्ष)** जिला शहडोल का निर्माण कार्य (भूतल एवं प्रथम तल पर)। **(प्रथम आमंत्रण)**

3.	2022_PWPIU_183573_1	शहडोल	190.59	1,90,590/-	12500/-	09 माह (वर्षा काल सहित)	भूमि उपलब्ध

कार्य का नाम :- शा.उ.मा. विद्यालय **बराछ (08 अतिरिक्त कक्ष)** जिला शहडोल का निर्माण कार्य (भूतल एवं प्रथम तल पर)। **(प्रथम आमंत्रण)**

4.	2022_PWPIU_183590_1	शहडोल	190.59	1,90,590/-	12500/-	09 माह (वर्षा काल सहित)	भूमि उपलब्ध

कार्य का नाम :- शा.उ.मा. विद्यालय रघुराज क्रमांक 1 **शहडोल (08 अतिरिक्त कक्ष)** जिला शहडोल का निर्माण कार्य (भूतल एवं प्रथम तल पर)। **(प्रथम आमंत्रण)**

5.	2022_PWPIU_183598_1	शहडोल	190.59	1,90,590/-	12500/-	09 माह (वर्षा काल सहित)	भूमि उपलब्ध

कार्य का नाम :- शा. उत्कृष्ट उ.मा. विद्यालय **गोहपारू (08 अतिरिक्त कक्ष)** जिला शहडोल का निर्माण कार्य (भूतल एवं प्रथम तल पर)। **(प्रथम आमंत्रण)**

6.	2022_PWPIU_183602_1	शहडोल	163.46	1,63,460/-	12500/-	09 माह (वर्षा काल सहित)	भूमि उपलब्ध

कार्य का नाम :- शा.उ.मा. विद्यालय **खन्नोधी (06 अतिरिक्त कक्ष)** जिला शहडोल का निर्माण कार्य (भूतल एवं प्रथम तल पर)। **(प्रथम आमंत्रण)**

7.	2022_PWPIU_183601_1	शहडोल	178.96	1,78,960/-	12500/-	09 माह (वर्षा काल सहित)	भूमि उपलब्ध

कार्य का नाम :- शा.उ.मा. विद्यालय **चितरांव (06 अतिरिक्त कक्ष)** जिला शहडोल का निर्माण कार्य (भूतल एवं प्रथम तल पर)। **(प्रथम आमंत्रण)**

8.	2022_PWPIU_183606_1	शहडोल	178.96	1,78,960/-	12500/-	09 माह (वर्षा काल सहित)	भूमि उपलब्ध

कार्य का नाम :- शा.उ.मा. विद्यालय **सिंहपुर (06 अतिरिक्त कक्ष)** जिला शहडोल का निर्माण कार्य (भूतल एवं प्रथम तल पर)। **(प्रथम आमंत्रण)**

9.	2022_PWPIU_183617_1	शहडोल	178.96	1,78,960/-	12500/-	09 माह (वर्षा काल सहित)	भूमि उपलब्ध

कार्य का नाम :- शा.उ.मा. विद्यालय **झींकबिजुरी (06 अतिरिक्त कक्ष)** जिला शहडोल का निर्माण कार्य (भूतल एवं प्रथम तल पर)। **(प्रथम आमंत्रण)**

10.	2022_PWPIU_183619_1	शहडोल	178.96	1,78,960/-	12500/-	09 माह (वर्षा काल सहित)	भूमि उपलब्ध

कार्य का नाम :- शा. कन्या उ.मा. विद्यालय **शहडोल (06 अतिरिक्त कक्ष)** जिला शहडोल का निर्माण कार्य (भूतल एवं प्रथम तल पर)। **(प्रथम आमंत्रण)**

11.	2022_PWPIU_183628_1	शहडोल	178.96	1,78,960/-	12500/-	09 माह (वर्षा काल सहित)	भूमि उपलब्ध

कार्य का नाम :- शा.उ.मा. विद्यालय **छतवई (06 अतिरिक्त कक्ष)** जिला शहडोल का निर्माण कार्य (प्रथम तल पर)। **(प्रथम आमंत्रण)**

12.	2022_PWPIU_183645_1	शहडोल	129.23	1,29,230/-	12500/-	09 माह (वर्षा काल सहित)	भूमि उपलब्ध

कार्य का नाम :- शा.उ.मा. विद्यालय **बकहो (06 अतिरिक्त कक्ष)** जिला शहडोल का निर्माण कार्य (प्रथम तल पर)। **(प्रथम आमंत्रण)**

13.	2022_PWPIU_183847_1	शहडोल	129.23	1,29,230/-	12500/-	09 माह (वर्षा काल सहित)	भूमि उपलब्ध

कार्य का नाम :- शा.उ.मा. विद्यालय **गोड़ारू (06 अतिरिक्त कक्ष)** जिला शहडोल का निर्माण कार्य (प्रथम तल पर)। **(प्रथम आमंत्रण)**

14.	2022_PWPIU_183854_1	शहडोल	129.23	1,29,230/-	12500/-	09 माह (वर्षा काल सहित)	भूमि उपलब्ध

कार्य का नाम :- शा.उ.मा. विद्यालय **पचगांव (06 अतिरिक्त कक्ष)** जिला शहडोल का निर्माण कार्य (प्रथम तल पर)। **(प्रथम आमंत्रण)**

15.	2022_PWPIU_183859_1	शहडोल	129.23	1,29,230/-	12500/-	09 माह (वर्षा काल सहित)	भूमि उपलब्ध

कार्य का नाम :- शा.उ.मा. विद्यालय **पिपरिया (06 अतिरिक्त कक्ष)** जिला शहडोल का निर्माण कार्य (द्वितीय तल पर)। **(प्रथम आमंत्रण)**

16.	2022_PWPIU_183863_1	शहडोल	129.23	1,29,230/-	12500/-	09 माह (वर्षा काल सहित)	भूमि उपलब्ध

1. निविदा से संबंधित बिड डॉक्यूमेंट वेबसाइट **https://mptenders.gov.in** पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे।
2. निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑनलाइन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/कैशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा।
3. निविदा प्रपत्र केवल ऑनलाइन **दिनांक 10.02.2022 समय 09:00 AM से दिनांक 25.02.2022 समय 6:00 PM** तक खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी वेबसाइट पर देखी जा सकती है।
4. निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त वेबसाइट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

संभागीय परियोजना यंत्री

जी-22686/46638/2022 **लोक निर्माण विभाग (पी.आई.यू.), शहडोल (म.प्र.)**

कार्यालय प्रमुख अभियंता
जल संसाधन विभाग, भोपाल

ईमेल- ceproc.encwrd.bpl@nic.in

फोन – 0755-2767635, फैक्स – 0755-2552406

निविदा सूचना क्रमांक–877/2021-22/प्रमुख अभियंता/ई–टेंडरिंग/ **भोपाल, दिनांक : 08.02.2022**

निम्न कार्यों हेतु निविदा वेबसाइट **https://www.mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 03.03.2022 को 17:30 बजे तक** क्रय/डाउनलोड तथा प्रस्तुत किए जा सकते हैं।

निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

सं. क्र.	निविदा क्रमांक	कार्य	जिला	लागत (लाख)
1.	2022_WRD_182679	एस.डी.एम.एफ. अंतर्गत चन्द्रकेशर मध्यम परियोजना की मुख्य नहर, एल.बी.सी., आर.बी.सी., जी.एम.डी., समस्त माईनरों की सी.सी. लाईनिंग कार्य, स्ट्रक्चर मरम्मत कार्य एवं नवीन स्ट्रक्चर निर्माण कार्य।	देवास	1834.32
2.	2022_WRD_182659	सांईखेड़ा लघु जलाशय की मुख्य नहर आर.डी. 0 से 5580 मीटर एवं लघु नहर आर.डी. 0 से 1710 मीटर में सीमेंट कांक्रीट लाईनिंग कार्य।	बैतूल	120.29
3.	2022_WRD_182660	बारना बांध के रेडियल क्रेस्ट गेटों की पेंटिंग का कार्य।	होशंगाबाद	26.61
4.	2022_WRD_182661	तवा बांध स्थित रेडियल क्रेस्ट गेट्स, होईस्ट ब्रिज एवं इन्टेक गेट्स का पेटिंग कार्य।	होशंगाबाद	168.63
5.	2022_WRD_182662	मोहनपुरा बांध के डूब क्षेत्र के कारण करनवास 33/11 के. व्ही. सब स्टेशन के विस्थापन का कार्य।	भोपाल/ राजगढ़	128.60
6.	2022_WRD_182666	मोहनपुरा बांध के डूब क्षेत्र के कारण दूधी 33/11 के. व्ही. सब स्टेशन के विस्थापन का कार्य।	भोपाल/ राजगढ़	131.87
7.	2022_WRD_182667	बारना परियोजना की दांयी मुख्य नहर की वितरिका क्रमांक 4 की माइनर क्रमांक 2 की सबमाईनर एम.एम.- 2 एस.एम.- 3 एवं 5 में मिट्टी एवं पक्के कार्य।	रायसेन	133.00
8.	2022_WRD_182668	कुण्डालिया परियोजना के आवासीय कालोनी में टाईल्स, कोटा स्टोन, एल्यूमिनियम खिड़की एवं पेंटिंग का कार्य।	राजगढ़	38.19
9.	2022_WRD_182669	मोहनपुरा बांध पर 2 वर्ष हेतु सशस्त्र वर्दीधारी कुशल सुरक्षा गार्ड प्रदाय करने का कार्य।	राजगढ़	68.98
10.	2022_WRD_182670	कुण्डालिया बांध स्थल पर 2 वर्ष हेतु सुरक्षा गार्ड एवं सशस्त्र गार्ड उपलब्ध कराने का कार्य।	राजगढ़	54.41
11.	2022_WRD_182673	**टर्न की पद्धति पर** : - परकुल मध्यम परियोजना की मुख्य नहर की आर.डी. 16500 मी. पर गुरैया माईनर का निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परंतु उस तक सीमित नहीं।	सागर	590.66
12.	2022_WRD_182680	एस.डी.एम.एफ. अंतर्गत कोलार बांध बीरपुर स्थित बाढ़ नियंत्रण कक्ष (रोस्टम) की मरम्मत एवं नवीनीकरण का कार्य।	सीहोर	62.22
13.	2022_WRD_182681	**टर्न की पद्धति पर** : - लोकपाल सागर तालाब की किलकिला फीडर नहर का नवीनीकरण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परंतु उस तक सीमित नहीं।	पन्ना	589.12
14.	2022_WRD_182682	रोज्या ग्राम, मोहनपुरा बांध में नवीन 11 के.व्ही. लाइन एवं डी.टी.आर. का संस्थापना कार्य।	भोपाल	41.21
15.	2022_WRD_182683	एस.डी.एम.एफ. अंतर्गत राजापुर वियर, निवारी वियर, कोहनी वियर, बडागांव वियर एवं मुटवा तालाब योजना के अंतर्गत वियर, नहरों एवं स्ट्रक्चरों का सुधार एवं निर्माण तथा चयनित रीच में लाईनिंग का कार्य।	पन्ना	178.63
16.	2022_WRD_182685	गुरमा बांध योजना की मुख्य नहर, वितरिका एवं माइनर नहरों की लाइनिंग का कार्य। (विशेष मरम्मत)	रीवा	876.24
17.	2022_WRD_182686	एस.डी.एम.एफ. अंतर्गत उर्वा, एर्राया, बडेरा एवं टिहोली तालाब एवं हरसी बांध का जीर्णोधार का कार्य दो वर्ष के लिए प्रबंधन, संचालन एवं रख रखाव सहित।	ग्वालियर	356.94
18.	2022_WRD_182688	एस.डी.एम.एफ. अंतर्गत उर्वा, एर्राया, बडेरा एवं टिहोली तालाब का जीर्णोधार का कार्य दो वर्ष के लिए प्रबंधन, संचालन एवं रख रखाव सहित।	ग्वालियर	174.20

जी-22713/46642/2022 **मुख्य अभियंता (प्रोक्योरमेंट)**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग, सेतु निर्माण संभाग, भोपाल (म.प्र.)
निविदा सूचना

निविदा सूचना क्रमांक 10/2022/का.यं. **भोपाल, दिनांक : 08.02.2022**

निम्नलिखित कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **www.mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

कार्य का नाम : जिला बैतूल में भौरा घपाड़ा मार्ग में तक नदी पर विशेष मरम्मत कार्य।

क्र.	टेण्डर क्रमांक	जिला	कार्य का प्रकार	आमंत्रण क्रमांक	कार्य की अनु. राशि (रु. लाख में)	टीप
1.	2022_PWDRB_183697_1	बैतूल	पुल कार्य	प्रथम	24.75	मूल एफ.डी.आर. का भुगतान ऑनलाइन होगा एवं समस्त दस्तावेज ऑनलाइन जमा होंगे।

कार्य का नाम : बुधनी आर.ओ.बी. एल.सी. क्रमांक 237 पर विशेष मरम्मत का कार्य।

2.	2022_PWDRB_183680_1	सीहोर	पुल कार्य	छठवां	38.12	मूल एफ.डी.आर. का भुगतान ऑनलाइन होगा एवं समस्त दस्तावेज ऑनलाइन जमा होंगे।
					62.87	

उपरोक्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की **अंतिम तिथि 28/02/2022 (17.30) बजे** निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखी जा सकती है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

मूल एफ.डी.आर. का भुगतान केवल ऑनलाइन होगा एवं अन्य दस्तावेज ऑनलाइन जमा होंगे। भौतिक रूप से किसी भी प्रकार के दस्तावेज कार्यालय में जमा नहीं किये जायेंगे।

कार्यपालन यंत्री

जी-22785/46644/2022 **लोक निर्माण विभाग, सेतु निर्माण, संभाग-भोपाल (म.प्र.)**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड-अनूपपुर (म.प्र.)
निविदा आमंत्रण सूचना (संक्षिप्त) अनूपपुर

निम्नलिखित कार्य की निविदा प्रक्रिया ई-टेण्डरिंग पद्धति से पोर्टल **http://www.mptenders.gov.in/** पर अनूपपुर जिले के विभिन्न विकासखण्डों के विभिन्न ग्रामों में जल जीवन मिशन के अंतर्गत निविदा के (Bill of Quantity) अनुसार पाईप लाईन, घरेलू नल कनेक्शन, उच्चस्तरीय टंकी, सम्पवेल एवं विद्युत संयोजन कार्य हेतु निविदाएं निम्नानुसार आमंत्रित हैं। निविदा का विवरण निम्नानुसार है :-

ठेकेदार का श्रेणी : (1-3) केन्द्रीय पंजीयन प्रणाली अंतर्गत लोक निर्माण विभाग (म.प्र.) में पंजीकृत ठेकेदार।

क्र.	निविदा क्रमांक/ दिनांक	ई-टेण्डरिंग पद्धति द्वारा सिस्टम ई-टेण्डर नम्बर	विकास-खण्ड	ग्राम का नाम	निविदा की लागत (रु. लाख में)	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने की समयावधि
1.	149/ 2021-22 दिनांक 09.02.2022	2022_ PHED_ 184104_1	अनूपपुर	फुलकोना कोहका ऊरा	251.69	251690/-	15000/-	06 माह वर्षाकाल सहित
2.	150/ 2021-22 दिनांक 09.02.2022	2022_ PHED_ 184106_1	अनूपपुर कोतमा	पकरिया भलमुड़ी सुईहांड डोंगरियाखुर्द	227.66	227670/-	15000/-	06 माह वर्षाकाल सहित
3.	151/ 2021-22 दिनांक 09.02.2022	2022_ PHED_ 184107_1	अनूपपुर	चटहाटोला दारसागर सकोला	239.86	239870/-	15000/-	06 माह वर्षाकाल सहित
ठेकेदार का श्रेणी : (4-5) केन्द्रीय पंजीयन प्रणाली अंतर्गत लोक निर्माण विभाग (म.प्र.) में पंजीकृत ठेकेदार।								
4.	152/ 2021-22 दिनांक 09.02.2022	2022_ PHED_ 184108_1	कोतमा	सारंगगढ़ पचखुरा चंदरौठी तरसिली	240.91	240920/-	15000/-	06 माह वर्षाकाल सहित
5.	153/ 2021-22 दिनांक 09.02.2022	2022_ PHED_ 184109_1	जैतहरी	निगौरा चोरभठी	240.64	240640/-	15000/-	06 माह वर्षाकाल सहित
ठेकेदार का श्रेणी : (6-7) केन्द्रीय पंजीयन प्रणाली अंतर्गत लोक निर्माण विभाग (म.प्र.) में पंजीकृत ठेकेदार।								
6.	154/ 2021-22 दिनांक 09.02.2022	2022_ PHED_ 184110_1	जैतहरी	मेड़ियारास पोड़ी-2	136.28	136290/-	12500/-	06 माह वर्षाकाल सहित
7.	155/ 2021-22 दिनांक 09.02.2022	2022_ PHED_ 184125_1	जैतहरी	सिवनी	176.15	176160/-	12500/-	06 माह वर्षाकाल सहित
ठेकेदार का श्रेणी : (8-9) केन्द्रीय पंजीयन प्रणाली अंतर्गत लोक निर्माण विभाग (म.प्र.) में पंजीकृत ठेकेदार।								
8.	156/ 2021-22 दिनांक 09.02.2022	2022_ PHED_ 184135_1	कोतमा	कटकोना हर्री बेनीवहरा	197.69	197690/-	12500/-	06 माह वर्षाकाल सहित
9.	157/ 2021-22 दिनांक 09.02.2022	2022_ PHED_ 184139_1	कोतमा	बेलियछोट बैहाटोला मेनटोला	193.12	193120/-	12500/-	06 माह वर्षाकाल सहित

ऑनलाइन निविदा फार्म क्रय करने की अंतिम तिथि : **23.02.2022 17.30 बजे**
ऑनलाइन निविदा दर डालने की अंतिम तिथि : 23.02.2022 17.30 बजे
ऑनलाइन निविदा दर खोलने की तिथि : 25.02.2022 11.00 बजे

निविदा प्रपत्र निर्धारित शुल्क कैश कार्ड, ए.टी.एम. कम डेबिट कार्ड अथवा इंटरनेट बैंकिंग एकाउण्ट के माध्यम से उपरोक्त वेबसाइट पर भुगतान कर केवल ऑनलाइन माध्यम से ही क्रय किये जा सकते हैं।

विस्तृत निविदा एवं अन्य जानकारी उपरोक्त उल्लेखित वेबसाइट पर प्रदर्शित हैं। निविदा में किसी भी प्रकार के संशोधन होने पर संशोधन समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं किया जावेगा। समस्त संशोधन केवल उपरोक्त उल्लेखित वेबसाइट पर ही उपलब्ध होंगे।

कार्यपालन यंत्री
जी-22771/46646/2022 **लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड, अनूपपुर (म.प्र.)**

कार्यालय संभागीय परियोजना यंत्री, लोक निर्माण विभाग
परियोजना क्रियान्वयन इकाई, तहसील कैम्पस सागर म.प्र.

एनआईटी नं. - 05/2022/केन्द्रीयकृत निविदा आमंत्रण/सा/एपीडी/..... **सागर, दिनांक : 09.02.2022**

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती है :-

कार्य का नाम :- केन्द्रीय जेल सागर में बाउण्ड्री वॉल एवं नाली निर्माण कार्य। (प्रथम आमंत्रण)

सं. क्र.	पोर्टल टेंडर क्रमांक	जिला	ठेके की अनु. राशि (पीएसी) (रु. लाख में)	अमानत राशि (ईएमडी) (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)	कार्यालय का नाम जहां तकनीकी बिड भौतिक रूप से सत्यापित की जावेगी
1.	2022_PWPIU _184279_1	सागर	117.31	117312	12500/-	10 माह	अतिरिक्त परियोजना संचालक लोक निर्माण विभाग पी.आई.यू. जबलपुर

कार्य का नाम :- पी.जी. कॉलेज बीना जिला सागर में 06 अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य (द्वितीय आमंत्रण)

1.	2022_PWPIU _184281_1	सागर	327.86	327857	15000/-	14 माह	अतिरिक्त परियोजना संचालक लोक निर्माण विभाग पी.आई.यू. जबलपुर

1. निविदा से संबंधित बिड डॉक्यूमेंट वेबसाइट **https://mptenders.gov.in** पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे।
2. निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑनलाइन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/कैशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा।
3. निविदा प्रपत्र केवल ऑनलाइन **दिनांक 11.02.2022 समय 10:30 से दिनांक 25.02.2022 समय 17:30** तक खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी वेबसाइट पर देखी जा सकती है।
4. निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त वेबसाइट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

संभागीय परियोजना यंत्री
जी-22772/46645/2022 **लोक निर्माण विभाग पी.आई.यू., सागर**

कार्यालय संभागीय संयुक्त संचालक महिला एवं बाल विकास सेवा भोपाल संभाग भोपाल

महिला भवन (जवाहर बाल भवन के पीछे) सेकेण्ड स्टॉप तुलसी नगर भोपाल
Tel No. (o) 0755-2661307, Email : jdwcdbho@mp.gov.in, jdwcdbpl@gmail.com
क्र./मबावि/आईसीडीएस/2021-22/307 **भोपाल, दिनांक : 11.02.2022**

आवेदन आमंत्रण की सूचना

भोपाल संभाग में संचालित एकीकृत बाल विकास परियोजनाओं में 58 आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, 173 आंगनवाड़ी सहायिकाओं एवं 06 मिनी आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के पूर्णतः अस्थाई एवं मानदेय आधारित पदों के लिए पात्र महिलाओं अभ्यर्थियों से निम्नानुसार आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं:-

क्र.	जिले का नाम	परियोजना का नाम	आंगनवाड़ी कार्यकर्ता पद संख्या	आंगनवाड़ी सहायिका पद संख्या	मिनी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता पद संख्या
1.	भोपाल	एकीकृत बाल विकास परियोजना, बाणगंगा	4	8	0
		एकीकृत बाल विकास परियोजना, बरखेड़ी	2	14	0
		एकीकृत बाल विकास परियोजना, बैरसिया-1	1	4	0
		एकीकृत बाल विकास परियोजना, बैरसिया-2	2	2	0
		एकीकृत बाल विकास परियोजना, चांदबड़	5	6	0
		एकीकृत बाल विकास परियोजना, फंदा	0	2	0
		एकीकृत बाल विकास परियोजना, गोविन्दपुरा	2	4	0
		एकीकृत बाल विकास परियोजना, जे.पी. नगर	3	2	0
		एकीकृत बाल विकास परियोजना, कोलार	0	2	0
		एकीकृत बाल विकास परियोजना, मोतियापार्क	3	6	0
		योग	**27**	**50**	**0**
2	रायसेन	एकीकृत बाल विकास परियोजना, बरेली	0	3	0
		एकीकृत बाल विकास परियोजना, बेगमगंज	1	5	0
		एकीकृत बाल विकास परियोजना, गैरतगंज	0	7	0
		एकीकृत बाल विकास परियोजना, ओबैदुल्लागंज	1	3	1
		एकीकृत बाल विकास परियोजना, सांची	6	9	0
		एकीकृत बाल विकास परियोजना, सिलवानी	0	0	0
		एकीकृत बाल विकास परियोजना, उदयपुरा	0	3	0
		योग	**8**	**30**	**01**
3	राजगढ़	एकीकृत बाल विकास परियोजना, ब्यावरा	2	6	0
		एकीकृत बाल विकास परियोजना, जीरापुर	0	2	0
		एकीकृत बाल विकास परियोजना, खिलचीपुर	6	5	0
		एकीकृत बाल विकास परियोजना, कुरावर	0	2	0
		एकीकृत बाल विकास परियोजना, पचोर	0	3	1
		एकीकृत बाल विकास परियोजना, राजगढ़	0	8	0
		एकीकृत बाल विकास परियोजना, सारंगपुर	3	2	0
		एकीकृत बाल विकास परियोजना, सुठालिया	0	1	0
		एकीकृत बाल विकास परियोजना, नरसिंहगढ़	1	3	0
		एकीकृत बाल विकास परियोजना, खुजनेर	0	1	0
		योग	**12**	**33**	**01**
4	सीहोर	एकीकृत बाल विकास परियोजना, नसरुल्लागंज	3	1	0
		एकीकृत बाल विकास परियोजना, आष्ठा-2	1	3	0
		एकीकृत बाल विकास परियोजना, बुदनी	0	5	1
		एकीकृत बाल विकास परियोजना, जावर	0	1	0
		एकीकृत बाल विकास परियोजना, दोराहा	0	1	0
		एकीकृत बाल विकास परियोजना, सीहोर ग्रामीण	3	4	0
		एकीकृत बाल विकास परियोजना, इछावर	1	3	0
		योग	**08**	**18**	**01**
5	विदिशा	एकीकृत बाल विकास परियोजना, विदिशा शहरी	0	0	0
		एकीकृत बाल विकास परियोजना, विदिशा ग्रामीण	0	6	1
		एकीकृत बाल विकास परियोजना, ग्यारसपुर	2	10	1
		एकीकृत बाल विकास परियोजना, गंजबासोदा-2	1	1	0
		एकीकृत बाल विकास परियोजना, गंजबासोदा-1	0	8	0
		एकीकृत बाल विकास परियोजना, कुरवाई	3	12	0
		एकीकृत बाल विकास परियोजना, लटेरी	0	2	0
		एकीकृत बाल विकास परियोजना, नटेरन	1	3	1
		एकीकृत बाल विकास परियोजना, सिरोंज	1	0	0
		योग	**08**	**42**	**03**
		कुल योग	**58**	**173**	**06**

उपरोक्त चार्ट अनुसार आंगनवाड़ी केन्द्रों की नामवार सूची एवं नियम निर्देश, शर्तें आवेदन का प्रारूप एवं अन्य अर्हताएं संबंधित जिला कार्यालय एवं संबंधित एकीकृत बाल विकास परियोजना कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। जिस ग्राम/वार्ड में रिक्त पद की पूर्ति हेतु विज्ञप्ति जारी की गई है, आवेदिका ग्रामीण क्षेत्र में उसी राजस्व ग्राम, शहरी क्षेत्र में उसी वॉर्ड की निवासी होना चाहिये। संबंधित महिला आवेदक अपने पूर्णतः भरे आवेदन पत्र मय आवश्यक सहपत्रों सहित संबंधित एकीकृत बाल विकास परियोजना कार्यालय में कार्यालयीन दिवस एवं समय में दिनांक 07.03.2022 तक जमा कराकर निर्धारित प्रारूप में प्राप्ति अभिस्वीकृति प्राप्त कर सकते हैं।

संभागीय संयुक्त संचालक
जी-22830/46670/2022 **महिला एवं बाल विकास, भोपाल संभाग भोपाल**

अनुसूचित जातियों के सर्वांगीण विकास के लिये कृत-संकल्पित है सरकार

भोपाल, राज्य सरकार अनुसूचित जातियों के कल्याण और उनके सर्वांगीण विकास के लिये कृत-संकल्पित है। अनुसूचित जातियों की जनसंख्या के मान से प्रदेश के कुल बजट में 16 प्रतिशत का प्रावधान कर इन वर्गों के आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक उत्थान के लिये अनेक कल्याणकारी कार्यक्रम संचालित हैं।

मध्यप्रदेश सरकार ने अनुसूचित जाति वर्ग के विद्यार्थियों की शिक्षा-दीक्षा के लिये कोई कोर-कसर बाकी नहीं रखी है। चाहे छात्रवृत्ति हो या मैस का बेहतरीन इंतजाम अथवा विदेश में पढ़ाई की बात हो, सरकार द्वारा अनुसूचित जाति के छात्रों के लिये खुले हाथ खर्च किया जा रहा है।

अनुसूचित जाति वर्ग के विद्यार्थियों के लिये सरकार ने खोला खजाना

अनुसूचित जाति वर्ग के 4 लाख 48 हजार विद्यार्थियों को 480 करोड़ रुपये की पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति का वितरण किया गया है। इसी प्रकार राज्य छात्रवृत्ति के रूप में 16 लाख 37 हजार विद्यार्थियों को 154 करोड़ रुपये की राज्य छात्रवृत्ति का वितरण किया गया है। इसके अलावा 80 हजार विद्यार्थियों को 115 करोड़ रुपये की आवास सहायता का वितरण किया गया। यही नहीं 50 विद्यार्थियों के लिये विदेश अध्ययन की सुविधा के लिये प्रति विद्यार्थी प्रतिवर्ष 50 हजार अमेरिकी डॉलर की छात्रवृत्ति की पात्रता है। उल्लेखनीय है कि कुल 1750 सीट क्षमता के 10 कन्या छात्रावास भवन स्वीकृत किये गये हैं। इसके लिये 83 करोड़ 55 लाख रुपये की मंजूरी दी गई है। अनुसूचित जाति के 93 हजार 752 विद्यार्थियों के लिये आवासीय सुविधा के लिये 1913 छात्रावासों का संचालन किया जा रहा है। गुणवत्तापूर्ण आवासीय शिक्षा के लिये 640 सीटर 10 ज्ञानोदय विद्यालयों का संचालन किया जा रहा है। कुल 1933 छात्रावासों में मैस संचालन के लिये शिष्यवृत्ति की राशि 106 करोड़ 20 लाख रुपये का प्रावधान है। अनुसूचित जाति बहुल ग्रामों के लिये भी बड़ी राशि से विभिन्न कार्य पूर्ण अथवा प्रगतिरत हैं। अनुसूचित जाति बस्तियों के विकास के लिये 30 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। अनुसूचित जाति के युवाओं के स्व-रोज़गार एवं प्रशिक्षण के लिये भी प्रावधान किये गये हैं।

रोज़गारोन्मुखी प्रशिक्षण

अनुसूचित जाति के 8 हजार युवाओं को रोज़गारोन्मुखी व्यावसायिक प्रशिक्षण के लिये 32 करोड़ 41 लाख रुपये का प्रावधान किया गया है। कृषि एवं सहयोगी व्यवसायों के अतिरिक्त आय-सृजन के लिये 52 हजार 855 युवाओं को 52 करोड़ 85 लाख का प्रावधान किया गया है। प्रतियोगी परीक्षाओं की पूर्व तैयारी के लिये 7 परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केंद्रों का संचालन किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना के क्रियान्वयन में मध्यप्रदेश देश के सभी राज्यों में अग्रणी है। अप्रैल 2022 तक 500 चयनित ग्राम आदर्श घोषित कर दिये जायेंगे। योजना में चयनित प्रदेश के 1 हजार 74 ग्रामों की ग्राम विकास योजनाएं तैयार की जा चुकी हैं।

किसानों के कल्याण में कोई कसर नहीं छोड़ेगी राज्य सरकार

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान बैतूल में राज्य स्तरीय फसल क्षति दावा राशि वितरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुये।

बैतूल, हमने 22 माह में एक लाख 76 हजार करोड़ रुपये किसानों के खाते में डालने का काम किया है। यह किसानों की सरकार है, किसानों के कल्याण में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। प्रदेश में सिंचाई की योजनाओं का जाल बिछा कर प्रदेश के हर सूखे खेत में फसल लहलहाने के लिए राज्य सरकार निरंतर कार्यरत हैं। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने बैतूल में राज्य स्तरीय फसल क्षति दावा राशि वितरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुये कहीं। मुख्यमंत्री ने किसानों के खाते में खरीफ 2020 और रबी 2020-21 की 49 लाख दावों में 7618 करोड़ रुपये की राशि का सिंगल क्लिक से अंतरित की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के लिए ऐतिहासिक दिन है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में देश में सबसे बड़ी 7618 करोड़ रुपये की सहायता राशि का वितरण सिंगल क्लिक से किया गया है। इससे पूर्व भी फसलें खराब होने पर 2876 करोड़ रुपये किसानों के खाते में डाले गए थे। किसानों को राज्य सरकार द्वारा अब तक 10 हजार 494 करोड़ रुपये की सहायता राशि जारी की गई है।

श्री चौहान ने कहा कि राज्य सरकार ने किसानों को जीरो प्रतिशत ब्याज पर ऋण देने के लिए बैंकों को 29 हजार 834 करोड़ रुपये उपलब्ध कराए हैं। बिजली कनेक्शन पर प्रति मोटर 51 हजार रुपये का अनुदान राज्य सरकार द्वारा दिया जाता है। राज्य सरकार ने 47 हजार किसानों की ओर से बिजली कंपनियों को 30 हजार करोड़ रुपये उपलब्ध कराए हैं।

श्री चौहान ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का किसान सम्मान निधि उपलब्ध कराने के लिए आभार मानते हुए बताया कि प्रधानमंत्री ने केवल मध्यप्रदेश को इस योजना में 10 हजार 333 करोड़ रुपये उपलब्ध कराए हैं। श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री की प्रेरणा से ही राज्य सरकार द्वारा भी किसानों को 4 हजार रुपये किसान सम्मान निधि के रूप में उपलब्ध कराए गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि निश्चित रूप से छोटे किसानों के लिए 10 हजार रुपये संजीवनी के समान हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अब तक 4 हजार 779 करोड़ रुपये किसानों के खाते में डाले जा चुके हैं। पिछले साल खरीफ की फसल में जो नुकसान हुआ था इसके लिए 2 हजार 876 करोड़ रुपये किसानों के खाते में डाले गए। सहकारी बैंकों की स्थिति सुधारने के लिए 800 करोड़ की राशि बैंकों को उपलब्ध कराई गई। खरीफ के लिए दो लाख 88 हजार से अधिक किसानों को उद्यानिकी फसलों के लिए 193 करोड़ रुपये फसल बीमा के रूप में दिए गए। सोलर पंप अनुदान योजना में 72 करोड़ रुपये किसानों की ओर से जमा किए गए। एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर फंड के अंतर्गत 1583 करोड़ रुपये का लोन बैंकों द्वारा दिया गया। गेहूं, धान, ज्वार, चना, सरसों, मसूर, मूंग, उड़द और अन्य फसलों की खरीद पर किसानों के खाते में 75 हजार करोड़ रुपये डाले गए।

श्री चौहान ने कहा कि इस प्रकार पिछले 22 महीनों में एक लाख 64 हजार 737 करोड़ रुपये किसानों के खातों में डाले गए हैं। इसमें यदि अभी जारी हुई राशि को जोड़ दिया जाए तो किसानों के खातों में एक लाख 76 हजार करोड़ रुपये जारी किए गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व की सरकार ने किसानों का केवल 6000 करोड़ का ऋण माफ किया था। इसमें से भी आधे की जिम्मेदारी बैंकों और सोसाइटी पर डाल दी गई थी, परिणामस्वरूप किसानों का ऋण माफ ही नहीं हुआ था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में आगामी वर्षों में सिंचाई की व्यवस्था पर 66 हजार करोड़ रुपये खर्च करेगी। एक-एक बूंद पानी का सही उपयोग सुनिश्चित करने के लिए नहरों की बजाए पाइप लाइन से पानी की आपूर्ति खेतों में की जाएगी, जिससे किसान स्प्रिंकलर और ड्रिप का उपयोग कर अपनी फसल लहलहा सकेंगे। श्री चौहान ने कहा कि वर्ष 2024 तक नर्मदा जी के जल का शत-प्रतिशत उपयोग हमें सुनिश्चित करना है। इसके लिए प्रदेश के अलग-अलग क्षेत्रों के लिए सिंचाई परियोजनाएं बनाई जा रही हैं।

उर्दू अकादमी ने की 'तलाश ए जौहर' में 300 नए रचनाकारों की खोज

भोपाल, उर्दू अकादमी ने मध्यप्रदेश के नए रचनाकारों को मंच देने के लिए 'तलाश ए जौहर' कार्यक्रम की शुरुआत की है। प्रदेश के शहरों, कस्बों एवं गांवों से रचनाकारों की खोज के लिए हर जिले में एक समन्वयक बनाया है, जिनके माध्यम से नए रचनाकारों की खोज जारी है। उर्दू अकादमी के निदेशक डॉ. नुसरत मेंहदी ने बताया कि प्रदेश में बनाये गए जिलेवार 50 समन्वयकों के माध्यम से 'तलाश ए जौहर' में लगभग 300 नए रचनाकारों की खोज की गई है।

इस प्रक्रिया में प्रथम चरण में जिला समन्वयकों के माध्यम से लगभग 300 काव्य रचनाएं प्राप्त हुई थीं। रचनाकारों के चयन के लिए एक समिति का गठन किया गया है। समिति ने लगभग 220 नए रचनाकारों का चयन अगले चरण के लिए किया है। इसमें चयनित रचनाकारों को शायरी प्रतियोगिता के लिए आमंत्रित किया जा रहा है। इसकी शुरुआत 19 फरवरी 2022 को इंदौर से की जायेगी, जिसमें सर्वश्रेष्ठ मौलिक लेखन के लिए चयनित रचनाकारों को सम्मानित भी किया जाएगा।

उज्जैन में 25 मार्च से 2 अप्रैल तक आयोजित होगा विक्रमोत्सव

उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव विक्रमोत्सव शोधपीठ और प्रतिष्ठित संस्थाओं के साथ विक्रमोत्सव के आयोजन की समीक्षा करते हुये।

भोपाल, वर्ष प्रतिपदा पर उज्जैन में भारत उत्कर्ष एवं नव-जागरण पर एकाग्र समागम विक्रमोत्सव 25 मार्च से 2 अप्रैल तक मनाया जायेगा। यह पहली बार होगा कि विक्रमोत्सव कार्यक्रम अखिल भारतीय स्तर पर भी आयोजित होंगे। यह बात डॉ. यादव ने भोपाल में विक्रमोत्सव शोधपीठ और प्रतिष्ठित संस्थाओं के साथ विक्रमोत्सव आयोजन की रूपरेखा पर हुई बैठक में कही।

उच्च शिक्षा मंत्री ने कहा कि सम्राट विक्रमादित्य पर केंद्रित आयोजन प्रायः उज्जैन तक सीमित रहते हैं, जबकि विक्रम कीर्ति सार्वभौमिक रही है। इस वर्ष यह उत्सव प्रदेश एवं देश के अन्य राज्यों में भी किया जायेगा। उन्होंने कहा कि विक्रमादित्य उनके युग तथा भारत विधा पर समागम-व्याख्यान आदि उज्जैन के अतिरिक्त पुणे, बनारस दिल्ली आदि में भी किया जायेगा।

उच्च शिक्षा मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने सभी नगरों, ग्रामों का जन्मोत्सव मनाने की बात कही। गुड़ी पड़वा 2 अप्रैल को उज्जैन नगर का जन्मोत्सव मनाया जायेगा।

डॉ. यादव ने कहा कि नौ दिवसीय विक्रमोत्सव में नाट्य प्रस्तुतियां, सांगीतिक सभाएं, कवि सम्मेलन, व्याख्यान, चित्र प्रदर्शनी, मूर्ति कला शिविर, पुस्तक प्रकाशन आदि गतिविधियां होंगी। उन्होंने कहा कि इस वर्ष विक्रम संवत् पंचांग का स्पेशल फोकस भारत के ऋषि वैज्ञानिकों पर होगा। पंचांग में महात्मा लगध, महर्षि अगस्त्य, महर्षि भारद्वाज, बौधायन, कणाद, भास्कराचार्य आदि ऋषियों के चित्रांकन और भारत की ऋषि वैज्ञानिक परम्परा पर तथ्यात्मक विवरण होगा।

प्रमुख सचिव संस्कृति श्री शिवशेखर शुक्ला ने सुझाव दिया कि इस अवसर पर सम्राट विक्रमादित्य की जीवनी से संबंधित अलग-अलग डॉक्यूमेंट्री फिल्म भी बनाकर यू-ट्यूब के माध्यम से आम लोगों तक पहुंचाई जाये।

आगर जिले की पारेषण क्षमता में हुई उल्लेखनीय बढ़ोत्तरी

नलखेड़ा में 63 एमवीए क्षमता का अतिरिक्त ट्रांसफार्मर स्थापित

आगर, मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी ने आगर जिले के नलखेड़ा 220 के.वी. सब-स्टेशन में 63 एमवीए क्षमता का एक अतिरिक्त पावर ट्रांसफार्मर स्थापित कर जिले की पारेषण क्षमता में उल्लेखनीय बढ़ोत्तरी की है। इस नये 63 एमवीए क्षमता के पावर ट्रांसफार्मर ऊर्जीकृत होने से 220 के.वी. सब-स्टेशन नलखेड़ा की 132 के.वी. साइड में स्थापित ट्रांसफार्मेशन क्षमता बढ़कर 103 एमवीए की हो गई है। क्षमता वृद्धि से क्षेत्र के उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण सतत् विद्युत उचित वोल्टेज स्तर पर प्राप्त हो सकेगी।

जिले की ट्रांसफार्मेशन क्षमता हुई 873 एमवीए

मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी के परीक्षण एवं संचार वृत्त उज्जैन के अधीक्षण अभियंता इंजीनियर श्री महेश कनाडे ने बताया कि आगर जिले में मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी 220 के.वी. के दो सब-स्टेशन तथा 132 के.वी. के 2 सब-स्टेशनों के माध्यम से विद्युत पारेषण करती है। आगर जिले में पहला अति उच्चदाब का सब-स्टेशन 1982 में आगर में स्थापित हुआ था। इस 132 के.वी. सब-स्टेशन की क्षमता उस समय 12.5 एमवीए की थी। आगर जिले में स्थित अन्य सब स्टेशनों में 220 के.वी. सब-स्टेशन नलखेड़ा की क्षमता 160 एमवीए (220 के.वी. साइड) तथा 103 एमवीए (132 के.वी. साइड) है। इसके अलावा 132 के.वी. सब-स्टेशन आगर की क्षमता 80 एमवीए, 132 के.वी. सब-स्टेशन सुसनेर की क्षमता 120 एमवीए तथा 220 के.वी. सब-स्टेशन बड़ौद की क्षमता 320 एमवीए (220 के.वी. साइड) 90 एमवीए (132 के.वी. साइड) है। इस तरह आगर जिले में मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी की कुल स्थापित ट्रांसफार्मेशन क्षमता बढ़कर 873 एमवीए की हो गई है।

33 के.वी. के चार फीडरों से होती है सप्लाई

नलखेड़ा 220 केवी सब-स्टेशन से 33 के.वी. के 4 फीडरों के माध्यम से आगर जिले के धारोला, लासुदलिया केलवा, नलखेड़ा वाटर वर्क्स क्षेत्र के 30 हजार से अधिक उपभोक्ताओं को विद्युत आपूर्ति की जाती है।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

प्रगति के नए द्वार खोलेगा अटल प्रगति पथ - मुख्यमंत्री

बाजार मूल्य से दोगुनी दी जाएगी राशि, कृषक बंधु भू-अर्जन में करें सहयोग

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से केंद्रीय कृषि मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर के साथ अटल प्रगति पथ के संबंध में चर्चा करते हुये।

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल स्थित निवास से केंद्रीय कृषि एवं किसान-कल्याण मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर एवं किसान प्रतिनिधियों से अटल प्रोग्रेस-वे के संबंध में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग द्वारा चर्चा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि अटल प्रगति पथ चंवल क्षेत्र में प्रगति के नए द्वार खोलेगा। औद्योगिक क्लस्टर विकसित होने से भूमि के मूल्यों में वृद्धि होगी। श्री चौहान ने कहा कि अटल प्रोग्रेस-वे के लिए केंद्र सरकार द्वारा स्वीकृति प्रदान की गई है। यह मध्यप्रदेश के लिए सौभाग्य की बात है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा मध्यप्रदेश के चंबल क्षेत्र की आर्थिक प्रगति के लिए उठाया गया यह महत्वपूर्ण कदम है। केंद्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरी ने भारत माला परियोजना से अटल प्रोग्रेस-वे को जोड़ा है। इस प्रोग्रेस-वे के निर्माण से युवाओं को बड़ी संख्या में रोज़गार उपलब्ध करवाने के साथ ही संपूर्ण चंबल क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों का विकास होगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि अटल प्रोग्रेस-वे का निर्माण हो जाने से मध्यप्रदेश, राजस्थान और उत्तरप्रदेश से और बेहतर तरीके से कनेक्ट होगा। किसान वर्ग और अन्य सभी वर्ग भी प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से लाभान्वित होंगे। आने वाली पीढ़ियों के लिए ये भविष्य संवारने की परियोजना है।

श्री चौहान ने कहा कि अटल प्रगति पथ की कुल लम्बाई 404 किलोमीटर होगी। भूमि अधिग्रहण के संबंध में किसानों के हित में ही आवश्यक प्रावधान किया जा रहा है। जो किसान भूमि के स्थान पर भूमि चाहते हैं या राशि चाहते हैं, उन्हें इसका लाभ दिया जाएगा। राज्य शासन द्वारा 1600 हेक्टेयर शासकीय भूमि एनएचएआई को दी गई है। शेष 1460 हेक्टेयर निजी भूमि के लिए शासन द्वारा दोगुनी जमीन देने का प्रस्ताव है। इससे अधिकांश कृषक सहमत होते जा रहे हैं। नगद मुआवजा, बाजार मूल्य का दोगुना प्रदान कर अटल प्रगति पथ का निर्माण होगा। कुल 8000 करोड़ रुपये की परियोजना से सभी वर्गों को लाभ होगा। मुख्यमंत्री ने किसान बन्धुओं से आग्रह किया कि वे भू-अर्जन कार्यों में आवश्यक सहयोग करें। मुख्यमंत्री ने संबंधित कलेक्टर्स से भी अपेक्षा की कि सर्वे कार्य समय-सीमा में कर लोगों को पारदर्शी तरीके से मुआवजा देने की कार्यवाही करें।

केंद्रीय मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा अटल प्रगति पथ की मंजूरी मिल जाने से चंवल क्षेत्र में व्यापक परिवर्तन आयेगा। प्रदेश के बड़े क्षेत्र को लाभ होगा। मुख्यमंत्री द्वारा भी समय-समय पर परियोजना के कार्यों का फॉलोअप लिया जा रहा है। आने वाले समय में किसानों के साथ ही अन्य वर्गों को भी इस परियोजना का लाभ प्राप्त होगा।

अटल प्रगति पथ के लिए 404 किलोमीटर का एलाइनमेंट, विस्तृत सर्वे और डीपीआर तैयार करने के बाद, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की सक्षम समिति ने अनुमोदन कर दिया है। राष्ट्रीय राजमार्ग अधिसूचित होने के बाद भू-अर्जन के लिए विभिन्न गतिविधियाँ संचालित की जा रही हैं। निजी भूमि के अर्जन के लिए लगभग 335 करोड़ रुपये का मुआवजा दिया जाना अनुमानित है। अटल प्रगति पथ राजस्थान-मध्यप्रदेश-उत्तरप्रदेश को जोड़ेगा। परियोजना दिल्ली-बड़ोदरा एक्सप्रेस-वे एवं पूर्व की ओर आगरा-कानपुर हाई-वे तथा पश्चिम की ओर पूर्व-पश्चिम कॉरिडोर को भी जोड़ेगी।

भारतीय संस्कृति में परिवार की अवधारणा व्यापक - राज्यपाल

भोपाल, भारतीय संस्कृति में परिवार की अवधारणा व्यापक है। हमारी संस्कृति की संकल्पना में वसुधैव कुटुम्बकम् सारी दुनिया को ही परिवार माना गया है। भाव यह है कि मिल-जुलकर परस्पर स्नेह और सहयोग के साथ रहना ही परिवार का आधार है। ये बातें राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर द्वारा तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय ज्योतिष शास्त्रीय शोध संगोष्ठी में 'वैवाहिक जीवन : समस्याएं और समाधान' विषय पर हुए वेविनार को राजभवन से संबोधित करते हुये कहीं।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि परिवार का आधार वैवाहिक संबंध होते हैं। भारतीय समाज में दाम्पत्य जीवन में होने वाले उतार-चढ़ाव पति-पत्नी और संतान के साथ समस्त परिजन को प्रभावित करते हैं। उन्होंने कहा आधुनिकता की अंधी दौड़ में आज परिवारों में तनाव, विवाद और विघटन के मामले निरंतर बढ़ रहे हैं। इसका कारण युवा पीढ़ी का भारतीय नैतिक जीवन मूल्यों के प्रति उदासीन होना है। उन्होंने कहा कि परिवार के लिए सदस्यों के बीच एक दूसरे के प्रति त्याग, बलिदान और कर्तव्य-बोध को भगवान श्रीराम, सीताजी, लक्ष्मणजी और उनकी पत्नी उर्मिलाजी के द्वारा समझा जा सकता है। सावित्री-सत्यवान के प्रसंग भी प्रेरणादायी हैं। उन्होंने कहा कि वैवाहिक जीवन के शुरू में लिए जाने वाले सात फेरे भी जीवन की शिक्षाओं की प्रतिबद्धता हैं। पहले चार में वर और वाद के तीन फेरों में वधू का आगे होना, वैवाहिक आदर्शों को बताता है।

सारस्वत उद्बोधन निदेशक केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय मुंबई परिसर प्रोफेसर भारत भूषण मिश्र ने दिया। संगोष्ठी को कुलपति संस्कृत विश्वविद्यालय नई दिल्ली प्रोफेसर श्रीनिवास वरखेड़ी, विशिष्ट अतिथि आचार्य संस्कृत विभाग मौका मॉरिशस प्रोफेसर जतिंद्र मोहन मिश्र ने भी संबोधित किया।

स्वास्थ्य मंत्री ने जिला अस्पताल में भर्ती मरीजों से किया वर्चुअली संवाद

भोपाल, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी ने वीडियो कॉल के माध्यम से अशोकनगर और इन्दौर जिला अस्पताल में भर्ती मरीजों से वर्चुअली संवाद किया। उन्होंने मरीजों से उनके स्वास्थ्य और अस्पताल में उपचार की दी जा रही सुविधाओं की जानकरी प्राप्त की।

स्वास्थ्य मंत्री ने अशोकनगर जिला अस्पताल आईसीयू वार्ड में भर्ती मरीज श्री सीताराम पुत्र हरिराम और श्रीमती लक्ष्मी बाई, सर्जिकल वार्ड में भर्ती श्री मुन्नालाल लोधी और श्री चंद्रप्रकाश रघुवंशी से उनके और अस्पताल में मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी भी ली। मरीजों ने बताया कि अस्पताल में सभी दवाएं निःशुल्क दी जा रही हैं। दोनों टाइम भोजन और चाय नाश्ता भी अस्पताल में मिल रहा है। अस्पताल में साफ-सफाई अच्छी है। मरीजों ने बताया कि उनके बिस्तर की चादर प्रतिदिन बदली जाती है। स्वास्थ्य मंत्री ने अशोकनगर अस्पताल के सिविल सर्जन से अस्पताल में ऑक्सीजन प्लांट सहित अन्य स्वास्थ सुविधाओं के संबंध में चर्चा की। उन्होंने कहा कि जिला चिकित्सालय में विशेषज्ञ के रिक्त पदों की पूर्ति शीघ्र की जाएगी।

डॉ. चौधरी ने इन्दौर जिला अस्पताल के मेटरनिटी वार्ड में भर्ती मरीजों से भी वीडियो कॉल से चर्चा की। उन्होंने अस्पताल में भर्ती महिलाओं से प्रसूति के लिए अस्पताल आने के साधन की जानकारी प्राप्त की। भर्ती महिलाओं ने बताया कि वे सरकारी एम्बुलेन्स से अस्पताल आई है। अस्पताल में दवा, उपचार, भोजन आदि निःशुल्क दिया जा रहा है। प्रतिदिन चादर बदली जाती है और वार्ड में नियमित साफ-सफाई की जाती है।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि अस्पताल में भर्ती मरीजों से सीधी चर्चा कर मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं और अस्पताल की व्यवस्थाओं की जानकारी लेने प्रत्येक सोमवार को दो जिला अस्पताल में भर्ती मरीजों से वर्चुअल संवाद करते हैं।

मध्यप्रदेश में बिजली बिलिंग संबंधी शिकायतें हुईं आधी

फोटो मीटर रीडिंग की साप्ताहिक समीक्षा के सकारात्मक परिणाम

भोपाल, उपभोक्ताओं के परिसर में फोटो मीटर रीडिंग (पीएमआर) और मीटर वाचन की साप्ताहिक समीक्षा के सकारात्मक परिणाम मिलने लगे हैं। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के कार्यक्षेत्र के भोपाल, नर्मदापुरम्, ग्वालियर एवं चंबल संभाग के 16 जिलों में जहां मई 2021 में 19 हजार 425 बिलिंग संबंधी शिकायतें आई थीं, वहीं दिसंबर 21 में बिलिंग संबंधी शिकायतें घटकर 9 हजार 692 आई हैं। इसका सीधा मतलब यह है कि बिलिंग संबंधी शिकायतें अब लगभग आधी हो गई हैं। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रयास हैं कि बिलिंग संबंधी शिकायतों को शून्य लेवल पर लाया जाए।

मानवीय हस्तक्षेप रहित प्रक्रिया

कंपनी के प्रबंध संचालक श्री गणेश शंकर मिश्रा ने कहा है कि फोटो मीटर रीडिंग निष्ठा एप के माध्यम से की जा रही है। दरअसल फोटो मीटर रीडिंग ऐसी प्रक्रिया है, जिसमें मानवीय हस्तक्षेप बिल्कुल नहीं है और मीटर में अंकित वाचन की फोटो खींचकर सिस्टम में अपलोड की जाती है। मीटर वाचकों पर कड़ी निगरानी और लापरवाही बरतने वाले मीटर वाचकों को सेवा से मुक्त किये जाने की कार्यवाही से उपभोक्ताओं को काफी राहत मिली है। कुछ शहरों में क्यूआर कोड लगाने से भी फायदा मिला है एवं इससे मीटर वाचन की प्रक्रिया जल्दी हो रही हैं।

लगातार कम हो रही हैं बिजली बिलिंग की शिकायतें

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने बताया है कि भोपाल शहर में जहां मई 21 में बिलिंग संबंधी 5 हजार 675 शिकायतें आई थीं। वहीं जून 21 से प्रतिमाह निरंतर घटते हुए दिसंबर 21 में 2 हजार 931 रह गईं। इसी प्रकार भोपाल ग्रामीण में मई 21 में 1 हजार 778 शिकायतें प्राप्त हुई थीं, जो दिसंबर 21 में घटकर 591 रह गई हैं। ग्वालियर शहर में मई 21 में बिलिंग संबंधी 3 हजार 291 शिकायतें प्राप्त हुईं, जो दिसंबर 21 में घटकर 1 हजार 658 रह गईं।

फोटो मीटर रीडिंग से बढ़ी एक्युरेसी

कंपनी ने कहा है कि मीटर वाचकों को प्रभावी प्रशिक्षण, निगरानी और मीटर वाचकों के कामकाज की साप्ताहिक समीक्षा और लापरवाही बरतने वाले मीटर वाचकों पर कार्यवाही का नतीजा है कि फोटो मीटर रीडिंग के माध्यम से उपभोक्ताओं के परिसर की फोटो मीटर रीडिंग शुद्धता (एक्युरेसी) के साथ हो रही है।

कंपनी ने उम्मीद व्यक्त की है कि अगले तीन-चार माहों में बिलिंग संबंधी शिकायतें शून्य की ओर होंगी।

निजी महाविद्यालय और विश्वविद्यालय के लिए भी नैक ग्रेडिंग होगी अनिवार्य

नैक ग्रेडिंग को अनिवार्य बनाने के लिये जल्द जारी की जायेगी गाइडलाइन

भोपाल, मध्यप्रदेश में शैक्षणिक गुणवत्ता को बढ़ाने के मद्देनजर अब निजी महाविद्यालय और विश्वविद्यालय को भी नैक ग्रेडिंग अनिवार्य होगी। जल्द ही इसके लिए गाइड-लाइन जारी की जाएगी। नैक द्वारा यह दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं कि जिन महाविद्यालय और विश्वविद्यालय ने एक शैक्षणिक वर्ष पूर्ण कर लिया है, वे प्रोविजनल मान्यता प्रमाण-पत्र के लिए आवेदन करने के लिए पात्र होंगे। अब तक यह व्यवस्था थी कि जिन संस्थानों ने छः वर्ष पूर्ण किये हैं, वे ही नैक की प्रमाणिकता के लिए आवेदन कर सकते थे। ये बातें उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाल में विभागीय गतिविधियों की समीक्षा करते हुये कहीं।

उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव भोपाल में विभागीय गतिविधियों की समीक्षा करते हुये।

डॉ. यादव ने कहा कि जल्द ही मुख्यमंत्री श्री शिवराज चौहान के आतिथ्य में युवा संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी 238 महाविद्यालयों का नई शिक्षा नीति के परिप्रेक्ष्य में बहुसंकाय करने की भी तैयारी की जा रही है। शैक्षणिक परिसर में कृषि को प्रमुखता देने के लिए जैविक खेती, बागवानी आदि संबंधित विषयों को भी पाठ्यक्रम से जोड़ा जाना आवश्यक है। इस वर्ष लगभग 75 हजार के करीब विद्यार्थियों ने जैविक खेती विषय को चुना है। उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश कृषि प्रधान राज्य है। नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन से अब युवा नई आधुनिक कृषि तकनीकों का इस्तेमाल कर आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश की संकल्पना को नया आयाम देंगे।

विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के साथ वर्चुअल बैठक

डॉ. मोहन यादव ने शासकीय विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के साथ आगामी परीक्षाओं की तैयारियों के संबंध में वर्चुअल चर्चा की। उन्होंने सेमेस्टर परीक्षाओं को सफलतापूर्वक ऑफलाइन आयोजित कराने की सभी को बधाई दी।

डॉ. यादव ने कहा कि पिछले दो वर्ष से कोरोना के कारण ऑनलाइन परीक्षाओं का आयोजन कराना पड़ा, परन्तु शिक्षा की गुणवत्ता को बनाए रखने के लिए ऑफलाइन परीक्षा कराना आवश्यक है। यह एक बड़ी जवाबदारी है। डॉ. यादव ने कहा कि मार्च माह में होने वाली परीक्षाओं के लिए पूर्ण तैयारी करें। कोरोना की स्थिति के मद्देनजर अन्य शासकीय भवनों में भी परीक्षाएं संचालित करने की तैयारी रखें। उन्होंने कहा कि परीक्षाओं में पारदर्शिता के लिए शासकीय और निजी महाविद्यालयों के सेन्टर में बदलाव करें। परीक्षाओं के दौरान अन्य महाविद्यालयों के निरीक्षकों की भी व्यवस्था करें।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

मध्यप्रदेश में 28 फरवरी तक मनाया जा रहा है सघन पोषण पखवाड़ा

भोपाल, संचालक महिला बाल विकास डॉ. राम राव भोसले ने बताया कि मुख्यमंत्री बाल आरोग्य संवर्द्धन कार्यक्रम में 28 फरवरी तक प्रदेश के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में सघन पोषण पखवाड़ा मनाया जा रहा है। पखवाड़े में समाज के सभी वर्गों और क्षेत्रों में बच्चों के पोषण के प्रति परिवार एवं समुदाय को जागरूक करने, स्वस्थ रहने, परिवार एवं बच्चों में स्पर्धा की भावना को बढ़ावा देने एवं वर्तमान में पोषण स्तर की जानकारी प्राप्त करना है।

संचालक डॉ. भोंसले ने बताया कि पखवाड़े के प्रथम सप्ताह में प्रातः 9 बजे से शाम 5 बजे के मध्य आंगनवाड़ी केंद्रों पर बच्चों की शारीरिक माप की जाएगी। शेष दिवसों में दोपहर एक बजे के बाद टोले, मजरों अनकर्व्ड क्षेत्र के छोटे बच्चों की शारीरिक माप उनके घर-घर जाकर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहयोगी संस्था द्वारा की जाएगी। स्कूल शिक्षा, स्वास्थ्य और आदिम जाति कल्याण विभाग द्वारा मिलकर विशेष शिविरों का आयोजन ग्राम और शहरी वार्ड वार किया जाएगा।

डॉ. भोंसले ने बताया कि अडॉप्ट एन आंगनवाड़ी कार्यक्रम में पंजीकृत सहयोगियों का सघन पोषण पखवाड़े में सहयोग प्राप्त किया जाएगा। इसमें आंकड़ों की प्रविष्टि एवं रिपोर्टिंग परियोजना वार ऑनलाइन प्रपत्र में एमआईएस आंगनवाड़ी केंद्र वार बच्चों के पोषण स्तर की जानकारी की संख्यात्मक प्रविष्टि की जाएगी। बच्चों में कुपोषण स्तर के आकलन के बाद सैम श्रेणी के चिन्हांकित बच्चों को मुख्यमंत्री बाल आरोग्य के संवर्धन कार्यक्रम में शामिल करते हुए आईएमएएम रणनीति में बच्चों का उपचार एवं पोषण प्रबंधन किया जाएगा। सघन पोषण स्पर्धा और केंद्र स्तर पर आयोजित होने वाली गतिविधियों का प्रतिदिन फेसबुक, ट्वीटर, इंस्टाग्राम एवं यू-ट्यूब के माध्यम से प्रचार-प्रसार किया जाएगा।

ई-केवायसी से होगी 5 करोड़ खाद्यान्न हितग्राहियों की पहचान

भोपाल, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2013 में 4 करोड़ 94 लाख पात्र हितग्राहियों को प्रतिमाह रियायती दर पर खाद्यान्न एवं अन्य सामग्री का वितरण उचित मूल्य दुकानों के माध्यम से किया जा रहा है। प्रमुख सचिव खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति श्री फैज अहमद किदवई ने बताया कि पात्र हितग्राहियों की पहचान सुनिश्चित करने के लिये विभाग द्वारा ई-केवायसी का अभियान चलाया जा रहा है। इससे जहां एक ओर हितग्राही अपने डाटा में हुई त्रुटियों में सुधार करवा सकेंगे, वहीं दूसरी ओर अपात्र हितग्राहियों की पहचान भी की जा सकेगी।

श्री किदवई ने बताया कि अभियान में ई-केवायसी द्वारा पात्र हितग्राहियों के डाटाबेस एवं आधार-डाटाबेस में दर्ज नाम, पता, लिंग एवं आयु के आधार पर मिलान किया जाता है। जिन हितग्राहियों के डाटाबेस का मिलान होता है उनके ई-केवायसी जेएसओ लॉगिन से अनुमोदित किये जाते हैं।

श्री किदवई ने बताया कि प्रदेश की लगभग 24 हजार 952 उचित मूल्य दुकान पर पात्र हितग्राहियों के लिये ई-केवायसी कराने की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। हितग्राही अपने आधार नंबर के माध्यम से उचित मूल्य दुकान पर ई-केवायसी करा रहे हैं। शारीरिक रूप से अक्षम एवं वृद्ध हितग्राही की ई-केवायसी, विक्रेता द्वारा घर पर जाकर की जा रही है।

25 प्रतिशत हितग्राहियों का हुआ ई-केवायसी

श्री किदवई ने बताया कि प्रतिदिन लगभग 2 लाख हितग्राही के ई-केवायसी कराये जा रहे हैं। अभी तक एक करोड़ 4 लाख 53 हजार 675 हितग्राही के ई-केवायसी किये जा चुके हैं। इस प्रक्रिया से वास्तविक हितग्राही बायोमेट्रिक सत्यापन के आधार पर सुगमता से राशन सामग्री प्राप्त कर सकेंगे। हितग्राही वन नेशन-वन राशनकार्ड योजना के तहत किसी भी उचित मूल्य दुकान से राशन प्राप्त कर सकेंगे।

जल जीवन मिशन में करीब 1051 करोड़ की जल-प्रदाय योजनाएं मंजूर

भोपाल, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने जल जीवन मिशन में 1050 करोड़ 77 लाख 4 हजार रुपये लागत की 1339 ग्रामीण नलजल प्रदाय योजनाओं (रेट्रोफिटिंग) की स्वीकृति जारी की है। इसमें 1327 जल-प्रदाय योजनाओं का कार्य लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग और 12 जल-प्रदाय योजनाओं का कार्य जल निगम द्वारा किया जायेगा।

जल जीवन मिशन में पूरे प्रदेश की ग्रामीण आबादी को नल कनेक्शन से जल उपलब्ध करवाने का कार्य किया जा रहा है। अब तक प्रदेश में 46 लाख 56 हजार से अधिक परिवारों को मिशन का लाभ दिया जा चुका है। मिशन में जल-प्रदाय योजनाओं के जिन प्रस्तावों पर स्वीकृति जारी की गई है उनमें भोपाल की 76, रायसेन 49, विदिशा 97, होशंगाबाद 262, बैतूल 53, हरदा 67, शाजापुर 27, उज्जैन 131, धार 27, देवास 49, झाबुआ 231, अशोकनगर एक, भिण्ड 12, सागर 8, छतरपुर 5, गुना 22, ग्वालियर 119, श्योपुर 13, मुरैना 13, डिण्डोरी 25, छिन्दवाड़ा 17 और सिवनी जिले की 4 रेट्रोफिटिंग योजनायें शामिल हैं। जल जीवन मिशन में अनूपपुर और छिन्दवाड़ा की क्रमशः दमेहड़ी एवं मोहनखेड़ समूह जल-प्रदाय योजनाओं में अंतः ग्राम (रेट्रोफिटिंग) की 79 योजनाओं की भी स्वीकृति जारी की गई हैं।

मध्यप्रदेश जल निगम मर्यादित द्वारा क्रियान्वित 9 जिलों बालाघाट, नीमच, उज्जैन, बड़वानी, देवास, मुरैना, दतिया, निवाड़ी और खरगोन की 12 समूह नल जल योजनाओं (रेट्रोफिटिंग) के लिए 25 करोड़ 84 लाख 75 हजार रुपये की स्वीकृति जारी की गई है।

नगरीय निकायों में विजेता स्वच्छ प्रतिष्ठानों को किया गया सम्मानित

भोपाल, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह ने बताया है कि प्रदेश में गणतंत्र दिवस 26 जनवरी से प्रारंभ हुए 'स्वच्छ प्रतिष्ठान' सर्वेक्षण अभियान में सभी वर्गों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया है। 14 फरवरी को अभियान के परिणाम जारी कर निगरीय निकायों में स्थित प्रतिष्ठानों में निजी एवं शासकीय कार्यालय, छोटी-बड़ी दुकानें, शो-रूम, अस्पताल, क्लीनिक, होटल, रेस्टोरेंट, स्कूल आदि को उनकी उत्कृष्ट परफार्मेंस के लिये सम्मानित किया गया। नगरीय विकास मंत्री ने बताया कि नगरीय निकायों में आयोजित गरिमामय सम्मान समारोह में सांसद, विधायक और जन-प्रतिनिधियों ने 'स्वच्छ प्रतिष्ठान' प्रमाण-पत्र वितरित किये।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

बाईस महीनों में किसानों को मिली पौने 2 लाख करोड़ रुपये की राशि

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के द्वारा किसानों को राहत राशि अंतरित करते हुये।

भोपाल, राज्य सरकार किसान हितैषी सरकार है। संकट की स्थिति में सरकार किसानों के साथ खड़ी है, चाहे प्राकृतिक आपदा हो या बाढ़ जैसे संकट। किसानों की फसलों को हुए नुकसान के बाद आवश्यक राहत देने में कभी देर नहीं की गई। गत जनवरी माह में ओलावृष्टि से प्रदेश के 26 जिलों में किसानों की फसलों को हुई क्षति के लिए 202 करोड़ 90 लाख रुपये की राशि एक लाख 46 हजार 101 किसानों के खाते में अंतरित की गई है। बीते लगभग दो वर्ष में किसान सम्मान निधि, शून्य प्रतिशत ब्याज पर ऋण और अन्य सभी किसान-कल्याण योजनाओं में कुल पौने 2 लाख करोड़ रुपये किसानों को दिये गये हैं। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने मुख्यमंत्री निवास से किसानों को राहत राशि अंतरित करने के बाद वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग द्वारा संबोधित करते हुये कहीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गत माह ओलावृष्टि से हुई फसल क्षति के बाद राजस्व विभाग, जिला प्रशासन और अन्य विभागों के सहयोग से समय-सीमा में सर्वे कार्य हुआ। ग्रामों में प्रभावित किसानों की सूची तैयार कर सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित की गई। प्रत्येक प्रभावित किसान को राहत राशि देने की व्यवस्था की गई। इन सब कार्यों के लिए सभी संबंधित अधिकारी-कर्मचारी, जन-प्रतिनिधि, किसान भाई-बहन और समाजसेवी बधाई के पात्र हैं। मध्यप्रदेश सरकार किसान के सुख-दुख में सदैव साथ रहेगी। किसानों सहित सभी वर्गों को आवश्यकता पर जरूरी मदद देकर उनका हौसला बढ़ाना सरकार का दायित्व है। इसमें कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी जाएगी।

एक हजार से अधिक ग्रामों में हुई थी ओलावृष्टि

श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश के 1074 ग्रामों में ओलावृष्टि से और असामयिक वर्षा से एक लाख 34 हजार 19 हेक्टेयर क्षेत्र में फसलों को क्षति हुई थी। प्रभावित जिलों में रायसेन, राजगढ़, विदिशा, भिण्ड, ग्वालियर, अशोकनगर, शिवपुरी, दतिया, गुना, धार, झाबुआ, बालाघाट, छिंदवाड़ा, मण्डला, सिवनी, बैतूल, हरदा, सतना, सागर, टीकमगढ़, निवाड़ी, उज्जैन, मंदसौर, नीमच, रतलाम और खण्डवा शामिल हैं। जिलेवार राहत राशि प्रभावितों को देने का कार्य प्राथमिकता से किया गया।

ओले धरती पर नहीं मानो सीने पर गिरे हों

श्री चौहान ने कहा कि जब असमय वर्षा और ओलावृष्टि हुई, तब यही अनुभूति हुई थी कि ओले धरती पर या खेतों पर नहीं गिरे मानो उनके सीने पर गिरे हों। ऐसी घटनाएं विचलित करती हैं। किसानों को राहत देने के लिए तत्काल प्रभावित क्षेत्रों में जाकर क्षति का जायजा लेने और सर्वे का कार्य किया गया। सर्वे कार्य भी ईमानदारी से हुआ। किसान भी इस प्रक्रिया से संतुष्ट रहे। गत सप्ताह खरीफ 2020 और रबी 2021 के लिए 45 लाख से अधिक किसानों के खातों में बीमा राशि का भुगतान भी कर दिया गया है। फसल बीमा दावा के भुगतान की कुल 7 हजार 669 करोड़ राशि में से अब तक 5 हजार 660 करोड़ रुपये की राशि का भुगतान किया जा चुका है। आज भुगतान की गई राशि एक हजार 665 करोड़ है। शेष 844 करोड़ रुपये की राशि का भुगतान भी आगामी दो दिन में किया जा रहा है। किसानों को चिंतित होने की आवश्यकता नहीं है।

कॉलोनाइजर्स को बड़ी राहत, एक ही रजिस्ट्रेशन पर कर सकेंगे पूरे प्रदेश में काम

भोपाल, नगरीय प्रशासन ने कॉलोनाइजर्स को बड़ी राहत दी है। अब कॉलोनाइजर्स एक ही रजिस्ट्रेशन पर पूरे प्रदेश में निर्माण कार्य कर सकेंगे। नगरीय रजिस्ट्रेशन के लिए ऑनलाइन पोर्टल का लोकार्पण किया गया है। कॉलोनाइजर्स को अब अलग-अलग नगरीय निकायों में रजिस्ट्रेशन कराने से निजात मिलेगी। सारी प्रक्रिया ऑनलाइन होने के साथ 30 दिन की समय-सीमा में प्रमाण-पत्र जारी किए जाएंगे।

श्री भूपेन्द्र सिंह ने कहा कि ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन से प्रक्रिया सरल होगी और प्रदेश के विकास में तेजी आएगी। मध्यप्रदेश नगर पालिका कॉलोनी विकास नियम 2021 के जरिए हमने अवैध कॉलोनियों के नियमितीकरण के भी प्रावधान किए हैं। सुधार की यह प्रक्रिया निरंतर जारी रहेगी। प्रमुख सचिव श्री मनीप सिंह, आयुक्त नगरीय प्रशासन एवं विकास श्री निकुंज श्रीवास्तव, अपर आयुक्त श्री गजेंद्र सिंह, अधीक्षण यंत्री श्री राजीव गोस्वामी, डिप्टी डायरेक्टर एमपी स्टेट इलेक्ट्रॉनिक्स डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन श्री विनय पांडे उपस्थित थे।

पोर्टल पर हो सकेंगे सभी काम

आवेदन की सुविधा ई-नगरपालिका पोर्टल, एमपी अर्बन वेबसाइट, ई-सर्विस पोर्टल पर उपलब्ध रहेगी। इसमें रजिस्ट्रीकरण शुल्क का ऑनलाइन भुगतान, आवेदन की स्थिति ट्रैक करने, ऑनलाइन दस्तावेज अपलोड करने, ऑनलाइन अनुमोदन प्रक्रिया, डिजिटल रूप से हस्ताक्षरित प्रमाण-पत्र, एसएमएस एवं वॉट्सएप के जरिए आवेदक को सूचना, वॉट्सएप के जरिए सर्टिफिकेट प्रदान की जाने की सुविधा और संचालनालय के लिए मॉनीटरिंग के उद्देश्य से विभिन्न रिपोर्ट्स की सुविधा रहेगी।

एजेंसी देना है

मध्यप्रदेश का सर्वाधिक प्रसार संख्या वाला साप्ताहिक समाचार पत्र

प्रदेश में
खंडवा, धार, खरगौन,
बुरहानपुर, झाबुआ, बड़वानी
तथा अलीराजपुर जिलों में
एजेंसी नियुक्त करना है।

संपर्क करें
9425625746, 9424442725

प्रमुख आकर्षण

- कैरियर की खबरें
- सम-सामायिक विषयों पर विशेषज्ञों की टिप्पणियां
- खेल जगत की उल्लेखनीय खबरें
- सप्ताह की प्रमुख घटनाएं
- मध्यप्रदेश सरकार के निर्णयों और योजनाओं की जानकारियां
- विज्ञान की बातें

मध्यप्रदेश माध्यम
40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) 462011
फोन नंबर : 0755-2551330, 0755-2760006
www.mpmadhyam.in
madhyam.rojgar@gmail.com

आज ही खरीदें
प्रमुख बुक-स्टॉलों पर उपलब्ध

प्रोफेसर शांतिश्री

जेएनयू की पहली महिला कुलपति बनीं

प्रोफेसर शांतिश्री धुलिपुड़ी पंडित जेएनयू की पहली महिला कुलपति नियुक्त की गई हैं। उनका कार्यकाल पांच साल का होगा। वह सावित्रीबाई फुले यूनिवर्सिटी पुणे में प्रोफेसर थीं। जेएनयू की छात्रा रहीं शांतिश्री ने 1986 में यहीं से एमफिल और 1990 में पीएचडी की थी। इससे पहले उन्होंने प्रेसीडेंसी कॉलेज से राजनीति विज्ञान में पोस्ट ग्रेजुएशन किया था। उनका जन्म रूस के सेंट पीटर्सबर्ग में हुआ था।

लंदन

बॉटनिकल गार्डन में फैंटेसी रेस्टोरेंट शुरू

लंदन के विश्व विरासत कीव गार्डन में एक नया रेस्टोरेंट खुला है। राल्फ डाल की प्रसिद्ध नॉवेल चार्ली एंड द चॉकलेट फैक्ट्री की तर्ज पर वर्ल्ड ऑफ फैंटेसी तैयार किया गया है1 इस फैमिली रेस्टोरेंट में विशाल मशरूम, पिंक पिज्जा और आइसक्रीम बार बनाये गये हैं। रेस्टोरेंट का उद्देश्य यहां पर आने वाले बच्चों और बड़ों को स्वादिष्ट भोजन के साथ प्राकृतिक और स्थानीय रूप से उगने वाले पेड़ पौधों की जानकारी देना है। इस गार्डन का टिकट 1100 से 1500 रुपये प्रति व्यक्ति है।

रोबो डॉग्स

अमेरिका-मैक्सिको बॉर्डर पर तैनात होंगे

अमेरिका अपनी मैक्सिको से लगती सीमा पर चौकसी के लिये रोबो डॉग्स तैनात करेगा। इससे सीमा पर तैनात सैनिकों द्वारा बॉर्डर पार करने वालों के साथ अमानवीय व्यवहार पर रोक लगाई जा सकेगी। रोबो डॉग्स पर लगे कैमरों से कंट्रोल रूम को लाइव फीड भी मिल सकेगी। अभी इसका परीक्षण चल रहा है। सफल होते ही ये डॉग्स तैनाती के लिये सीमा पर चौकसी करने के लिये उपलब्ध होंगे।

वर्जिन गैलेक्टिक

स्पेसशिप का किराया 3.5 करोड़ रुपये

रिचर्ड ब्रैनसन की वर्जिन गैलेक्टिक ने अंतरिक्ष यात्रा के लिये टिकट की बुकिंग शुरू कर दी है। आम लोग जा सकते हैं। हालांकि इसमें उड़ान भरने वाले इतने आम भी नहीं होंगे। इस स्पेसशिप के टिकट की कीमत लगभग 3.5 करोड़ रुपये है। अगर आपका आवेदन मंजूर हो जाता है तो आपको एडवांस में 1.12 करोड़ रुपये जमा करने होंगे, जिसमें से 18 लाख रुपये नॉन रिफंडेबल हैं। वैसे स्पेस एक्स और ब्लू ओरिजन की स्पेस फ्लाइट के टिकटों के दाम 412 करोड़ रुपये तक थे।

प्रोफेसर एम. जगदीश कुमार

यूजीसी के अध्यक्ष बने

जेएनयू के कुलपति प्रोफेसर एम. जगदीश कुमार को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) का नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। फिलहाल वह जेएनयू के

कुलपति का कार्यकाल पूरा करने के बाद भी बतौर कार्यवाहक कुलपति जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। यूजीसी के अध्यक्ष का पद तत्कालीन अध्यक्ष की सेवानिवृत्ति के बाद पिछले दिसम्बर से रिक्त था।

नेपाल

फिर आकार ले रहा विश्व विरासत में शामिल मंदिर

नेपाल में यूनेस्को की विश्व विरासत स्थल में शामिल बसंतपुर दरबार स्क्वेयर का मंदिर फिर आकार ले रहा है। ये मंदिर 2015 में आये भूकंप में तबाह हो गया था। भूकंप ने मंदिर के साथ 891 स्मारकों और विभिन्न आकारों की सांस्कृतिक विरासत के स्थानों को नष्ट कर दिया था। अभी दो तिहाई स्थलों का पुनर्निर्माण शुरू नहीं हुआ है।

मार्क वैंडे

अंतरिक्ष में पूरे किये 300 दिन

नासा के अनुसार 9 अप्रैल 2021 को इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पहुंचे उसके अंतरिक्ष यात्री मार्क वैंडे ने 300 दिन पूरे कर लिये हैं। वैंडे पृथ्वी की कक्षा में लगातार 355 दिन बिताने के रिकॉर्ड के साथ 30 मार्च को लौटेंगे। वह 3 मार्च को क्रिस्टिना कॉच को पछाड़ देंगे, जिन्होंने अंतरिक्ष में लगातार 328 दिन बिताये थे।

ब्रिटेन में

क्वीन का स्मृति चिह्न गलत स्पेलिंग के साथ छपा

ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के 70 साल के शासन को दर्शाने के लिये बने स्मृति चिह्नों में 'Jubilee' को गलती से 'Jubbly' लिखा गया है। गलत स्पेलिंग के साथ 10,800 मग, प्लेट और कप-सॉसर छपे हैं। ये अब होलसेल क्लीयरेंस यूके द्वारा बेचे जा रहे हैं।

अंजलि यादव को

मिलेगा ग्लोबल अवॉर्ड

बिहार की अंजलि यादव को अमेरिकन एसोसिएशन ऑफ कैंसर रिसर्च के वर्ष 2022 के प्रतिष्ठित ग्लोबल स्कॉलर अवॉर्ड के लिये चुना गया है। यह अवॉर्ड विश्व के 10 युवा वैज्ञानिकों को कैंसर से संबंधित उनके उत्कृष्ट शोध कार्य के लिये दिया जाता है। उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले में जन्मीं अंजलि आईआईटी कानपुर में पुरुषों में होने वाले प्रोस्टेट कैंसर पर 2018 से शोध कर रही हैं।

हेक्टर वेलर

पेरु के प्रधानमंत्री का इस्तीफा

पेरु के प्रधानमंत्री हेक्टर वेलर ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उनके ऊपर घरेलू हिंसा के आरोप उनकी पत्नी और बेटी ने लगाये थे। जिसके चलते उनकी छवि को अखबारों और संसद में नकारात्मक ढंग से प्रस्तुत किया गया और इन्हीं आरोपों से दुःखी होकर उन्होंने इस्तीफा दिया। वह पिछले 42 वर्षों में पेरु के सबसे कम समय तक पद पर रहने वाले प्रधानमंत्री हैं।

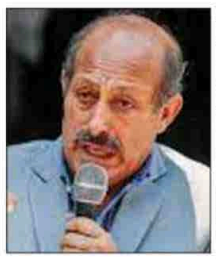

मिस्र में

18 हजार नोट्स का प्राचीन टाइम कैप्सूल मिला

मिस्र में पुरातत्वविदों के हाथ एक अनमोल खजाना लगा है। खुदाई के दौरान पुरातत्वविदों को एक प्राचीन टाइम कैप्सूल मिला है। जो 18 हजार नोट्स से भरा हुआ है।

इन 18 हजार पट्टियों पर प्राचीन मिस्र की सभ्यता के बारे में काफी कुछ लिखा है। इसकी खोज मिस्र के प्राचीन कस्बे अथरिबिस में की गई है। प्रोफेसर लेइट्ज ने इस पर शोध किया है और बताया कि मिस्र में प्राइवेट लेटर, कपड़ों की लिस्ट और साहित्य से जुड़े लेखन के लिये बर्तन के टूटे हुये हिस्सों का इस्तेमाल नोट पैड के रूप में किया जाता था।

राइटिंग विद फायर

भारतीय महिलाओं की कहानी ऑस्कर पुरस्कार की दौड़ में

ऑस्कर नामांकन में भारतीय महिलाओं की कहानी

'राइटिंग विद फायर' ने डॉक्यूमेंट्री श्रेणी में अपना स्थान पक्का कर लिया है। यह फिल्म दलित महिलाओं द्वारा निकाले जाने वाले अखबार 'खबर लहरिया' पर आधारित है। थॉमस और सुष्मित घोष द्वारा निर्देशित इस डॉक्यूमेंट्री में मुख्य रिपोर्टर मीरा के नेतृत्व वाले दलित महिलाओं के महत्वाकांक्षी समूह की कहानी को दिखाया गया है।

ऑस्ट्रेलिया

पिलबारा में मिलीं पृथ्वी की सबसे पुरानी चट्टानें

पश्चिमोत्तर ऑस्ट्रेलिया के पिलबारा में पृथ्वी की कुछ सबसे पुरानी चट्टानें मिली हैं। यह जानकारी अमेरिका की राष्ट्रीय स्पेस एजेंसी (नासा) ने दी है। नासा के मुताबिक ये लौह-समृद्ध चट्टानें वायुमंडलीय ऑक्सीजन की उपस्थिति और यहां तक कि जीवन की शुरुआत से पहले बनी थीं। आगे यह भी पता चला है कि इन चट्टानों पर 3.45 अरब साल पुराने जीवाश्म स्ट्रोमेटोलाइट्स, माइक्रोबियल साइनो बैक्टीरिया की कॉलोनियां थीं। नासा के मुताबिक 12 अक्टूबर, 2004 को प्राप्त की गई छवि ने 49.1 गुणा 55.2 किलोमीटर के क्षेत्र को कवर किया है।

एरिक लैंडर

अमेरिकी विज्ञान सलाहकार का इस्तीफा

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन के शीर्ष विज्ञान सलाहकार एरिक लैंडर ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। व्हाइट हाउस द्वारा इस बात की पुष्टि करने के कुछ घंटों बाद उन्होंने यह कदम उठाया है। व्हाइट हाउस ने कहा था कि अंतरिक्ष जांच में लैंडर ने अपने कर्मचारियों के साथ दुर्व्यवहार करने के भरोसेमंद सबूत मिले हैं। लैंडर का इस्तीफा बाइडेन में कैबिनेट स्तर पर पहला इस्तीफा है। व्हाइट हाउस ने अपने कर्मचारियों से दुर्व्यवहार के लिये लैंडर को कड़ी फटकार लगाई थी।

दिल्ली से लंदन बस सेवा

छियालिस साल बाद फिर से बहाल

अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त लग्जरी बस से जल्द ही दिल्ली से लंदन तक की बस सेवा 46 साल बाद शुरू होने जा रही है। इसके करीब 15 लाख के पैकेज में सफर का टिकट, वीजा, अलग-अलग देशों के ठहरने की सुविधा सरीखी सभी सेवाएं शामिल हैं। दरअसल एक ब्रिटिश कंपनी ने 1957 में वाया दिल्ली, लंदन-कोलकाता के बीच बस सेवा की शुरुआत की थी। कुछ वर्ष बाद दुर्घटनाग्रस्त होने पर बस बंद हो गई थी। वर्षों बाद शुरू होने वाली यह बस दिल्ली से वाया कोलकाता, म्यांमार पहुंचेगी, इसके बाद थाईलैंड, लाओस, चीन, किर्गिस्तान, उज्बेकिस्तान, कजाकिस्तान, रूस, लातविया, लिथुआनिया, पोलैंड, चेक गणराज्य, जर्मनी, नीदरलैंड, बेल्जियम, फ्रांस के बाद लंदन पहुंचेगी।

अटल सुरंग

वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज

दुनिया की सबसे लंबी अटल सुरंग को आधिकारिक तौर पर वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स द्वारा 10 हजार फीट से ऊपर दुनिया की सबसे लंबी राजमार्ग सुरंग के रूप में प्रमाणित किया गया है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार सीमा सड़क संगठन के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल राजीव चौधरी ने टनल के निर्माण के लिये बीआरओ की इस उपलब्धि के लिये पुरस्कार प्राप्त किया। यह टनल मनाली को लेह से जोड़ती है।

स्मृति शेष

टेलीविजन सीरियल महाभारत के 'भीम' प्रवीण का निधन

नब्बे के दशक में लोकप्रिय सीरियल 'महाभारत' में भीम बने अभिनेता प्रवीण कुमार सोबती का 74 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। डिस्कस और हैमर थ्रो में 1968 के मैक्सिको तथा 1972 के म्यूनिख ओलिंपिक में खेलने वाले प्रवीण कुशल अभिनेता भी रहे। उन्हें अर्जुन अवॉर्ड मिला था। उन्होंने एशियन गेम्स में 2 स्वर्ण, 1 रजत और 1 कांस्य पदक जीता था।

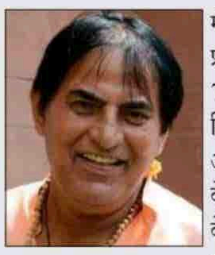

आजाद हिंद फौज के सिपाही हीरा सिंह का निधन

हिमाचल प्रदेश निवासी आजाद हिंद फौज के अंतिम सिपाही हीरा सिंह ठाकुर का 96 वर्ष की उम्र में निधन हो गया है। उन्होंने नेताजी सुभाष चंद्र बोस के साथ सिंगापुर, वर्मा, नागालैंड और असम में कार्य किया था। दो अक्टूबर 1926 को पच्छाद उपमंडल की शाडिया पंचायत के शोटी गांव में जन्में हीरा सिंह अंतिम समय तक पूरी तरह से तंदरुस्त थे।

शास्त्रीय गायक पंडित दामोदर का निधन

ओडिशा के मशहूर शास्त्रीय गायक पंडित दामोदर होता का 87 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। वे लंबे समय से बीमार थे। उन्होंने बनारस हिंदू विश्वविद्यालय से संगीत की उपाधि ग्रहण की थी। उन्हें प्रतिष्ठित पं. मिराशी बुवा पुरस्कार प्राप्त हो चुका था। लंबे समय तक उन्होंने ओडिसी शास्त्रीय संगीत की शिक्षा भी प्रदान की। उन्होंने तालवृंद की शिक्षा प्राप्त की और जीवन भर विद्यार्थियों को वाद्य शिक्षा में पारंगत करते रहे।

HIV का पता लगाने वाले फ्रांसीसी वैज्ञानिक मोंटागनियर का निधन

फ्रांस के वायरोलॉजिस्ट लुक मोंटागनियर का 89 वर्ष की उम्र में निधन हो गया है। एचआईवी वायरस की खोज के लिये उन्हें नोबल पुरस्कार मिला था। वायरस की खोज में मोंटागनियर का साथ फ्रांस के वैज्ञानिक फ्रैंकोइस बार सिनौसी ने दिया था। उन्होंने पेरिस से वायरोलॉजी में पीएचडी की डिग्री ली थी।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

मिशन इंद्रधनुष 4.0

स्वस्थ भारत के निर्माण में अहम भूमिका निभाता है टीकाकरण अभियान

इस समय भारत पूरी दुनिया में सबसे बड़ा टीकाकरण कार्यक्रम 'मिशन इंद्रधनुष' संचालित कर रहा है, जिसमें सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम के तहत हर साल 3 करोड़ से अधिक गर्भवती महिलाओं और 2.6 करोड़ बच्चों को कवर किया जाता है। मिशन इंद्रधनुष भारत सरकार का एक स्वास्थ्य अभियान है, इसके तहत गर्भवती महिलाओं और बच्चों को तीव्र गति से पूर्ण टीकाकरण कवरेज प्रदान किया जाता है। याद रखने योग्य तथ्य यह है कि देश में इस मिशन के अभी तक 10 चरण पूरे किए जा चुके हैं। मिशन इंद्रधनुष के बाद सघन मिशन इंद्रधनुष यानी आईएमआई (इंटेंसिफाइड मिशन इंद्रधनुष) के अलग-अलग चरण देखने को मिले हैं।

2014 में शुरू हुआ था मिशन इंद्रधनुष

भारत में टीकाकरण कार्यक्रम को 1978 में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा 'विस्तारित प्रतिरक्षण कार्यक्रम' यानी 'एक्सपेंडेड प्रोग्राम ऑफ इम्यूनाइजेशन' के रूप में शुरू किया गया था। वर्ष 1985 में इस कार्यक्रम का नाम बदलकर यूनिवर्सल टीकाकरण कार्यक्रम कर दिया गया। भारत का 'सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम' विश्व के सबसे बड़े स्वास्थ्य कार्यक्रम में से एक था। इसका उद्देश्य देश के सभी जिलों में वर्ष 1980 से 90 तक पूर्ण प्रतिरक्षण प्रदान करना था। कई वर्षों से परिचालन में होने के बावजूद यूआईपी, जीवन के प्रथम वर्ष में होने वाले केवल 65 प्रतिशत बच्चों को पूरी तरह से प्रतिरक्षित कर पाया था। पूर्ण टीकाकरण कवरेज बढ़ाने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कम टीकाकरण कवरेज, उच्च जोखिम वाले और दुर्गम क्षेत्रों में आंशिक एवं बिना टीकाकरण वाली गर्भवती महिलाओं और बच्चों को कवर करने और उन्हें टीकों के जरिए बचाव योग्य बीमारियों से सुरक्षा प्रदान करने के लिए दिसंबर, 2014 में मिशन इंद्रधनुष की शुरुआत की थी। मिशन इंद्रधनुष का मुख्य लक्ष्य दो वर्ष तक की उम्र के सभी बच्चों और गर्भवती महिलाओं का सभी उपलब्ध टीकों के माध्यम से पूर्ण प्रतिरक्षण सुनिश्चित करना है।

सघन मिशन इंद्रधनुष (आईएमआई)

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 8 अक्टूबर, 2017 को टीकाकरण कार्यक्रम को विस्तारित करने के लिए सघन मिशन इंद्रधनुष (आईएमआई) का शुभारंभ किया। दिसंबर 2018 तक 90 प्रतिशत से अधिक पूर्ण टीकाकरण सुनिश्चित करने हेतु चयनित जिलों और शहरों में टीकाकरण कवरेज में बढ़ोतरी के लिए विशेष अभियान पर ध्यान केंद्रित किया गया था। आईएमआई के तहत अक्टूबर 2017 और जनवरी 2018 के बीच हर महीने सर्वोच्य प्राथमिकता वाले जिलों और शहरी क्षेत्रों के 173 जिलों (16 राज्यों के 121 जिलों और 17 शहरों और 8 पूर्वोत्तर राज्यों के 52 जिलों) में निरंतर सात दिनों तक टीकाकरण चरण आयोजित किए गये थे। सघन मिशन इंद्रधनुष शहरी क्षेत्रों एवं चयनित जिलों (उच्च प्राथमिकता वाले जिलों) में चलाया गया था, जहां टीकाकरण कम हुआ था। एक स्थान से दूसरे स्थान पर प्रवास करने वाले शहरी झुग्गी-झोपड़ियों और उप-केंद्रों में निवास करने वाले लोगों पर विशेष ध्यान दिया गया था, जहां टीकाकरण या तो नहीं हुआ या उसका प्रतिशत बहुत कम था। राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन (एनयूएचएम) के अंतर्गत शहरी बस्तियों और शहरों पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया था।

भारत सरकार ने दिसंबर 2019 से मार्च 2020 तक चयनित जिलों और ब्लॉकों में सब बच्चों और गर्भवती महिलाओं के लिए सभी उपलब्ध टीकों की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए सघन मिशन इंद्रधनुश 2.0 की शुरुआत की थी। आईएमआई 2.0 का उद्देश्य 27 राज्यों के 272 जिलों तथा दुर्गम स्थान और जनजातीय आबादी के साथ-साथ उत्तरप्रदेश और बिहार में ब्लॉक स्तर पर 652 ब्लॉकों में पूर्ण प्रतिरक्षण कवरेज

का लक्ष्य प्राप्त करना था।

19 फरवरी 2021 को सघन मिशन इंद्रधनुष 3.0 यानी कि आईएमआई 3.0 अभियान की शुरुआत की गई थी। यह देश के 29 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में चिन्हित जिलों/शहरी क्षेत्रों में चलाया गया। आईएमआई 3.0 के लिए जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार जिलों को कम जोखिम वाले 313, मध्यम जोखिम वाले 152 और सबसे ज्यादा जोखिम वाले 250 जिलों में वर्गीकृत किया गया था।

07 फरवरी 2022 को केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया द्वारा गहन मिशन इंद्रधनुष (आईएमआई) 4.0 का शुभारंभ किया गया है। गहन मिशन इंद्रधनुष 4.0 के तीन दौर होंगे और यह देश के 33 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के 416 जिलों (आजादी का अमृत महोत्सव के लिए चिन्हित 75 जिलों सहित) में संचालित किया जाएगा। इसके पहले दौर (फरवरी-अप्रैल 2022) में 11 राज्य आईएमआई 4.0 को संचालित करेंगे। ये राज्य असम, उत्तराखंड, गुजरात, जम्मू और कश्मीर, मेघालय, मिजोरम, नगालैंड, राजस्थान, सिक्किम, त्रिपुरा व छत्तीसगढ़ हैं। वहीं अन्य 22 राज्य अप्रैल से मई 2022 तक अन्य दौर संचालित करेंगे। इन राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र, आंध्रप्रदेश, मणिपुर, अरुणाचल प्रदेश, ओडिशा, बिहार, पुडुचेरी, दिल्ली, पंजाब, गोवा, तमिलनाडु, हरियाणा, तेलंगाना, झारखंड, दादरा और नगर हवेली व दमन और दीव, कर्नाटक, उत्तरप्रदेश, केरल, पश्चिम बंगाल, मध्यप्रदेश व अंडमान और निकोबार द्वीप समूह शामिल हैं।

10 चरणों में 3.86 करोड़ बच्चों का टीकाकरण

अभी तक देश के 701 जिलों को कवर करते हुए मिशन इंद्रधनुष के दस चरणों को पूरा किया जा चुका है। अप्रैल 2021 तक मिशन इंद्रधनुष के विभिन्न चरणों के दौरान कुल 3.86 करोड़ बच्चों और 96.8 लाख गर्भवती महिलाओं का टीकाकरण किया जा चुका है। मिशन इंद्रधनुष के पहले दो चरणों के परिणामस्वरूप एक वर्ष में पूर्ण टीकाकरण कवरेज में 6.7 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। मिशन इंद्रधनुष के पांचवें चरण 'गहन मिशन इंद्रधनुष' में शामिल 190 जिलों में किए गए एक सर्वेक्षण (आईएमआई-सीईएस) से पता चलता है कि राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस)-4 की तुलना में पूर्ण टीकाकरण कवरेज में 18.5 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। समय-समय पर नियमित टीकाकरण और टीकाकरण गहनता अभियानों को मजबूत करने के लिए वर्षों से निरंतर प्रयासों के परिणामस्वरूप एनएफएचएस-4 (2015-16) की तुलना में राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (2019-21) की नवीनतम रिपोर्टों के अनुसार टीकाकरण कवरेज में काफी सुधार हुआ है। 12-23 महीने की उम्र के बच्चों में पूर्ण टीकाकरण कवरेज 62 फीसदी (एनएफएचएस-4) से बढ़कर 76.4 फीसदी (एनएफएचएस-5) हो गया है।

प्रमुख योजनाओं में से एक है यह मिशन

मिशन इंद्रधनुष को ग्राम स्वराज अभियान (541 जिलों के 16,850 गांवों) और विस्तारित ग्राम स्वराज अभियान (112 आकांक्षी जिलों के 48,929 गांवों) के तहत प्रमुख योजनाओं में से एक के रूप में भी चिन्हित किया गया है। दरअसल, जहां कोविड महामारी के चलते नियमित टीकाकरण की गति धीमी हो गई है वहां अब आईएमआई 4.0 इस अंतर को खत्म करने और सार्वभौमिक टीकाकरण की दिशा में स्थायी लाभ प्राप्त करने में अपना काफी अधिक योगदान देगा। दूसरी ओर भारत में कोविड टीकाकरण अभियान के अंतर्गत 170 करोड़ से अधिक वैक्सीन दी जा चुकी हैं। रोजाना लाखों की संख्या में वैक्सीन डोज दी जा रही हैं।

इन बीमारियों के लिए होता है टीकाकरण

मिशन इंद्रधनुष योजना को आरंभ करने का मुख्य उद्देश्य बच्चों को 12 जानलेवा बीमारियों के खिलाफ मुक्त टीकाकरण प्रदान करना है। इस योजना के माध्यम से देश भर के सभी बच्चों को जानलेवा बीमारियों से बचाने के लिए मुफ्त में जीवन रक्षक टीका प्रदान किया जाता है। केंद्र सरकार इस मिशन के जरिए यूआईपी यानि 'सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम' व 'राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम' में नए टीकों जैसे कि रोटावायरस वैक्सीन, आईपीवी, वयस्क जेई वैक्सीन, न्यूमोकोकल संयुग्म वैक्सीन (पीसीवी) और खसरा-रूबेला वैक्सीन की शुरुआत के माध्यम से टीका निवारणीय रोगों के लिए टीकाकरण प्रदान कर रही है। मिशन इंद्रधनुष में 12 वैक्सीन-प्रिवेंटेबल डिज़ीज़ के खिलाफ टीकाकरण शामिल है जिनमें डिफ्थीरिया, काली खांसी , टेटनस , पोलियो, क्षय, हेपेटाइटिस-बी , मैनिन्जाइटिस, निमोनिया, हेमोफिलस इन्फ्लुएंज़ा टाइप बी संक्रमण, जापानी एनसेफेलाइटिस, रोटावायरस वैक्सीन, न्यूमोकोकल कंजुगेट वैक्सीन और खसरा-रूबेला शामिल हैं। हालांकि जापानी एनसेफेलाइटिस और हीमोफिलस इन्फ्लुएंजा टाइप बी के खिलाफ टीकाकरण कार्यक्रम देश के चुनिंदा जिलों में किया जा रहा है।

- रश्मि रंजन

(लेखिका, समसामयिक मुद्दों पर लेखन करती हैं।)

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिये सामान्य अध्ययन - मध्यप्रदेश

(1) म.प्र. में अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित लोकसभा क्षेत्रों की संख्या कितनी है?
(अ) 29 (ब) 4
(स) 6 (द) 47
उत्तर -(ब) 4

(2) भोपाल को जिला बनाने के पूर्व यह किस जिले की एक तहसील थी?
(अ) रायसेन (ब) विदिशा
(स) सीहोर (द) राजगढ़
उत्तर -(स) सीहोर

(3) निम्न में से किस जिले से होकर "कर्क" रेखा नहीं गुजरती है?
(अ) राजगढ़ (ब) सीहोर
(स) दमोह (द) छिंदवाड़ा
उत्तर -(द) छिंदवाड़ा

(4) एशिया का प्रथम एवं विश्व का तीसरा लेज़र अनुसंधान केंद्र कहां स्थित है?
(अ) इंदौर (ब) भोपाल
(स) ग्वालियर (द) जबलपुर
उत्तर -(अ) इंदौर

(5) गोम्मट गिरि नामक जैन तीर्थ स्थल कहां पर स्थित है?
(अ) सीहोर (ब) बड़वानी
(स) रायसेन (द) इंदौर
उत्तर -(द) इंदौर

(6) 'माड़ा की गुफाएं' कहां स्थित हैं?
(अ) सीधी (ब) सिंगरौली
(स) रीवा (द) सतना
उत्तर -(ब) सिंगरौली

(7) म.प्र. विभाजन के दौरान कितने जिले छत्तीसगढ़ में शामिल किए गए थे?
(अ) 12 (ब) 14
(स) 16 (द) 18
उत्तर -(स) 16

(8) वर्तमान विदिशा को प्राचीन जनपद में किस नाम से जाना जाता था?
(अ) अवंति (ब) वत्स
(स) तुंदीकेर (द) दशार्ण
उत्तर -(द) दशार्ण

(9) निम्न में से किसके द्वारा साँची स्मारकों की खोज की गई थी?
(अ) कनिंघम
(ब) जनरल टेलर
(स) व्हीलर
(द) जॉन- मार्शल
उत्तर -(ब) जनरल टेलर

(10) 'पानगुराड़िया' शिलालेख किस जिले में स्थित हैं?
(अ) सीहोर (ब) भोपाल
(स) रायसेन (द) विदिशा
उत्तर -(अ) सीहोर

(11) 'सुपिया अभिलेख' कहां पर स्थित है?
(अ) अनूपपुर (ब) शहडोल
(स) रीवा (द) सिंगरौली
उत्तर -(स) रीवा

(12) 'विद्धशालभंजिका' की रचना किसके द्वारा की गई?
(अ) राजशेखर (ब) हर्ष
(स) केशव (द) बाणभट्ट
उत्तर -(अ) राजशेखर

(13) 'मदन वर्मन' किस वंश का शासक था?
(अ) परमार (ब) चंदेल
(स) होलकर (द) सिंधिया
उत्तर -(ब) चंदेल

(14) पुरातात्विक स्थल 'एरण' किस जिले में स्थित है?
(अ) सागर (ब) छतरपुर
(स) दमोह (द) गुना
उत्तर -(अ) सागर

(15) 'चरणपादुका नरसंहार' का संबंध किस स्थान से है?
(अ) सागर (ब) छतरपुर
(स) दमोह (द) खण्डवा
उत्तर -(ब) छतरपुर

(16) झण्डा सत्याग्रह का प्रारंभ म.प्र. में किस स्थान से किया गया था?
(अ) सिवनी (ब) जबलपुर
(स) छिंदवाड़ा (द) बालाघाट
उत्तर -(ब) जबलपुर

(17) उदयगिरि की अधिकतर गुफाओं का संबंध किस काल से है?
(अ) मौर्य काल (ब) गुप्त काल
(स) शुंग काल (द) परमार काल
उत्तर -(ब) गुप्त काल

(18) 'कमाल मौला मस्जिद' कहां स्थित है?
(अ) धार (ब) उज्जैन
(स) रतलाम (द) मंदसौर
उत्तर -(अ) धार

(19) 'समरांगण सूत्रधार' के रचयिता कौन हैं?
(अ) बाणभट्ट (ब) राजा भोज
(स) हर्ष (द) पद्माकर
उत्तर -(ब) राजा भोज

(20) 'खेरला का किला' कहां स्थित है?
(अ) छिंदवाड़ा (ब) ग्वालियर
(स) बैतूल (द) हरदा
उत्तर -(स) बैतूल

(21) 'किस किले को मध्यप्रदेश का जिब्राल्टर' कहा जाता है?
(अ) बुरहानपुर (ब) चंदेरी
(स) खजुराहो (द) ग्वालियर
उत्तर -(द) ग्वालियर

(22) चित्तौड़ के त्रि-भुवन मंदिर का निर्माण किसने करवाया था?
(अ) यशोवर्मन
(ब) शुंग
(स) भोज
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर -(स) भोज

(23) स्वतंत्रता सेनानी एवं उनसे संबंधित स्थलों में से कौनसा सुमेलित नहीं है?
(अ) रानी अवंतीबाई - मण्डला
(ब) सआदत खान - सागर
(स) भीमा नायक - सेंधवा
(द) शेख रजमान - सागर
उत्तर -(ब) सआदत खान - सागर

(24) मालवा के पठार की सबसे ऊंची चोटी का नाम क्या है?
(अ) सिगार (ब) जनापाव
(स) सिद्धबाबा (द) धूपगढ़
उत्तर -(अ) सिगार

(25) 'टेपा समारोह' का आयोजन कहां किया जाता है?
(अ) उज्जैन (ब) इंदौर
(स) ग्वालियर (द) खरगौन
उत्तर -(अ) उज्जैन

(26) नदियों एवं उनके उद्गम स्थल के संबंध में कौनसा असत्य है?
(अ) चंबल - जनापाव, महू
(ब) बेतवा - कुमरा, रायसेन
(स) ताप्ती - इटारसी, होशंगाबाद
(द) बेनगंगा - मुंडारा, सिवनी
उत्तर -(स) ताप्ती - इटारसी, होशंगाबाद

(27) राज्य में ऋतु वेधशाला कहां स्थित है?
(अ) इंदौर (ब) उज्जैन
(स) भोपाल (द) सीहोर
उत्तर -(अ) इंदौर

(28) 'चूलिया' जलप्रपात किस नदी पर स्थित है?
(अ) नर्मदा (ब) बेतवा
(स) चंबल (द) ताप्ती
उत्तर -(स) चंबल

(29) विदिशा किस नदी के किनारे स्थित है?
(अ) बेतवा (ब) चंबल
(स) कालीसिंध (द) नर्मदा
उत्तर -(अ) बेतवा

(30) देनवा, मालिनी, कालीभीत किस नदी की सहायक नदियां हैं?
(अ) बेतवा (ब) ताप्ती
(स) तवा (द) नर्मदा
उत्तर -(स) तवा

(शेष अगले पृष्ठ पर)

मध्यप्रदेश राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा के लिए महत्वपूर्ण प्रश्न

भारतीय संवैधानिक शासन प्रणाली एवं अर्थव्यवस्था

1. अखिल भारतीय महासंघ स्थापित करने का प्रावधान निम्नलिखित में से किस अधिनियम के अंतर्गत किया गया था?
(अ) भारत सरकार अधिनियम 1935
(ब) भारत सरकार अधिनियम 1919
(स) कैबिनेट मिशन प्रस्ताव 1946
(द) भारत छोड़ो आंदोलन 1942

2. प्रांतीय स्वयत्तता किस अधिनियम के अंतर्गत आई?
(अ) 1919 (ब) 1904
(स) 1858 (द) 1935

3. केंद्र में द्वैध शासन प्रणाली किस अधिनियम के अंतर्गत आई?
(अ) भारत शासन अधिनियम 1935
(ब) भारत शासन अधिनियम 1919
(स) भारत परिषद् अधिनियम 1909
(द) उपरोक्त में से कोई नहीं।

4. भारत की संविधान सभा के गठन का आधार निम्नलिखित में से क्या था?
(अ) साइमन आयोग
(ब) क्रिप्स मिशन
(स) माउण्ट बेंटन योजना
(द) कैबिनेट मिशन।

5. संविधान सभा के गठन की मांग 1895 में सर्वप्रथम किसके द्वारा प्रस्तुत की गई थी?
(अ) बाल गंगाधर तिलक
(ब) महात्मा गांधी
(स) जवाहरलाल नेहरू
(द) वल्लभ भाई पटेल।

6. भारत का संविधान निम्नलिखित में से कब लागू हुआ?
(अ) 26 जनवरी 1949
(ब) 26 जनवरी 1950
(स) 15 अगस्त 1950
(द) 26 जनवरी 1948

7. भारतीय संविधान सभा में महिला सदस्य कितनी थीं?
(अ) 15 (ब) 13
(स) 12 (द) 10

8. भारतीय संविधान सभा के प्रथम दिन के अधिवेशन की अध्यक्षता निम्नलिखित में से किसके द्वारा की गई?
(अ) पं. जवाहरलाल नेहरू
(ब) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद
(स) डॉ. सच्चिदानंद सिन्हा
(द) डॉ. वी.आर. अम्बेडकर।

9. भारतीय संविधान सभा द्वारा राष्ट्रीय ध्वज की रूपरेखा को कब स्वीकार किया गया?
(अ) 22 जुलाई 1947
(ब) 21 जुलाई 1947
(स) 22 जुलाई 1946
(द) 20 जुलाई 1947

10. भारतीय संविधान की आत्मा निम्नलिखित में से किसे कहा जाता है?
(अ) मूल अधिकार
(ब) नीति निदेशक तत्व
(स) प्रस्तावना
(द) उपरोक्त में से कोई नहीं।

11. कौनसा शब्द भारतीय संविधान की प्रस्तावना में नहीं है?
(अ) समाजवादी
(ब) लोक कल्याण
(स) पंथ निरपेक्ष
(द) प्रभुत्व संपन्न।

12. भारतीय संविधान की प्रस्तावना में परिवर्तन किस संशोधन अधिनियम के अंतर्गत किए गए?
(अ) 44वां संशोधन अधिनियम 1978
(ब) 40वां संशोधन अधिनियम 1946
(स) 42वां संशोधन अधिनियम 1976
(द) उपरोक्त में से कोई नहीं।

13. भारतीय संविधान का अभिभावक निम्नलिखित में से किसे माना गया है?
(अ) राष्ट्रपति
(ब) निर्वाचन आयोग
(स) मंत्रिपरिषद्
(द) सर्वोच्च न्यायालय।

14. बैंकों का राष्ट्रीयकरण प्रथम बार कब हुआ?
(अ) 1950 में (ब) 1960 में
(स) 1969 में (द) 1979 में

15. निम्नलिखित में से भारतीय संविधान का उद्देश्य क्या नहीं है?
(अ) कल्याणकारी राज्य
(ब) साम्यवादी राज्य
(स) समाजवादी राज्य
(द) राजनीतिक समानता।

16. संसद की अवधारणा किस देश से भारतीय संविधान में ली गई है?
(अ) इंग्लैंड
(ब) संयुक्त राज्य अमेरिका
(स) कनाडा
(द) जापान।

17. राज्य के नीति निदेशक तत्व निम्नलिखित में से किस संविधान से लिए गए हैं?
(अ) आयरलैंड के संविधान से
(ब) कनाडा के संविधान से
(स) फ्रांस के संविधान से
(द) अमेरिकी संविधान से।

18. भारतीय संविधान में वर्तमान में निम्नलिखित में से कितनी अनुसूचियां हैं?
(अ) 11 (ब) 12
(स) 14 (द) 10

19. दल-बदल से संबंधित अनुसूची निम्नलिखित में से कौन सी है?
(अ) 10वीं (ब) 11वीं
(स) 9वीं (द) 12वीं

20. सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश पर महाभियोग चलाने की प्रक्रिया/प्रावधान किस अनुच्छेद के अंतर्गत वर्णित हैं?
(अ) अनुच्छेद 124
(ब) अनुच्छेद 143
(स) अनुच्छेद 212
(द) अनुच्छेद 312

21. डॉ. भीमराव अम्बेडकर के अनुसार भारतीय संविधान का सबसे महत्वपूर्ण अनुच्छेद निम्नलिखित में से कौन सा है?
(अ) अनुच्छेद 35
(ब) अनुच्छेद 32
(स) अनुच्छेद 212
(द) अनुच्छेद 28

22. भारतीय संविधान में मूल अधिकार किस देश के संविधान द्वारा लिए गए हैं?
(अ) फ्रांस
(ब) कनाडा
(स) आयरलैंड
(द) संयुक्त राज्य अमेरिका।

23. मौलिक अधिकारों को लागू करने का दायित्व निम्नलिखित में से किस पर है?
(अ) उच्चतम न्यायालय पर
(ब) उच्च न्यायालय पर
(स) (अ) तथा (ब) दोनों पर
(द) भारत के मुख्य न्यायाधीश पर।

24. भारतीय संविधान के अनुच्छेद 17-18 में क्या वर्णित है?
(अ) सामाजिक समता
(ब) आर्थिक समता
(स) राजनीतिक समता
(द) धार्मिक समता।

25. उच्चतम न्यायालय द्वारा किस मामले के अंतर्गत स्वीकार किया गया था कि मौलिक अधिकारों में संशोधन नहीं किया जा सकता?
(अ) केशवानंद भारती मामला
(ब) ए.के. गोपालन मामला
(स) गोलकनाथ मामला
(द) उपरोक्त में से कोई नहीं।

26. कैदी को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कराने के लिए किस रिट की आवश्यकता होती है?
(अ) परमाधिदेश
(ब) बन्दी प्रत्यक्षीकरण
(स) अधिकार पृच्छा
(द) उत्प्रेषण।

27. ग्राम पंचायत का गठन निम्नलिखित में से किस अनुच्छेद के अंतर्गत वर्णित है?
(अ) अनुच्छेद 40
(ब) अनुच्छेद 39
(स) अनुच्छेद 41
(द) अनुच्छेद 48

28. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए -
(अ) अनुच्छेद 41
(ब) अनुच्छेद 44
(स) अनुच्छेद 48
(द) अनुच्छेद 51
1. समान नागरिक संहिता
2. काम करने का अधिकार
3. कृषि एवं पशुपालन का संगठन
4. अंतर्राष्ट्रीय शांति व सुरक्षा

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(अ)	2	1	3	4
(ब)	1	2	3	4
(स)	4	3	1	2
(द)	1	2	4	3

29. भारतीय नागरिकों के मूल कर्तव्य का वर्णन निम्नलिखित में से किस अनुच्छेद के अंतर्गत किया गया है?
(अ) अनुच्छेद 50 (क)
(ब) अनुच्छेद 50 (ख)
(स) अनुच्छेद 51 (क)
(द) अनुच्छेद 52

30. किस संविधान संशोधन के अंतर्गत मूल कर्तव्यों को सम्मिलित किया गया है?
(अ) 42वां संविधान संशोधन 1976
(ब) 44वां संविधान संशोधन 1978
(स) 43वां संविधान संशोधन 1977
(द) उपरोक्त में से कोई नहीं।

31. भारतीय संसद के बारे में निम्नलिखित में से क्या गलत है?
(अ) राष्ट्रपति, लोकसभा और राज्यसभा से मिलकर संसद बनती है।
(ब) लोकसभा में मनोनीत सदस्य नहीं होते हैं।
(स) राज्यसभा को भंग नहीं किया जा सकता है।
(द) राज्यसभा के कुछ सदस्य राष्ट्रपति द्वारा नाम निर्देशित होते हैं।

32. संसद की संयुक्त सदन की बैठक की अध्यक्षता निम्नलिखित में से किसके द्वारा की जाती है?
(अ) राष्ट्रपति
(ब) प्रधानमंत्री
(स) उपराष्ट्रपति
(द) लोकसभा अध्यक्ष।

33. भारत की संचित निधि से धन निर्गम पर निम्नलिखित में से किसका नियंत्रण है?
(अ) महानियंत्रक एवं लेखा परीक्षक
(ब) वित्त मंत्री
(स) राष्ट्रपति
(द) संसद।

34. भारत के राष्ट्रपति के चुनाव में निम्नलिखित में से कौन भाग नहीं लेता है?
(अ) विधान सभा
(ब) लोक सभा
(स) विधान परिषद्
(द) राज्य सभा।

35. राज्य सभा का सभापति निम्नलिखित में से कौन होता है?
(अ) लोकसभा अध्यक्ष
(ब) उपराष्ट्रपति
(स) प्रधानमंत्री
(द) राष्ट्रपति।

36. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए -
(अ) प्रथम पंचवर्षीय योजना
(ब) द्वितीय पंचवर्षीय योजना
(स) तृतीय पंचवर्षीय योजना
(द) चतुर्थ पंचवर्षीय योजना
1. तीव्र औद्योगिकीकरण
2. आधारभूत उद्योगों का विकास
3. सामुदायिक विकास
4. स्वावलंबन की प्राप्ति व स्थिरता के साथ विकास।

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(अ)	3	1	2	4
(ब)	1	3	4	2
(स)	1	2	3	4
(द)	4	3	2	1

37. भारत में कृषि जोतों का उपविभाजन एवं अपखंडन का कारण है?
(अ) संयुक्त परिवार प्रथा का ह्रास
(ब) जनसंख्या वृद्धि
(स) उत्तराधिकार का कानून
(द) उपर्युक्त सभी।

38. कृषि फसल वर्ष कब होता है?
(अ) 1 जुलाई - 30 जून
(ब) 1 अप्रैल - 31 मार्च
(स) 1 जनवरी - 31 दिसंबर
(द) उपयुक्त में से कोई नहीं।

39. वर्गीज कुरियन निम्नलिखित में से किससे संबंधित हैं?
(अ) श्वेत क्रांति (ब) हरित क्रांति
(स) नीली क्रांति (द) कृष्ण क्रांति

40. भारतीय विदेश व्यापार संस्थान निम्नलिखित में से कहां स्थित है?
(अ) नई दिल्ली (ब) कोलकाता
(स) अहमदाबाद (द) हैदराबाद

41. गिल्ट एण्ड बाजार निम्नलिखित में से किससे संबंधित है?
(अ) शेयर बाजार से
(ब) सोना-चांदी व्यापार से
(स) सरकारी प्रतिभूतियों से
(द) उपरोक्त में से कोई नहीं।

42. भुगतान संतुलन में निम्नलिखित में से क्या निहित है?
(अ) दृश्य व्यापार
(ब) अदृश्य व्यापार
(स) ऋण
(द) उपरोक्त सभी।

43. केन्द्र एवं राज्य के मध्य वित्तीय विवादों का निपटारा निम्नलिखित में से कौन से संस्था करती है?
(अ) वित्त आयोग
(ब) योजना आयोग
(स) नीति आयोग
(द) उपरोक्त में से कोई नहीं।

44. भारतीय रिजर्व बैंक का राष्ट्रीयकरण निम्नलिखित में से किस वर्ष किया गया था?
(अ) 1948 (ब) 1950
(स) 1949 (द) 1935

45. बुल एण्ड बीयर निम्नलिखित में से किससे संबंधित है?
(अ) शेयर बाजार
(ब) बैंकिंग
(स) भुगतान संतुलन
(द) उपरोक्त में से कोई नहीं।

उत्तर

1.	(अ)	2.	(द)	3.	(ब)
4.	(द)	5.	(अ)	6.	(ब)
7.	(अ)	8.	(स)	9.	(अ)
10.	(स)	11.	(ब)	12.	(स)
13.	(द)	14.	(स)	15.	(ब)
16.	(अ)	17.	(अ)	18.	(ब)
19.	(अ)	20.	(अ)	21.	(ब)
22.	(द)	23.	(स)	24.	(अ)
25.	(स)	26.	(ब)	27.	(अ)
28.	(अ)	29.	(स)	30.	(अ)
31.	(ब)	32.	(द)	33.	(द)
34.	(स)	35.	(ब)	36.	(अ)
37.	(द)	38.	(अ)	39.	(अ)
40.	(अ)	41.	(स)	42.	(द)
43.	(अ)	44.	(स)	45.	(अ)

- सुजय जैन
(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी विषयों पर लेखन करते हैं)

(पिछले पृष्ठ का शेष)

(31) म.प्र. में सर्वाधिक सिंचाई किस - किस माध्यमों से की जाती है?
(अ) नहर
(ब) तालाब
(स) कुएं एवं नलकूप
(द) नदियां
उत्तर -(स) कुएं एवं नलकूप

(32) जवाहर सागर बाँध किस नदी घाटी परियोजना के अंतर्गत बनाया गया है?
(अ) चंबल (ब) नर्मदा
(स) तवा (द) बेनगंगा
उत्तर -(अ) चंबल

(33) सिवनी जिले के परसवाड़ा पठार के किस नदी का उद्गम होता है?
(अ) शक्कर (ब) दूधी
(स) बेनगंगा (द) पेंच
उत्तर -(स) बेनगंगा

(34) मोहनपुरा वृहद सिंचाई परियोजना का संबंध किस जिले से है?
(अ) रायसेन (ब) डिण्डौरी
(स) शहडोल (द) राजगढ़
उत्तर -(द) राजगढ़

(35) बाणसागर परियोजना किस नदी पर आधारित है?
(अ) नर्मदा (ब) सोन
(स) महानदी (द) टोंस
उत्तर -(ब) सोन

(36) सैलाना अभ्यारण्य कहां स्थित है?
(अ) ग्वालियर (ब) मंदसौर
(स) रतलाम (द) शिवपुरी
उत्तर -(स) रतलाम

(37) म.प्र. में कुल कितने बायोस्फीयर रिज़र्व क्षेत्र हैं?
(अ) एक (ब) दो
(स) तीन (द) चार
उत्तर -(स) तीन

(38) म.प्र. में वनों का राष्ट्रीयकरण कब किया गया था?
(अ) 1980 (ब) 1975
(स) 1981 (द) 1970
उत्तर -(द) 1970

(39) म.प्र. में कुल कितने वन वृत्त हैं?
(अ) 16 (ब) 15
(स) 14 (द) 10
उत्तर -(अ) 16

(40) निम्न में से कौनसा सही सुमेलित नहीं है?

अभ्यारण्य		स्थान
(अ) नौरादेही अभ्यारण्य	-	सागर
(ब) बोरी	-	होशंगाबाद
(स) बगदरा	-	मण्डला
(द) सरदारपुर	-	धार

उत्तर -(स) बगदरा - मण्डला

(41) म.प्र. को कुल कितने कृषि जलवायु क्षेत्रों में बांटा गया है?
(अ) 10 (ब) 11
(स) 13 (द) 15
उत्तर -(अ) 11

(42) 'दलहन अनुसंधान' केंद्र कहां स्थित है?
(अ) इंदौर
(ब) पवारखेड़ा (होशंगाबाद)
(स) उज्जैन
(द) अमलाहा (सीहोर)
उत्तर -(द) अमलाहा (सीहोर)

- आशीष कुमार श्रीवास
(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी विषयों पर लेखन करते हैं)

हॉस्पिटल एंड हेल्थ केयर मैनेजमेंट में कॅरियर की संभावनाएं

'रोज़गार और निर्माण' के पाठकों के लिये 'कॅरियर की राहें' नाम से उपयोगी स्तंभ लगातार प्रकाशित किया जा रहा है। अच्छे कॅरियर के लिये जरूरी है कि युवा कॅरियर की विभिन्न विधाओं से परिचित हों और अपनी रुचि, योग्यता और क्षमताओं के अनुरूप अपने लिये उपयुक्त कॅरियर का निर्धारण करें। पिछले 40 वर्षों से नई पीढ़ी के लिये कॅरियर संबंधी विषयों पर नियमित लेखन कर रहे, डॉ. जयंतीलाल भंडारी युवाओं को कॅरियर के विभिन्न अवसरों से परिचित कराते हुये आगे बढ़ने का मार्गदर्शन दे रहे हैं।

जिस तरह वर्ष 2022-23 के केंद्रीय बजट में हेल्थ सेक्टर के लिए बड़े आवंटन सुनिश्चित किए गए हैं और कोविड-19 के दौर में हेल्थ सेक्टर और हॉस्पिटल निर्माण के लिए अभूतपूर्व प्रोत्साहन दिए गए हैं, उससे हॉस्पिटल एंड हेल्थ केयर मैनेजमेंट सेक्टर में कॅरियर के मौके छलांगें लगाकर बढ़ते हुए दिखाई दे रहे हैं। इस सेक्टर को हेल्थ एडमिनिस्ट्रेशन, हेल्थ केयर एडमिनिस्ट्रेशन या हेल्थ केयर मैनेजमेंट के नाम से भी जाना जाता है। हमारे देश में जहां कोविड-19 ने हेल्थ केयर सर्विसेज की मांग विस्तारित की है, वहीं विगत दस वर्षों से हेल्थ से जुड़े निजी संगठनों और बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में प्रवेश करने से हॉस्पिटल मैनेजमेंट सेक्टर की तस्वीर में बड़ा बदलाव आया है। इस बदलाव ने देश में स्वास्थ्य सेवाओं एवं अस्पतालों की व्यवस्था के लिए हॉस्पिटल मैनेजमेंट में प्रशिक्षित प्रोफेशनल्स की मांग को बहुत बढ़ाया है।

बढ़ रहे हैं हॉस्पिटल एंड हेल्थ केयर मैनेजमेंट में कॅरियर

हमारे देश में हॉस्पिटल उद्योग जितनी तेजी से छलांगें लगाकर बढ़ रहा है, उतनी ही तेजी से इस क्षेत्र में कॅरियर के मौके बढ़ रहे हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक देश के स्वास्थ्य सेवा बाजार का 80 फीसदी हिस्सा भारतीय अस्पताल उद्योग से संबंधित है। वर्ष 2016-2017 में, भारतीय अस्पताल उद्योग का आकार 61.79 अरब डॉलर था, वह तेजी से बढ़ते हुए 2023 तक करीब 132 अरब डॉलर की ऊंचाई पर पहुंच सकता है। चूंकि कोविड-19 के बाद अस्पतालों के बेड की संख्या बढ़ाना सरकार की प्राथमिकता में है, इससे भी हॉस्पिटल मैनेजमेंट सेक्टर तेजी से बढ़ेगा। वर्ल्ड हेल्थ

ऑर्गनाइजेशन (डब्ल्यूएचओ) की रिपोर्ट के मुताबिक आबादी के लिहाज से भारत में करीब 1700 लोगों पर एक बेड है, जबकि चीन में प्रत्येक 1 हजार पर 4.2 बेड हैं। फ्रांस में 6.5, इटली में 3.4 और अमेरिका में 2.8 बेड हैं। भारत सरकार की आयुष्मान भारत स्कीम से भी भारत के अस्पतालों में बेड्स की पूर्ति कई गुना बढ़ते हुए दिखाई देगी। इन विभिन्न कारणों से हॉस्पिटल मैनेजमेंट कोर्स करने वाले युवाओं की मांग बढ़ेगी।

हॉस्पिटल एंड हेल्थ केयर मैनेजमेंट के तहत कार्यों के विविध आयाम

सामान्यतः हॉस्पिटल प्रबंधक हॉस्पिटल के प्रशासकीय कार्यों का समग्र प्रभारी होता है। वह स्वास्थ्य प्रशासन तथा हॉस्पिटल प्रशासन के साथ-साथ रोगियों तथा हेल्थ केयर के विभिन्न पहलुओं का प्रभार अपने पास रखता है। उसका दायित्व विभिन्न पक्षों यथा नियोजन तथा नियंत्रण मेडिकल स्टॉफ का प्रबंधन, डेमोग्राफी और बायोस्टेटिस्टिक्स, हेल्थ केयर में प्रबंधन एवं अनुसंधान, इपिडेमियोलॉजी और सामुदायिक स्वास्थ्य तथा स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट से जुड़ा होता है। हॉस्पिटल प्रबंधक के कार्यों में गैर चिकित्सकीय स्टाफ की भर्ती और प्रबंधन, चिकित्सकीय लेखा तथा वित्त मार्केटिंग,

दूरसंचार तथा सुरक्षा के अलावा अन्य सेवाओं का प्रबंधन भी शामिल है। उसे सभी विभागों के स्टाफ तथा मैनेजमेंट, डॉक्टरों तथा मेडिकल विशेषज्ञों, पैरामेडिकल स्टाफ, हेल्थ वर्कर के साथ अच्छा तालमेल बिठाने तथा संप्रेषण के साथ मरीजों की सुविधाओं को भी सुनिश्चित करना होता है।

हॉस्पिटल एंड हेल्थ केयर मैनेजमेंट में कॅरियर की स्किल्स

जिन युवाओं को हेल्थ केयर सर्विसेज में अभिरुचि हो उनके लिए हॉस्पिटल मैनेजमेंट एक अच्छा कॅरियर विकल्प है। हॉस्पिटल मैनेजमेंट के क्षेत्र में कॅरियर बनाने के लिए कई तरह के गुण तथा आवश्यक योग्यताएं जरूरी हैं। इस क्षेत्र में कॅरियर बनाने वालों में निर्णय लेने की दक्षता तथा प्रबंधकीय सिद्धांतों तथा तकनीकों का ज्ञान होना आवश्यक है। इस कार्य के लिए चिकित्सीय कौशल नहीं बल्कि प्रबंधकीय कौशल की आवश्यकता होती है। इसलिए न केवल डॉक्टर तथा पैरामेडिकल स्टाफ, बल्कि साइंस बायोलॉजी स्टूडेंट्स भी इससे जुड़ा पाठ्यक्रम अपनाकर इस क्षेत्र में अपना उज्ज्वल कॅरियर बना सकते हैं।

हॉस्पिटल एंड हेल्थ केयर मैनेजमेंट के कोर्स

इस कॅरियर में प्रवेश करने के लिए बैचलर ऑफ हॉस्पिटल मैनेजमेंट की डिग्री महत्वपूर्ण है, जिसकी समयावधि तीन वर्ष

होती है। इस डिग्री के लिए प्रवेश पाने के लिए 12वीं में साइंस स्ट्रीम से बायोलॉजी के साथ कम से कम 50 प्रतिशत अंक अनिवार्य हैं। इसके बाद दो वर्ष की अवधि का एमबीए इन हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन कोर्स किया जा सकता है।

हॉस्पिटल एंड हेल्थ केयर मैनेजमेंट में रोज़गार के विविध मौके

हॉस्पिटल मैनेजमेंट का कोर्स करने के बाद सरकारी तथा निजी, सभी तरह के अस्पतालों में काम के मौके होते हैं। नेशनल और इंटरनेशनल हेल्थ केयर इंस्टीट्यूट, नर्सिंग होम आदि में भी मौके होते हैं। बहुराष्ट्रीय हेल्थ केयर कंपनियों में भी अच्छे रोज़गार के मौके होते हैं। इस क्षेत्र में आकर्षक सैलरी के साथ-साथ लोगों की सेवा करने का मौका भी मिलता है। कोविड-19 के कारण इस सेक्टर में वेतन में तेजी से बढ़ोतरी हुई है।

देश भर में हॉस्पिटल मैनेजमेंट के कोर्स विभिन्न विश्वविद्यालयों और प्रायवेट सेक्टर के संस्थानों द्वारा संचालित किए जाते हैं। जो स्टूडेंट्स इस फील्ड में कॅरियर बनाना चाहते हैं, वे अपनी उपयुक्तता के अनुरूप किसी गुणवत्तापूर्ण संस्थान में प्रवेश लेकर हॉस्पिटल मैनेजमेंट सेक्टर में अच्छे कॅरियर की राह पर आगे बढ़ सकते हैं।

- डॉ. जयंतीलाल भंडारी

(लेखक कॅरियर मार्गदर्शन के लिये लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में प्रतिष्ठित हैं।)

अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस - 21 फरवरी

अपनी मातृभाषा सीखें, प्रयोग करें और इस धरोहर को बचाए रखें

पूर्व राष्ट्रपति स्व. डॉ. अब्दुल कलाम ने स्वयं के अपने अनुभव के आधार पर एक बार कहा था कि वे अच्छे वैज्ञानिक इसलिए बन पाए, क्योंकि उन्होंने गणित और विज्ञान की शिक्षा अपनी मातृभाषा में प्राप्त की थी।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का यह मानना था कि स्वराज का अर्थ ये नहीं है कि किसी पर कोई भाषा थोपी जाए। हिन्दी के प्रति आग्रह के बावजूद वे कहते थे कि सबसे पहले मातृभाषा को ही महत्व दिया जाना चाहिए। असली अभिव्यक्ति तो मातृभाषा में ही हो सकती है।

विभिन्न अध्ययनों ने भी इस तथ्य को स्थापित किया है कि कोई भी व्यक्ति सबसे ज्यादा खुश तभी होता है, जब वह अपनी मातृभाषा में बात करता है इसीलिए कहा जाता है कि बच्चों को उनकी मातृभाषा में ही शिक्षा दी जानी चाहिए ताकि वे बिना किसी तनाव के सीख सकें।

संस्कृति को आगे बढ़ाता है मातृभाषा से जुड़ाव

मातृभाषा यानि वह भाषा जो कोई भी मनुष्य जन्म लेने के बाद बोलना शुरू करता है, यह भाषा वह अपने परिवार से सीखता है। भाषा दो लोगों के बीच संप्रेषण का एक माध्यम होती है इसी के जरिए वे अपने विचारों का आदान-प्रदान करते हैं और अपनी मन की बात साझा करते हैं। सभी संस्कार एवं व्यवहार इसी के द्वारा हम पाते हैं। इसी भाषा से हम अपनी संस्कृति के साथ जुड़कर उसकी धरोहर को आगे बढ़ाते हैं।

इस बात को वैश्विक स्तर पर भी महसूस किया गया और दुनियाभर में बोली जाने वाली मातृभाषाओं के अस्तित्व को बचाए रखने के उद्देश्य से वर्ष 2000 में संयुक्त राष्ट्र के संगठन यूनेस्को ने पहली बार 21 फरवरी को अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस (International Mother Language Day) घोषित कर दिया। इससे पहले यूनेस्को ने सन् 1952 में बांग्लादेश में हुए आंदोलन में अपनी मातृभाषा बांग्ला के लिए जान देने वाले युवाओं की स्मृति में 1999 में मातृभाषा दिवस को मनाने की घोषणा की थी।

इस दिवस को मनाने का उद्देश्य है कि विश्व में भाषाई एवं सांस्कृतिक विविधता और बहुभाषिता को बढ़ावा मिले। इस संदर्भ में भारत का उत्तरदायित्व और भी अधिक है, क्योंकि यहां तो सबसे ज्यादा भाषाई विविधता है।

बहुभाषी शिक्षा के दौर में मातृभाषा को बचाने की चुनौती

वर्ष 2022 के अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस का विषय (थीम), 'बहुभाषी शिक्षा के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग : चुनौतियां और अवसर' (Using technology for multilingual learning: Challenges and opportunities) है। तकनीक के इस युग में जहां कुछ बड़े देशों की आधिकारिक भाषाओं का महत्व बढ़ा है वहीं अपनी मातृभाषा को बचाए रखने की चुनौती भी सबके सामने है। ऐसे में यूनेस्को दुनियाभर में यह संदेश देने का प्रयास कर रहा है कि मातृभाषा ही व्यक्ति के संस्कारों और भावनाओं की संवाहक है। मातृभाषा ही शिशु, माता, समाज, राष्ट्र और विश्व को आपस में जोड़ती है। ऐसे में हमें बहुभाषी शिक्षा के दौर में अपनी मातृभाषा को उपेक्षित नहीं करना है, क्योंकि यह हमारी सांस्कृतिक विविधता का एक महत्वपूर्ण घटक है।

अपने भौगोलिक, सांस्कृतिक इतिहास को बयां करती हैं भाषाएं

आज के समय में दुनिया भर में करीब 6500 से अधिक भाषाएं बोली जाती हैं। इनमें 90 फीसदी भाषाओं को बोलने वालों की संख्या 1 लाख से कम है इसके बावजूद वो अपना अस्तित्व बचाए रखे हुए हैं। भाषाओं को लेकर कहा जाता है कि वे किसी बंधन, सीमा, धर्म या जाति की गुलाम नहीं होतीं। भाषा उसकी होती है, जो उसे बोलता है। विभिन्न भाषाएं अपने भौगोलिक, सांस्कृतिक इतिहास को बयां करती हैं। किसी भी स्थान के असली महत्व को समझने के लिए वहां की मातृभाषा से बेहतर माध्यम कुछ नहीं हो सकता। यह दिन हमें इस बात के लिए प्रेरित करता है कि हम अपनी मातृभाषा से प्रेम करें और दूसरी भाषाओं को भी उतना ही सम्मान दें।

मातृभाषा में शिक्षा देने से संरक्षित होगी भाषाई धरोहर

आज का जमाना तकनीक का है और इसको समाहित करके ही कोई भी भाषा वैश्विक स्तर पर स्वीकार्यता प्राप्त कर सकती है और इस दौड़ में फिलहाल अंग्रेजी भाषा का वर्चस्व बढ़ता जा रहा है। अंतर्राष्ट्रीय मानचित्र पर अंग्रेजी के प्रभाव के बीच भारत सहित हर देश के लोग अपनी मातृभाषाएं संरक्षित रखने के लिए प्रयासरत हैं। इस मुश्किल को बहुभाषी बनकर दूर किया जा सकता है। साथ ही शिक्षा में मातृभाषा को शामिल करके बच्चों की सीखने की क्षमताओं को भी बेहतर बनाया जा सकता है। हमारे देश की नई शिक्षा नीति में भी इस बात को महसूस करते हुए प्राथमिक या माध्यमिक कक्षाओं में शिक्षा का माध्यम मातृभाषा रखने का प्रस्ताव किया गया है।

भाषाई विविधता बनी रहे इसके लिए सभी को मिलकर प्रयास करने होंगे। आज अधिकांश बच्चे अपनी मातृभाषा में गिनती करना भूल चुके हैं। हमें उन्हें प्रोत्साहित करना होगा कि वे अपनी मातृभाषा सीखें, प्रयोग करें और इस धरोहर को संभाल के रखें।

कोई भी व्यक्ति जितनी अधिक भाषाएं जानेगा, सीखेगा वह उसके लिए उतना ही अधिक उपयोगी होगा। आप जिस किसी भी प्रांत, राज्य से हैं कम से कम आपको वहां की बोली तो अवश्य आनी चाहिए। वैज्ञानिकों का भी यह मानना है कि दो से अधिक भाषा जानने वाले लोगों को कई मानसिक बीमारियां होने का खतरा अन्य लोगों की तुलना में कम होता है।

हमारे देश की सांस्कृतिक एकता का प्रतीक है भाषाई विविधता

हमारी संविधान सभा ने लंबी बहस के बाद हिंदी को राजभाषा के रूप में स्वीकार किया तथा साथ ही अन्य भारतीय भाषाओं को भी आठवीं अनुसूची में संवैधानिक दर्जा दिया। 1961 की जनगणना के मुताबिक, भारत में 1652 भाषाएं बोली जाती हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में फिलहाल 1365 मातृभाषाएं हैं, जिनका क्षेत्रीय आधार अलग-अलग है। छोटे भाषा समूह जब एक स्थान से दूसरे स्थान पर बसते हैं तो वे एक से अधिक भाषा बोलने-समझने में सक्षम हो जाते हैं।

हर भारतीय भाषा का गौरवशाली इतिहास है, समृद्ध साहित्य है। हम सौभाग्यशाली हैं कि हमारे देश में भाषाई विविधता है। हमारी भाषाई विविधता हमारी शक्ति है क्योंकि हमारी भाषाएं हमारी सांस्कृतिक एकता को अभिव्यक्त करती हैं।

(शेष अगले पृष्ठ पर)

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए

केन्द्रीय बजट 2022-23 पर आधारित महत्वपूर्ण प्रश्न

1. अगले 25 वर्ष भारत @100 के अमृत काल में प्रवेश करते हुये बजट में कितनी प्राथमिकताओं के विकास पर जोर दिया गया है?
(अ) चार (ब) पांच
(स) छः (द) सात
उत्तर - (अ) चार
व्याख्या- यह हैं 1, पीएम गतिशक्ति 2, समेकित विकास 3, उत्पाद संवर्धन, सनराइज अवसर, ऊर्जा संक्रमण और जलवायु कार्य 4, निवेश को वित्तीय मदद।

2. पीएम गतिशक्ति को बढ़ावा देने वाले कितने कारक हैं?
(अ) चार (ब) पांच
(स) छः (द) सात
उत्तर - (द) सात
व्याख्या- यह सात कारक हैं- सड़क, रेल मार्ग, हवाई मार्ग, विमान पत्तन, माल परिवहन, जल मार्ग और लॉजिस्टिक अवसंरचना।

3. वर्ष 2022-23 में कितने स्थानों पर मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक पार्क बनाने के लिये पीपीपी प्रारूप में कार्य होगा?
(अ) चार (ब) पांच
(स) छः (द) सात
उत्तर - (अ) चार

4. आगामी तीन वर्ष में कितनी उत्कृष्ट वंदे भारत रेल गाड़ियों का निर्माण प्रस्तावित है?
(अ) 200 (ब) 250
(स) 300 (द) 400
उत्तर - (द) 400

5. आगामी तीन वर्षों में मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक के लिये कितने पीएम गतिशक्ति कार्गो टार्मिनल विकसित होंगे?
(अ) 100 (ब) 200
(स) 300 (द) 400
उत्तर - (अ) 100

6. 2022-23 में कितनी रोपवे परियोजनायें प्रारम्भ करने का प्रस्ताव है?
(अ) 4 (ब) 6
(स) 8 (द) 10
उत्तर - (स) 8
व्याख्या- 60 किलोमीटर लंबी 8 रोपवे परियोजनायें पीपीपी मॉडल पर प्रारम्भ होंगी।

7. किसान ड्रोन का उपयोग किया जायेगा?
(अ) फसलों के आंकलन के लिये।
(ब) भूमि रिकॉर्ड के डिजिटलीकरण के लिये।
(स) कीटनाशकों एवं पोषक तत्वों के छिड़काव के लिये।
(द) उपरोक्त सभी के लिये।
उत्तर - (द) उपरोक्त सभी के लिये।

8. बजट 2022-23 के अनुसार आपूर्तिकर्ताओं और कार्य ठेकेदारों के लिये अप्रत्यक्ष लागत को कम करने हेतु बैंक गारंटी के एक विकल्प के रूप में प्रतिभू बांडों को सरकारी क्रय में स्वीकार्य बनाया जायेगा। इन प्रतिभू बांडो को जारी करने की रूपरेखा कौन बनायेगा?
(अ) सेबी
(ब) आई.आर.डी.ए.आई.
(स) भारतीय रिज़र्व बैंक
(द) नाबार्ड
उत्तर - (ब) आई.आर.डी.ए.आई.

9. वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम के अन्तर्गत किस क्षेत्र के ग्रामों का विकास करना प्रास्तावित है?
(अ) उत्तरी सीमावर्ती गांव
(ब) पूर्वी सीमावर्ती गांव
(स) पश्चिमी सीमावर्ती गांव
(द) उपरोक्त सभी
उत्तर -(अ) उत्तरी सीमावर्ती गांव
व्याख्या- ऐसे ग्राम जिनकी जनसंख्या बहुत कम है, इनकी कनेक्टीविटी और बुनियादी सुविधायें सीमित हैं, का विकास किया जायेगा।

10. आकांक्षी जिला कार्यक्रम कितने जिलों में सक्रिय हैं?
(अ) 95 (ब) 112
(स) 120 (द) 130
उत्तर -(ब) 112

11. आगामी वित्तीय वर्ष में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत कितने लाख मकान बनाये जायेंगे?
(अ) 50 (ब) 80
(स) 100 (द) 90
उत्तर -(ब) 80

12. हर घर नल से जल के अन्तर्गत कितने परिवार इस वर्ष लाभान्वित होंगे?
(अ) 3.8 करोड़ (ब) 2.8 करोड़
(स) 3.5 करोड़ (द) 3 करोड़
उत्तर -(अ) 3.8 करोड़

13. अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों द्वारा कितने जिलों में डिजिटल बैंकिंग इकाइयों का गठन किया जायेगा?
(अ) 50 (ब) 60
(स) 75 (द) 95
उत्तर -(स) 75
व्याख्या- 75 जिलों में 75 डिजिटल बैंकिंग इकाइयों का गठन होगा।

14. वित्तीय समावेशन को बढ़ाने के लिये कितने लाख डाकघरों को 2022 में शत प्रतिशत कोर बैंकिंग प्रणाली में लाया जायेगा?
(अ) 1.50 (ब) 1.00
(स) 2.50 (द) अनिश्चित
उत्तर -(अ) 1.50

15. ई-पासपोर्ट कब से जारी किया जाना प्रस्तावित है?
(अ) 2024-25 (ब) 2022-23
(स) 2023-24 (द) 2025-26
उत्तर -(ब) 2022-23

16. वर्ष 2022-23 में सकल घरेलू उत्पाद का कितने प्रतिशत राजकोषीय घाटा अनुमानित किया गया है?
(अ) 5.4 प्रतिशत (ब) 5.8 प्रतिशत
(स) 6.4 प्रतिशत (द) 6.8 प्रतिशत
उत्तर -(स) 6.4 प्रतिशत

17. वर्ष 2022-23 में पूंजी परिण्यय सकल घरेलू उत्पाद का कितने प्रतिशत रहने का अनुमान है?
(अ) 2.9 प्रतिशत (ब) 3.2 प्रतिशत
(स) 3.5 प्रतिशत (द) 4.5 प्रतिशत
उत्तर -(अ) 2.9 प्रतिशत

18. चालू वित्तीय वर्ष (2021-22) में संशोधित राजकोषीय घाटा जीडीपी का कितने प्रतिशत अनुमानित है?
(अ) 5.4 (ब) 5.8
(स) 6.9 (द) 6.4
उत्तर -(स) 6.9
व्याख्या- बजट अनुमान में यह 6.8 प्रतिशत रखा गया था।

19. पी.एम. ई-विधा के वन क्लास - वन टीवी चैनल कार्यक्रम को 12 टीवी चैनलों में बढ़ाकर कितने टीवी चैनलों तक पहुंचाया जायेगा?
(अ) 100 (ब) 200
(स) 300 (द) 400
उत्तर -(ब) 200

20. वर्ष 2022-23 में विज्ञान और गणित की शिक्षा के लिये स्किलिंग ई - लैब्स की स्थापना की जायेगी, इनकी संख्या होगी?
(अ) 50 (ब) 75
(स) 100 (द) 150
उत्तर -(ब) 75

21. वर्ष 2022-23 में 15वें वित्त आयोग की सिफारिशों के अनुसार राज्य घरेलू उत्पाद का अधिकतम कितने प्रतिशत राजकोषीय घाटा रह सकता है?
(अ) 2 (ब) 3
(स) 4 (द) 5
उत्तर -(स) 4

22. अर्थव्यवस्था की कार्बन तीव्रता को कम करने के लिये कौनसे बॉन्ड जारी करने का प्रस्ताव बजट में है?
(अ) सावेरन हरित बॉन्ड
(ब) सावेरन गोल्ड बॉन्ड
(स) उपरोक्त दोनों
(द) उपरोक्त में से कोई नहीं
उत्तर -(अ) सावेरन हरित बॉन्ड

23. केन-बेतवा लिंक परियोजना कितने लाख हेक्टेयर कृषि भूमि के लिये प्रस्तावित है?
(अ) 7.1 (ब) 8.1
(स) 9.8 (द) 10.1
उत्तर -(स) 9.8
व्याख्या- यह परियोजना 62 लाख लोगों के लिये पेयजल की आपूर्ति करने के अलावा 103 मेगावॉट हाइड्रो और 27 मेगावॉट सौर ऊर्जा भी उत्पादित करेगी।

24. इस वर्ष के बजट में कितने लाख आंगनबाड़ियों को सक्षम आंगनबाड़ी के रूप में समुन्नत करने का प्रस्ताव है ?
(अ) 2 (ब) 3
(स) 4 (द) 5
उत्तर -(अ) 2
व्याख्या- सक्षम आंगनबाड़ियां नई पीढ़ी की आंगनबाड़ियां हैं, जो बेहतर बुनियादी सुविधाओं और श्रव्य-दृश्य सहायता सामग्री, स्वच्छ ऊर्जा से सम्पन्न है तथा बच्चों के प्रारम्भिक विकास के लिये बेहतर वातावरण उपलब्ध करवाती हैं।

25. बजट में राष्ट्रीय टेली मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के प्रारम्भ करने की घोषणा की गई है। इसमें कितने टेली मानसिक स्वास्थ्य उत्कृष्टता केन्द्रों का नेटवर्क सम्मिलित है ?
(अ) 21 (ब) 22
(स) 23 (द) 24
उत्तर -(स) 23
व्याख्या- इसमें निमहंस नोडल केन्द्र के रूप में कार्य करेगा तथा अंतर्राष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरु तकनीकी सहायता प्रदान करेगा।

26. बजट में घोषित पीएम-DeuINE योजना किस क्षेत्र के विकास से संबंधित है?
(अ) उत्तर पूर्व क्षेत्र
(ब) उत्तर पश्चिम क्षेत्र
(स) मध्य क्षेत्र
(द) उपरोक्त सभी
उत्तर -(अ) उत्तर पूर्व क्षेत्र
व्याख्या- यह योजना पूर्वोत्तर परिषद् के माध्यम से कार्यान्वित होगी। आरंभिक तौर पर इसमें 1500 करोड़ रुपये आवंटित किये गये हैं।

27. किस वर्ष को अंतराष्ट्रीय कदन्न वर्ष घोषित किया गया है?
(अ) 2022
(ब) 2023
(स) 2024
(द) उपरोक्त में से कोई नहीं
उत्तर -(ब) 2023
व्याख्या- इसके अंतर्गत सरकार मोटे अनाजों की कटाई उपरांत मूल्यवर्धन के साथ-साथ घरेलू खपत बढ़ायेगी। देश-विदेश में बाजरा उत्पादों की ब्रांडिग की जायेगी।

28. सेन्टर फॉर प्रोसेसिंग एक्सिलरेटिड कॉर्पोरेट एक्जिट (सी.पी.एस.सी.) स्थापित किया गया है?
(अ) कंपनियों को तेजी से बंद करने के लिये।
(ब) कंपनियों को तेजी से खोलने के लिये।
(स) उपरोक्त दोनों के लिये
(द) उपरोक्त में से कोई नहीं
उत्तर -(अ) कंपनियों को तेजी से बंद करने के लिये।

29. नवीनतम् बजट के संशोधन के अनुसार अद्यतन आयकर विवरणी संबंधित आकलन वर्ष के अंत से कितने वर्षों के भीतर जमा की जा सकती है?
(अ) एक वर्ष (ब) दो वर्ष
(स) तीन वर्ष (द) चार वर्ष
उत्तर -(ब) दो वर्ष

-डॉ. माया राठी
(लेखिका, शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या महाविद्यालय भोपाल में अर्थशास्त्र की प्राध्यापिका हैं)

(पिछले पृष्ठ का शेष

आधुनिक हिंदी के पितामह कहे जाने वाले देश के महान साहित्यकार भारतेन्दु हरिश्चन्द्र ने अपनी इस रचना के जरिए मातृभाषा के महत्व को बहुत ही खूबसूरती से अभिव्यक्त किया है, जिसे हम सभी को भी आत्मसात करना चाहिए-

निज भाषा उन्नति अहै,
सब उन्नति को मूल।
बिन निज भाषा-ज्ञान के,
मिटत न हिय को सूल।।
अंग्रेज़ी पढ़ि के जदपि,
सब गुन होत प्रवीन।
पै निज भाषा-ज्ञान बिन,
रहत हीन के हीन।।
उन्नति पूरी है तबहिं जब घर उन्नति होय।
निज शरीर उन्नति किये,
रहत मूढ़ सब कोय।।
निज भाषा उन्नति बिना,
कबहुं न ह्यैहैं सोय।
लाख उपाय अनेक यों
भले करो किन कोय।।

भाषाओं को लेकर कुछ तथ्य

1. वर्ल्ड लैंग्वेज डेटाबेस के 22वें संस्करण इथोनोलॉज के मुताबिक दुनिया भर की 20 सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषाओं में 6 भारतीय भाषाएं हैं, जिनमें हिंदी तीसरे स्थान पर है।
2. 1,132 मिलियन से अधिक लोगों द्वारा बोली जाने वाली अंग्रेजी इस सूची में सबसे ऊपर है, जबकि चीनी भाषा मैंडरिन 1,117 मिलियन बोले जाने वालों के साथ दूसरे स्थान पर है।
3. विश्व में 61.5 करोड़ (615 मिलियन) लोग हिंदी भाषा का इस्तेमाल करते हैं। इसके बाद बंगाली दुनियाभर में सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषाओं में 7वें स्थान पर है। करीब 26.5 करोड़ लोग बंगाली भाषा का प्रयोग करते हैं।
4. 17 करोड़ लोगों के साथ 11वें नंबर पर उर्दू का स्थान है। 9.5 करोड़ लोगों के साथ 15वें स्थान पर मराठी, 9.3 करोड़ के साथ 16वें नंबर पर तेलगू और 8.1 करोड़ लोगों के साथ 19वें स्थान पर तमिल भाषा आती है।
5. इथोनोलॉज में दुनिया में बोली जाने वाली करीब 7,111 भाषाओं को शामिल किया गया है। इसके अलावा एथनोलॉज उन प्राचीन भाषाओं का डेटा भी तैयार करता है, जो वर्तमान में नहीं बोली जाती। इस संस्करण में ऐसी करीब 348 भाषाओं को सूचीबद्ध किया गया है।

- रीता मोदी
(लेखिका, समसामयिक विषय पर लेखन कार्य करती हैं)

मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी ने बड़ा मलहरा में ऊर्जीकृत किया अतिरिक्त ट्रांसफार्मर

छतरपुर, मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी ने छतरपुर जिले के बड़ा मलहरा में 132 के.वी. सब-स्टेशन में 50 एमवीए क्षमता का एक अतिरिक्त पावर ट्रांसफार्मर स्थापित कर जिले की पारेषण क्षमता में उल्लेखनीय बढ़ोत्तरी की है। इस नये 50 एमवीए क्षमता के पावर ट्रांसफार्मर ऊर्जीकृत होने से जहां 132 के.वी. सब-स्टेशन बड़ा मलहरा की स्थापित ट्रांसफार्मेशन क्षमता बढ़कर 90 एमवीए की हो गई है, वहीं क्षमता वृद्धि से क्षेत्र के उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण सतत् विद्युत उचित वोल्टेज स्तर पर प्राप्त हो सकेगी।

मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी के परीक्षण एवं संचार वृत्त सागर के अति. मुख्य अभियंता इंजी. भीकम सिंह ने बताया कि छतरपुर जिले में मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी 220 के.वी. के एक सब-स्टेशन तथा 132 के.वी. के छः सब-स्टेशनों से विद्युत पारेषण करती है। छतरपुर जिले में पहला अति उच्चदाब का सब-स्टेशन 10 मार्च 1973 में बिजावर में स्थापित हुआ था। इस 132 के.वी. के सब-स्टेशन की क्षमता उस समय 12.5 एमवीए थी।

छतरपुर के 220 के.वी. सब-स्टेशन की क्षमता 320 एमवीए (220 के.वी. साइड) तथा 103 एमवीए (132 के.वी. साइड) है। इसके अलावा 132 केवी सब-स्टेशन नौगांव की क्षमता 70 एमवीए, 132 के.वी. सब-स्टेशन खजुराहो की क्षमता 103 एमवीए, 132 के.वी. सब-स्टेशन लवकुशनगर की 90 एमवीए, 132 के.वी. सब-स्टेशन बड़ा मलहरा 90 तथा 132 के.वी. सब-स्टेशन बिजावर की क्षमता 90 एमवीए है। इस तरह छतरपुर जिले में मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी की कुल स्थापित ट्रांसफार्मेशन क्षमता बढ़कर 866 एमवीए की हो गई है। बड़ा मलहरा 132 के.वी. सब-स्टेशन से 33 के.वी. के 4 फीडरों से बड़ा मलहरा क्षेत्र के दरगवां, भगवां, बड़ा मलहरा एवं गुलकंज क्षेत्र के 141 गांवों के 4 एचटी कनेक्शन सहित 33 हजार 600 से अधिक उपभोक्ताओं को विद्युत आपूर्ति की जाती है। अतिरिक्त नया ट्रांसफार्मर सागर परीक्षण एवं संचार वृत्त के अंतर्गत टीकमगढ़ परीक्षण संभाग द्वारा स्थापित किया गया है।

राज्य सेवा परीक्षा

कड़ी मेहनत और स्मार्ट एप्रोच से मिलेगी प्रारंभिक परीक्षा में कामयाबी

यदि आप वास्तव में करीब से देखें तो ज्यादातर रातों-रात मिली सफलता में एक लंबा समय लगा होता है। स्टीव जॉब्स का यह कथन जिंदगी में मिली किसी भी कामयाबी को बयां करने के लिए काफी है। यदि हम किसी प्रतियोगी परीक्षा की बात करें तो उसमें कामयाबी हासिल करने वाले प्रतिभागी अपनी जिंदगी में कई तरह के त्याग करके, कड़ी मेहनत करने के बाद ही सफलता को हासिल करते हैं। ऐसी ही एक परीक्षा है मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित की जाने वाली राज्य सेवा परीक्षा। इंजीनियरिंग, मैनेजमेंट, मेडिकल समेत किसी अन्य सेक्टर में बेहतर नौकरी की संभावनाओं के बाद भी लाखों युवा इस परीक्षा में अपना भाग्य आजमाते हैं। प्रारंभिक परीक्षा, मुख्य परीक्षा एवं साक्षात्कार समेत तीन चरणों में होने वाली इस परीक्षा में राज्य सेवा परीक्षा 2021 की प्रारंभिक परीक्षा 24 अप्रैल को आयोजित होगी। परीक्षा में सफलता के लिए क्या रणनीति होनी चाहिए।

परीक्षा से जुड़ी कुछ महत्वपूर्ण बातें

स्टूडेंट्स को लग रहा है कि इस वर्ष की राज्य सेवा परीक्षा में कुछ बदलाव किए गए हैं, जबकि इसमें कोई खास बदलाव नहीं हुआ है। इस वर्ष सिलेबस में पीएससी प्रीलिम्स में एक लाइन में टॉपिक दिया जाता था, अब विस्तार से दिया गया है। इसके अलावा सिलेबस में से सिर्फ एक्ट हटा दिए गए हैं।

परीक्षा की तैयारी कर रहे कुछ प्रतिभागियों को लग रहा है कि कॉलेज के सेमेस्टर एग्जाम में जिस तरह हर यूनिट से बराबर प्रश्न आते थे, उसी तरह पीएससी की परीक्षा में भी हर यूनिट से बराबर प्रश्न आएंगे। जबकि ऐसा कभी नहीं होता है कि हर यूनिट से बराबर सवाल आएं, किसी भी सेक्शन से कम या ज्यादा पूछा जा सकता है।

एमपीपीएससी परीक्षा की तैयारी करने वाले युवा इस बात को जान लें कि इस परीक्षा की तैयारी यूपीएससी परीक्षा के एप्रोच से करना गलत होगा, क्योंकि इसकी एप्रोच बिल्कुल अलग है। इसलिए इसे एक-सा समझने की गलती न करें, पीएससी की परीक्षा तथ्य आधारित है।

बाजार में आज किताबों के नाम पर एक बहुत बढ़ा ढेर रखा हुआ है, इसलिए बहुत सारी किताबों को पढ़कर कन्फ्यूज होने की बजाय एक किताब पढ़ लें। जितनी ज्यादा किताबें पढ़ेंगे उतने ज्यादा कन्फ्यूज होंगे। एनसीईआरटी बेसिक बुक्स हैं, इसलिए उन्हें एमपी पीएससी की तैयारी के लिए पढ़ना अभी सही नहीं है, इसके बजाय आप कॉन्सेप्ट बेस्ड किताबों को पढ़िए। सिलेबस से संबंधित मध्यप्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी द्वारा प्रकाशित किताबों को पढ़िए।

कोचिंग के नोट्स नहीं किताबों पर हो फोकस

पिछले कई वर्षों से सिविल सर्विसेस की तैयारी करवाने वाले कहते हैं कि सक्सेस का कोई शॉर्टकट नहीं होता है, लेकिन आजकल कई प्रतिभागी सोचते हैं कि कोचिंग के नोट्स, पढ़कर ही पास हो जाएंगे जबकि यह संभव नहीं है, क्योंकि नोट्स में जो कुछ जानकारी है वह सभी के पास एक सी है। इसलिए नोट्स की बजाय सिलेबस को किताबों से पढ़िए। इसके साथ ही आजकल युवा किताबों के बजाय यूट्यूब से स्टडी मटेरियल को पूरा करने में जुटे हुए हैं। पीएससी की परीक्षा की तैयारी यूट्यूब पर निर्भर होकर न करें, उनमें कोई विश्वसनीयता नहीं है। ये लैक्चर कभी भी किताब की जगह नहीं ले सकते हैं। इसलिए इन पर निर्भर होकर तैयारी न करें।

सिर्फ करेंट अफेयर्स नहीं है काफी सलेक्शन के लिए

पिछले साल प्रीलिम्स और मेन्स परीक्षा में करेंट अफेयर्स के कुछ सवाल अधिक पूछने से इस बार प्रतिभागी करेंट अफेयर्स पर ज्यादा फोकस कर रहे हैं, जबकि करेंट अफेयर्स 10 फीसदी से ज्यादा नहीं पूछा जाता है। हर दिन हजारों फैक्ट अपडेट होते हैं, इसलिए सिर्फ करेंट अफेयर्स नहीं पूछा जाएगा। करेंट अफेयर्स के सिर्फ 8-10 टॉपिक ही इस परीक्षा में पूछे जाते हैं।

आजकल सोशल मीडिया के डिफरेंट प्लेटफॉर्म टेलीग्राम, फेसबुक, वॉट्सएप ग्रुप, कोचिंग क्लासेस के मोबाइल एप पर प्रतिदिन

हजारों टेस्ट सीरीज अपडेट होती हैं। टेस्ट सीरीज सॉल्व करने से सलेक्शन नहीं होता है, तैयारी को परखने के लिए टेस्ट दिए जाते हैं। परीक्षा में जो सवाल पूछे जाते हैं, उनका रिवीजन कीजिए। वैसे भी एमपी पीएससी की परीक्षा में कोई ट्रिक नहीं होती है, सीधे सवाल पूछे जाते हैं। मॉक टेस्ट की आवश्यकता नहीं है, इसलिए टेस्ट सीरीज में अगर कोई नया फैक्ट है तो उसे नोट कर लीजिए। बाकी टेस्ट सीरीज में समय खराब न करें।

सी-सैट क्वालीफाई करने के लिए जरूरी

भले ही सी-सैट एग्जाम सिर्फ क्वालीफाई करने के लिए है, उसके नंबर नहीं जुड़ते हैं। लेकिन इसे क्वालीफाई करने लायक तैयारी करना आवश्यक है, हजारों स्टूडेंट्स ऐसे हैं जिनका यह पेपर क्वालीफाई न होने के कारण सामान्य अध्ययन का पेपर चैक नहीं होता है। मैथ्स, रीजनिंग सेक्शन से तीस सवाल पूछे जाते हैं, इसलिए इस पेपर की तैयारी भी अच्छे से कीजिए।

दो सेक्शन में विभाजित है सिलेबस

सामान्य अध्ययन दो सेक्शन में बंटा हुआ है। कोर विषय में यूनिट 1 मध्यप्रदेश सामान्य ज्ञान, जो सिर्फ मध्यप्रदेश राज्य सेवा परीक्षा में पूछा जाता है। यह लगभग 30 फीसदी है। इसलिए सिर्फ इसे पढ़कर ही चयन हो जाएगा यह संभव नहीं है। यूनिट 2 में संवैधानिक संस्थाएं और यूनिट 3 में टेक्नोलॉजी, ई कॉमर्स और हैकिंग टूल्स से जुड़े सवाल पूछे जाते हैं। इस तरह लगभग 50 फीसदी पेपर कहीं और नहीं पूछा जाता है।

इसके अतिरिक्त कुछ सेक्शन ऐसे हैं जैसे हिस्ट्री, जियोग्राफी, पॉलीटिकल साइंस, इकोनॉमी, करेंट अफेयर्स, साइंस ऐसे विषय हैं जो हर स्टूडेंट्स ने पढ़े होते हैं। हालांकि यूपीएससी में यह कॉन्सेप्ट आधारित होता है जबकि पीएससी में तथ्य पूछते हैं।

राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय स्तर के करेंट अफेयर्स के लिये नियमित स्थानीय समाचार-पत्र को पढ़िए। अगर यह संभव नहीं है तो रोज़गार और निर्माण समाचार पत्र का अध्ययन कर सकते हैं या किसी अन्य का अध्ययन करना चाहिए।

मध्यप्रदेश से संबंधित करेंट अफेयर्स के अध्ययन के लिए मध्यप्रदेश जनसंपर्क की वेबसाइट www.mpinfo.org पर जाकर प्रतिदिन के प्रमुख समाचार को पढ़ना और महत्वपूर्ण बातों को नोट करना पर्याप्त है। मध्यप्रदेश जनसंपर्क के फेसबुक पेज www.facebook.com/jansampark.madhyapradesh/पर जाकर भी अपडेट जानकारी ले सकते हैं। जनसंपर्क विभाग द्वारा प्रकाशित मध्यप्रदेश संदेश पत्रिका के पीडीएफ भी पिछले 1 वर्ष के पढ़ सकते हैं।

मध्यप्रदेश से जुड़ी खेलकूद संबंधी गतिविधियों के बारे में जानकारी के लिए मध्यप्रदेश शासन के खेल एवं युवक कल्याण विभाग की वेबसाइट dsywmp.gov.in पर जाकर खेलकूद से जुड़ी प्रमुख उपलब्धियां, पुरस्कार, खिलाड़ियों के बारे में पढ़ लीजिए।

इन बातों का रखिए ध्यान

मध्यप्रदेश की राज्य सेवा परीक्षा में आंकड़ों पर फोकस किया जाता है मगर यह भी ध्यान रखें कि वही आंकड़े पूछे जाते हैं, जो सरकारी प्रकाशनों में मौजूद हैं, इन्हें पढ़ना चाहिए।

मध्यप्रदेश का सामान्य ज्ञान

इसमें मध्यप्रदेश शासन की नई योजनाएं, प्रशासनिक निर्णय, पहल, मध्यप्रदेश शासन के शासकीय आयोजन, मध्यप्रदेश सरकार के पुरस्कार और उपलब्धियां, ओलिंपिक में मध्यप्रदेश की उपलब्धियां समेत दो-तीन साल की हर प्रमुख एक्टिविटी पूछी जा सकती है। इसमें मध्यप्रदेश से संबंधित लगभग तीन साल का करेंट अफेयर्स पूछ सकते हैं, मार्च से जून तक की घटनाओं पर ज्यादा ध्यान दीजिए।

मध्यप्रदेश सामान्य ज्ञान की किताबों में सभी किताबों में एक से ही फैक्ट होते हैं, इसलिए किसी एक प्रकाशक की किताब पूरा कवर नहीं कर सकती है। इसलिए अपनी अच्छी तैयारी के लिए हर टॉपिक को संबंधित विभाग की वेबसाइट पर जाकर पढ़ना भी बेहतर होगा। टूरिज्म है तो किताब के अलावा एमपी टूरिज्म की वेबसाइट पर क्लिक करके पढ़ना भी फायदेमंद है। कुछ वेबसाइट अपडेट न हों तो गूगल पर जाकर भी टॉपिक सर्च कर सकते हैं। मध्यप्रदेश के राजवंश की जानकारी गूगल से पढ़ सकते हैं।

बदलाव के हिसाब से पढ़िए

सिलेबस के हिसाब से यूनिट 10 में से सिर्फ एक्ट को हटाया गया है, इसलिए अब एक्ट याद नहीं करने हैं। इसके अतिरिक्त सभी संवैधानिक संस्थाएं, आयोग और संविधान ज्यादातर चीजें पहले से सिलेबस का हिस्सा हैं। संविधान की प्रमुख संस्थाओं से संबंधित बुनियादी सवाल पूछे जाएंगे। इसके बारे में आप भारतीय संविधान की पुस्तक से पढ़ सकते हैं।

नई टेक्नोलॉजी से अपडेट रहिए

ई-गवर्नेंस, सोशल मीडिया, ई-कॉमर्स, नैनो-टेक्नोलॉजी से जुड़े सवाल इसलिए शामिल किए गए हैं ताकि आप वर्तमान समय से अपडेट रहें।

सी-सैट के अध्ययन के लिए रीडिंग कॉम्प्रेंसिव की तैयारी अच्छे से कीजिए, ज्यादातर स्टूडेंट्स इसे गलत कर देते हैं। 10-15 पेपर की प्रैक्टिस कर लीजिए। मैथ्स-रीजनिंग में कमजोर हैं तो बेसिक बुक से पढ़िए।

इस परीक्षा में आपकी निर्णय क्षमता, आपकी अपडेट जानकारी का परीक्षण किया जाता है। इसलिए याद रखिए कि आपको खुद को एक सक्षम प्रशासनिक अधिकारी के रूप में तैयार करना होगा। मंजिल कोई भी हो जुनून और लक्ष्य बनाकर किए प्रयास से सफलता मिलना सुनिश्चित है।

- सर्जना चतुर्वेदी

(लेखिका, समसामयिक विषय पर लेखन कार्य करती हैं)

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिये महत्वपूर्ण प्रश्न

सामान्य ज्ञान - खेल

1. नोवाक जोकोविच ने वर्ष 2021 में कौन-सा ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट नहीं जीता है?
(अ) यूएस ओपन
(ब) फ्रैंच ओपन
(स) ऑस्ट्रेलियन ओपन
(द) विम्बलडन

2. इनमें से किस गेंदबाज ने टेस्ट क्रिकेट में एक पारी में 10 विकेट नहीं लिए हैं?
(अ) अनिल कुंबले
(ब) मुथैया मुरलीधरन
(स) जिम लेकर
(द) एजाज पटेल

3. किस खिलाड़ी ने वर्ष 2021 में बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल्स में महिला वर्ग का खिताब जीता है?
(अ) पीवी सिंधु
(ब) अकाने यामागुची
(स) आन से यंग
(द) इनमें से कोई नहीं

4. वेस्टइंडीज के लिए सबसे ज्यादा टेस्ट मैच खेलने वाले खिलाड़ी हैं?
(अ) विवियन रिचर्ड्स
(ब) ब्रायन लारा
(स) क्लाइव लॉयड
(द) शिवनारायण चंद्रपॉल

5. इनमें से कौन-सा क्लब इंग्लिश प्रीमियर लीग का हिस्सा नहीं है?
(अ) चेल्सी (ब) ऑस्टन विला
(स) वेलेंसिया (द) लिवरपूल

6. अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में मैच की पहली तीन गेंदों में हैट्रिक लेने वाले एकमात्र गेंदबाज हैं?
(अ) लसिथ मलिंगा
(ब) मोहम्मद शमी
(स) ब्रेट ली
(द) चामिंडा वास

7. वर्ष 2019 में वर्ल्ड बॉक्सिंग चैम्पियनशिप किस देश में आयोजित की गई थी?
(अ) रूस (ब) सर्बिया
(स) यूक्रेन (द) बुल्गारिया

8. इंग्लैंड ने किस वर्ष फीफा विश्वकप का खिताब जीता था?
(अ) वर्ष 1958 (ब) वर्ष 1966
(स) वर्ष 1978 (द) वर्ष 1986

9. नीदरलैंड ने कितनी बार एफआईएच हॉकी वर्ल्डकप का खिताब जीता है?
(अ) एक बार (ब) दो बार
(स) तीन बार (द) पांच बार

10. महिला वर्ल्ड स्नूकर चैम्पियनशिप-2019 में चैम्पियन बनी थीं?
(अ) रीनी इवांस (ब) वर्षा संजीव
(स) जेसिका वुड (द) रिबेका केना

11. वर्ष 2021 में किस खिलाड़ी ने लंदन मैराथन रेस जीती थी?
(अ) शूरा किताता
(ब) सिसेय लेमा
(स) विंसेंट किपचुंबा
(द) इनमें से कोई नहीं

12. पहली बार शीतकालीन ओलिंपिक खेल किस वर्ष आयोजित हुए थे?
(अ) वर्ष 1904
(ब) वर्ष 1914
(स) वर्ष 1924
(द) इनमें से कोई नहीं

13. वर्ष 2019 में किस टीम ने विजय हजारे ट्राफी पर कब्जा जमाया था?
(अ) हिमाचल प्रदेश
(ब) मुंबई
(स) तमिलनाडु
(द) कर्नाटक

14. वर्ष 2020 में वियना ओपन में पुरुष एकल वर्ग में चैम्पियन बने थे?
(अ) एलेक्जेंडर ज्वेरेव
(ब) विल्फ्रेड सोंगा
(स) आंद्रे रूबलेव
(द) केविन एंडरसन

15. विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट में कितने दोहरे शतक बनाये हैं?
(अ) पांच (ब) सात
(स) आठ (द) दस

16. इंग्लैंड इनमें से किस वर्ष रग्बी वर्ल्डकप का विजेता बना है?
(अ) वर्ष 2003 (ब) वर्ष 2007
(स) वर्ष 2015 (द) वर्ष 2019

17. इनमें से किस शहर में विम्बलडन ग्रैंड स्लैम का आयोजन किया जाता है?
(अ) लिस्बन (ब) मेलबर्न
(स) पेरिस (द) लंदन

18. इनमें से कौन-सा खिलाड़ी निशानेबाजी से संबंधित नहीं है?
(अ) अभिनव बिंद्रा
(ब) जीतू राय
(स) सौरव घोषाल
(द) सौरभ चौधरी

19. भारत ने कितने बार आईसीसी अंडर-19 वर्ल्डकप पर कब्जा जमाया है?
(अ) तीन बार
(ब) पांच बार
(स) छह बार
(द) इनमें से कोई नहीं

20. टोक्यो ओलिंपिक में किस देश ने टेबल टेनिस में सबसे ज्यादा स्वर्ण पदक जीते हैं?
(अ) चीन (ब) जापान
(स) हांग कांग (द) द. कोरिया

21. भारत में आयोजित होने वाली प्रतियोगिता बेटन कप किस खेल से संबंधित है?
(अ) फुटबॉल (ब) हॉकी
(स) क्रिकेट (द) बैडमिंटन

22. रियो ओलिंपिक-2016 में किस महिला पहलवान ने कांस्य पदक जीता था?
(अ) साक्षी मलिक
(ब) विनेश फोगाट
(स) सीमा बिस्ला
(द) अंशु मलिक

23. सुब्रत पॉल किस खेल में भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं?
(अ) हॉकी (ब) टेनिस
(स) फुटबॉल (द) निशानेबाजी

24. किस देश के नाम सबसे ज्यादा वन-डे मैच खेलने का रिकॉर्ड है?
(अ) ऑस्ट्रेलिया (ब) भारत
(स) पाकिस्तान (द) इंग्लैंड

25. वर्ष 2004 में किस देश ने यूरो कप का खिताब जीता था?
(अ) ग्रीस (ब) पुर्तगाल
(स) जर्मनी (द) डेनमार्क

उत्तर

1. (अ), 2. (ब), 3. (स), 4. (द), 5. (स), 6. (द), 7. (अ), 8. (ब), 9. (स), 10. (अ), 11. (ब), 12. (स), 13. (द), 14. (स), 15. (ब), 16. (अ), 17. (द), 18. (स), 19. (ब), 20. (अ), 21. (ब), 22. (अ), 23. (स), 24. (ब), 25. (अ)।

- पुष्पेंद्र कुमार सविता

(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी वाले विषयों पर लेखन करते हैं।)

राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा हेतु महत्वपूर्ण प्रश्न

भारतीय संविधान और राजव्यवस्था

(1) निम्नलिखित पर विचार कीजिये -
1. प्रांतीय स्वायत्तता
2. प्रांतों में द्वैध शासन
3. संघीय व्यवस्था

उपरोक्त में से कौन-से भारत शासन अधिनियम, 1935 के संदर्भ में सही हैं?
A. केवल 1 और 2
B. केवल 2 और 3
C. केवल 1 और 3
D. उपरोक्त सभी

उत्तर - C सही है।

व्याख्या - कथन 2 असत्य है, क्योंकि भारत शासन अधिनियम, 1935 के द्वारा अधिनियम, 1919 में लागू की गई प्रांतों में द्वैध शासन व्यवस्था समाप्त करके केंद्र में द्वैध शासन की स्थापना की गई। केंद्रीय विषयों को आरक्षित एवं हस्तांतरित भागों में विभाजित किया गया। भूमिकर, वित्त, न्याय, पुलिस, पेंशन, कारखाने आदि सेवाएं आरक्षित विषय में थीं।

(2) निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही नहीं है?
1. भारत शासन अधिनियम, 1935 के प्रावधानों के अनुरूप बर्मा को भारत से अलग कर दिया गया।
2. भारत शासन अधिनियम, 1935 में भारत के लिये एक लिखित संविधान का प्रावधान किया गया था।

कूट: A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों।
D. न तो 1, और न ही 2।

उत्तर - विकल्प B सही है।

व्याख्या - भारत शासन अधिनियम,1935 में भारत के लिये एक लिखित संविधान का उल्लेख नहीं किया गया था। भारत में संविधान का सर्वप्रथम उल्लेख क्रिप्स मिशन में किया गया था। अतः कथन (2) असत्य है।

(3) भारत शासन अधिनियम 1935 को किसने दासता का एक नया अधिकार पत्र कहा था?
A. महात्मा गांधी
B. जवाहरलाल नेहरू
C. सरदार वल्लभ भाई पटेल
D. राजेंद्र प्रसाद

उत्तर - विकल्प B सही है।

व्याख्या - जवाहरलाल नेहरू ने भारत शासन अधिनियम 1935 को दासता का एक नया अधिकार पत्र कहा था।

(4) भारत शासन अधिनियम 1919 के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :-
1. इसके तहत केंद्र में द्वैध शासन प्रणाली प्रारंभ हुई।
2. इसके तहत लोक सेवा आयोग का गठन किया गया
3. इस समय इंग्लैंड के प्रधानमंत्री लायड जॉर्ज थे।

उपर्युक्त में से कौन सा कथन सत्य है?
A. केवल 1 और 2
B. केवल 2 और 3
C. केवल 1 और 3
D. उपरोक्त सभी

उत्तर - विकल्प B सही है।

व्याख्या - कथन 1 असत्य है, क्योंकि क्योंकि 1919 अधिनियम के तहत प्रांतों में द्वैध शासन प्रणाली की शुरुआत की गई थी,न कि केंद्र में।

(5) 1935 के अधिनियम द्वारा स्थापित संघ की अवशिष्ट शक्तियां किसको दी गईं?
A. संघीय विधान पालिका को
B. प्रांतीय विधानमंडल को
C. गवर्नर जनरल को
D. प्रांतीय गवर्नर को

उत्तर - विकल्प C सही है।

व्याख्या - 1935 के अधिनियम द्वारा स्थापित संघ की अवशिष्ट शक्तियां गवर्नर जनरल को सौंपी गयीं।

(6) इनमें से कौन सा कथन मोंटग्यू-चेम्सफोर्ड सुधार 1919 के सन्दर्भ में सही नहीं है?
1. पहली बार महिलाओं को (सीमित मात्रा में) मत देने का अधिकार।
2. इस अधिनियम में एक अखिल भारतीय संघ की व्यवस्था भी की गयी थी।

कूट: A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों।
D. न तो 1 और न ही 2।

उत्तर- विकल्प B सही है।

व्याख्या - भारत सरकार अधिनियम, 1935 के द्वारा केंद्र में एक अखिल भारतीय संघ की व्यवस्था की गयी। इसलिए कथन (2) सही नहीं है।

(7) निम्नलिखित में से कौन संविधान प्रारूप समिति के सदस्य नहीं थे?
1. जे.बी. कृपलानी
2. एन. माधव राव
3. टी.टी. कृष्णामचारी
4. सरदार वल्लभ भाई पटेल

कूट: A. केवल 1 और 2
B. केवल 2 और 3
C. केवल 1 और 4
E. केवल 1, 2 और 3।

उत्तर- विकल्प C सही है।

व्याख्या -
- सरदार पटेल एवं जे.बी. कृपलानी संविधान प्रारूप समिति के सदस्य नहीं थे।
- संविधान प्रारूप समिति का गठन 29 अगस्त, 1947 में किया गया था, जिसमें अध्यक्ष सहित 7 सदस्य थे, जो निम्नलिखित हैं -

1. डॉ. बी.आर. अंबेडकर-अध्यक्ष
2. एन. गोपालास्वामी आयंगर
3. अल्लादी कृष्णस्वामी अय्यर
4. डॉ. के.एम. मुंशी
5. सैय्यद मोहम्मद सादुल्ला
6. एन. माधव राव (बी.एल. मित्तर के बाद)
7. टी.टी. कृष्णामाचारी (डी.पी. खेतान की मृत्यु के पश्चात्।)

(8) संविधान सभा की प्रांतीय संविधान समिति का अध्यक्ष कौन था?
A. डॉ. बी.आर. अंबेडकर
B. पंडित जवाहरलाल नेहरू
C. डॉ. राजेंद्र प्रसाद
D. सरदार वल्लभ भाई पटेल

उत्तर - विकल्प D सही है।

व्याख्या - प्रांतीय संविधान समिति का अध्यक्ष - सरदार वल्लभ भाई पटेल थे जबकि संघ समिति के अध्यक्ष जवाहरलाल नेहरू थे।

(9) निम्न में से कौन सा राज्य के उच्च न्यायालय का मुख्य क्षेत्र अधिकार नहीं है?
A. परामर्श संबंधी क्षेत्र अधिकार
B. प्रारंभिक क्षेत्राधिकार
C. निरीक्षण का क्षेत्राधिकार
D. अपीलीय क्षेत्राधिकार

उत्तर - विकल्प A सही हैं।

व्याख्या - भारतीय संविधान के अनुसार परामर्श संबंधी क्षेत्र अधिकार अनुच्छेद 143 के तहत केवल सर्वोच्च न्यायालय को है।

(10) संविधान सभा के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए?
1. संविधान सभा के प्रथम अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र प्रसाद थे।
2. संविधान बनाने हेतु संविधान सभा के कुल 15 अधिवेशन हुए थे।

उपर्युक्त में से कौन सा कथन सत्य नहीं है?
A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों।
D. न तो 1 और न ही 2।

उत्तर- (C)

व्याख्या - उपर्युक्त दोनों कथन असत्य हैं।
- संविधान सभा के प्रथम अध्यक्ष डॉ. सच्चिदानंद सिन्हा थे।
- संविधान बनाने हेतु संविधान सभा के कुल 12 अधिवेशन हुए थे।

(11) भारत की संविधान सभा ने राष्ट्रीय ध्वज को सर्वप्रथम अपने किस अधिवेशन में स्वीकार किया?
A. तीसरे अधिवेशन में
B. चौथे अधिवेशन में
C. पांचवे अधिवेशन में
D. सातवें अधिवेशन में

उत्तर - विकल्प B सही हैं।

व्याख्या - भारत की संविधान सभा ने अपने चौथे अधिवेशन (14 जुलाई, 1947 से 31 जुलाई, 1947 तक) में 22 जुलाई, 1947 को भारत का राष्ट्रीय ध्वज स्वीकार किया।

(12) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:-
1. पंजाब का राज्यपाल अपने दायित्वों के साथ-साथ चंडीगढ़ का प्रशासक भी होता है।
2. केरल का राज्यपाल अपने दायित्वों के साथ-साथ लक्षदीप का प्रशासक भी होता है।

उपरोक्त में से कौन सा सही है?
A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न तो 1 और न ही 2

उत्तर -(A)

व्याख्या - पंजाब का राज्यपाल अपने दायित्वों के साथ-साथ चंडीगढ़ का प्रशासक भी होता है जबकि केरल का राज्यपाल अपने दायित्व के साथ साथ लक्षदीप का प्रशासक नहीं होता है। लक्षदीप केरल उच्च न्यायालय के अधिकार क्षेत्र में आता है। अतः कथन (1) सही है एवं कथन (2) गलत है।

(13) निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा असत्य है?
A. संविधान सभा ने अनेक समितियों के माध्यम से कार्य किया था।
B. संविधान सभा के प्रथम अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र प्रसाद बने थे।
C. उद्देश्य प्रस्ताव पं. जवाहरलाल नेहरू के द्वारा प्रस्तुत किया गया था।
D. संविधान सभा में सभी समुदायों को पर्याप्त प्रतिनिधित्व प्रदान किया गया था।

उत्तर- (B)

व्याख्या -
- कथन (b) गलत है, क्योंकि संविधान सभा की प्रथम बैठक 9 दिसंबर, 1946 में हुई थी, जिसमें डॉ. सच्चिदानंद सिन्हा को अस्थायी अध्यक्ष बनाया गया था।
- 11 दिसंबर, 1946 को डॉ. राजेंद्र प्रसाद को संविधान सभा का स्थायी अध्यक्ष बनाया गया।
- संविधान सभा में आठ बड़ी समितियां तथा अन्य छोटी समितियां थीं। संविधान सभा इन सभी समितियों के माध्यम से अपना कार्य करती थी।
- संविधान सभा में 'उद्देश्य प्रस्ताव' 13 दिसंबर, 1946 में पं. जवाहरलाल नेहरू के द्वारा प्रस्तुत किया गया था, जिसे संविधान सभा ने 22 जनवरी, 1947 में पारित किया था।

(14) संविधान सभा के विषय में निम्नलिखित में से कौन-से कथन सत्य हैं?
1. इसकी रचना कैबिनेट मिशन के प्रस्ताव पर आधारित थी।
2. इसके सदस्यों का चुनाव सीमित मताधिकार के आधार पर किया गया था।
3. इसके सदस्यों का निर्वाचन सार्वभौम वयस्क मताधिकार के आधार पर प्रत्यक्ष किया गया था।
4. यह एक बहुदलीय निकाय थी।

कूट: A. केवल 1 और 2
B. केवल 1 और 3
C. केवल 1, 2 और 4
D. केवल 1, 3 और 4

उत्तर - (C)

व्याख्या -
- कथन 3 गलत है, क्योंकि संविधान सभा के सदस्यों का निर्वाचन जनता द्वारा प्रत्यक्ष रूप से नहीं किया गया था, बल्कि 1935 में स्थापित प्रांतीय विधानसभाओं के सदस्यों द्वारा अप्रत्यक्ष विधि से किया गया था।
- संविधान सभा की रचना वैसी थी, जैसा कि कैबिनेट मिशन, 1946 में प्रस्तावित था। इसकी सीटें जनसंख्या के अनुपात में निर्धारित की गई थीं। (10 लाख की जनसंख्या पर एक सीट)
- इसके चुनाव में सीमित मताधिकार का प्रयोग किया गया था, जैसे- कर, संपत्ति एवं शैक्षणिक योग्यता के आधार पर सीमित किया गया था।
- इसमें कांग्रेस एवं मुस्लिम लीग के अलावा अन्य छोटे-छोटे दल एवं समूह शामिल थे, जैसे- कृषक प्रजा पार्टी, कम्यूनिस्ट पार्टी, यूनियनिस्ट पार्टी आदि। अतः संविधान सभा एक बहुदलीय निकाय था।

(15) निम्नलिखित में से किस एक अधिकार को डॉक्टर बी.आर. अंबेडकर द्वारा संविधान की आत्मा कहा गया है?
A. धर्म की स्वतंत्रता का अधिकार
B. संपत्ति का अधिकार
C. समानता का अधिकार
D. संवैधानिक उपचार का अधिकार

उत्तर - विकल्प D सही है।

व्याख्या - डॉक्टर बी.आर. अंबेडकर ने अनुच्छेद 32 अर्थात संवैधानिक उपचारों के अधिकार को संविधान की आत्मा कहा है।

(16) भारतीय संविधान की प्रस्तावना के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :
1. इसके प्रावधान न्यायालयों द्वारा प्रवर्तनीय हैं।
2. यह विधायिका की शक्ति का स्रोत है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न तो 1 न ही 2

उत्तर - **(D)**

व्याख्या-
- उच्चतम न्यायालय के वर्तमान मत के अनुसार प्रस्तावना संविधान का अभिन्न अंग है।
- हालांकि, इस सन्दर्भ में दो बातों का ध्यान रखा जाना चाहिए।
- प्रस्तावना न तो विधायिका की शक्ति का स्रोत है और न ही कानून की शक्तियों पर प्रतिबंध।
- इसके प्रावधान न्यायालयों द्वारा प्रवर्तनीय नहीं हैं।

(17) राज्यसभा कैसे भंग होती है?
A. सभापति का कार्यकाल पूरा होने पर।
B. राष्ट्रपति 5 वर्ष बाद भंग करते हैं।
C. लोकसभा के साथ स्वतः भंग हो जाती हैं।
D. उपर्युक्त में से कोई नहीं।

उत्तर - विकल्प D सही हैं।

व्याख्या - राज्यसभा स्थाई सदन है। इसका विघटन नहीं होता है। इसके सदस्यों का कार्यकाल 6 वर्ष होता है तथा एक तिहाई सदस्य प्रत्येक 2 वर्ष में निर्वाचित होते हैं साथ ही उपराष्ट्रपति राज्यसभा का पदेन सभापति होता है। तथा महान्यायवादी को संसद के दोनों सदनों में बोलने का अधिकार होता है।

(18) भारतीय संविधान की प्रस्तावना के सन्दर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है?
1. यह पंडित नेहरू के उद्देश्य प्रस्ताव पर आधारित है।
2. यह संविधान का अंग नहीं है।
3. इसका संशोधन केवल एक बार किया गया है।

कूट: A. केवल 1 और 2
B. केवल 1 और 3
C. केवल 2 और 3
D. केवल 1, 2 और 3

उत्तर - **(B)**

व्याख्या -
- कथन-2 गलत है, क्योंकि प्रस्तावना को भारतीय संविधान का अंग माना गया है। उच्चतम न्यायालय ने बेरुबारी संघ मामले (1960) में अपने द्वारा दिये गए निर्णय को अस्वीकार कर केशवानन्द भारती बनाम केरल राज्य, 1973 में व्यवस्था दी कि प्रस्तावना संविधान का अंग है।
- पं. नेहरू द्वारा 13 दिसम्बर, 1946 को संविधान सभा में एक उद्देश्य प्रस्ताव रखा, जिसे संविधान के द्वारा 22 जनवरी, 1947 को स्वीकार कर लिया गया, जो संविधान की उद्देशिका बनी।
- 42वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1976 के द्वारा 'समाजवादी' 'पंथनिरपेक्ष' एवं 'अखण्डता' शब्द को जोड़ा गया।

(19) भारत के संविधान के अनुच्छेद 371(ख) में निम्न राज्य में से किस के लिए विशेष उपबंध का प्रावधान किया गया है?
A. महाराष्ट्र और गुजरात
B. असम
C. नागालैंड
D. मणिपुर

उत्तर - विकल्प B सही हैं।

व्याख्या - भारतीय संविधान के भाग 21 के तहत अस्थाई, संक्रमण कालीन और विशेष उपबंध के अंतर्गत अनुच्छेद 371(ख) असम राज्य के जनजातीय क्षेत्रों के लिए विशेष उपबंध किए गए हैं।

(20) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये -
1. संसद किसी राज्य की सीमा, क्षेत्र या नाम में परिवर्तन उसके सहमति के बिना नहीं कर सकती है।
2. संसद राज्यों की सीमा, क्षेत्र या नाम में परिवर्तन विशेष विधायी प्रक्रिया द्वारा ही कर सकती है।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर का चयन करें।
A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न तो 1 और न ही 2

उत्तर - (D)

व्याख्या -
- संविधान के अनुच्छेद-3 में यह प्रावधान किया गया है कि संसद नए राज्यों के प्रवेश या गठन अथवा नए राज्यों के निर्माण या किसी राज्य की सीमा, क्षेत्र या नाम में परिवर्तन बिना किसी राज्य की सहमति से कर सकती है।
- संसद यह परिवर्तन साधारण विधायी प्रक्रिया/साधारण बहुमत द्वारा करती है। केवल संसद ही इस संबंध में विधेयक बना सकती है। अतः उपर्युक्त दोनों कथन गलत हैं।

(21) भारतीय संसदीय प्रणाली ब्रिटिश संसदीय प्रणाली से इस बात से भिन्न है की भारत में -
A. वास्तविक और नाममात्र दोनों प्रकार की कार्यपालिका है।
B. सामूहिक उत्तरदायित्व की प्रणाली है।
C. द्विसदनीय विधायिका है।
D. न्यायिक पुनरावलोकन की प्रणाली है।

उत्तर - (D) सही है।

व्याख्या -
- भारतीय संसदीय प्रणाली में न्यायिक पुनरावलोकन की प्रणाली है जबकि ब्रिटेन में यह प्रणाली नहीं लागू है।
- इसके अतिरिक्त वास्तविक एवं नाम मात्र की कार्यपालिका, सामूहिक उत्तरदायित्व तथा द्विसदनीय विधायिका भारत एवं ब्रिटेन दोनों की संसदीय प्रणाली में लागू है।

- श्री बसंत (के.एल.) जाटव
(लेखक - प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी विषयों पर लिखते हैं)

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण प्रश्न

सामान्य ज्ञान, तार्किक योग्यता और अंक गणित

1. डी.डी. देवलालीकर जी का संबंध कला की किस विधा से था?
(अ) गायन (ब) चित्रकला
(स) वादन (द) नृत्य
उत्तर- (ब) चित्रकला से

2. पन्ना राष्ट्रीय उद्यान को प्रोजेक्ट टाइगर में किस वर्ष सम्मिलित किया गया था?
(अ) 1992 (ब) 1990
(स) 1994 (द) 1981
उत्तर- (स) 1994 में

3. म.प्र. में कुड़प्पा क्रम की चट्टानें कहाँ नहीं पाई जाती हैं?
(अ) विजावर (ब) पन्ना
(स) छिंदवाड़ा (द) छतरपुर
उत्तर- (स) छिंदवाड़ा

4. कुँवर चैनसिंह म.प्र. के किस क्षेत्र से संबंधित थे?
(अ) बालाघाट (ब) ग्वालियर
(स) नरसिंहगढ़ (द) जबलपुर
उत्तर- (स) नरसिंहगढ़

5. मोहिनीअट्टम किस राज्य का लोक-नृत्य है?
(अ) आंध्रप्रदेश (ब) केरल
(स) कर्नाटक (द) तमिलनाडु
उत्तर- (ब) केरल

6. फीफा का मुख्यालय कहां पर है?
(अ) ज्यूरिख (ब) आस्ट्रिया
(स) स्कॉटलैंड (द) इंग्लैंड
उत्तर- (अ) ज्यूरिख

7. मानव शरीर का ऐसा कौन सा अंग है जिसकी कोशिकाओं में पुनर्निर्माण की क्षमता होती है?
(अ) अमाशय (ब) अग्नाशय
(स) लिवर (द) छोटी आंत
उत्तर- (स) लिवर

8. प्रकाशिक तंतु किस सिद्धांत पर कार्य करता है?
(अ) विसरण
(ब) पूर्ण आंतरिक परावर्तन
(स) प्रकीर्णन
(द) अपवर्तन
उत्तर- (ब) पूर्ण आंतरिक परावर्तन

9. पारा युक्त जल पीने से कौन-सा रोग होता है?
(अ) मिनीमाता
(ब) असबेस्टोसिस
(स) उदर रोग
(द) बैरी-बैरी
उत्तर- (अ) मिनीमाता

10. पौधों की वृद्धि को नियंत्रित करने वाला हार्मोन कौन सा है?
(अ) जिबरेलिन्स (ब) एथिलीन
(स) फ्लोरिजेन्स (द) ऑक्सिन्स
उत्तर- (द) ऑक्सिन्स

11. मानव शरीर में पित्त रस का स्त्रावण कहाँ से होता है?
(अ) पक्वाशय से
(ब) छोटी आँत से
(स) अमाशय से
(द) यकृत से
उत्तर- (द) यकृत से

12. मनुष्य में कितने जोड़ी मेरूरज्जु तंत्रिकाएं पाई जाती हैं?
(अ) 12 जोड़ी (ब) 31 जोड़ी
(स) 8 जोड़ी (द) 13 जोड़ी
उत्तर- (ब) 31 जोड़ी

13. सिलिकान वैली किस हेतु विख्यात है?
(अ) फूलों की खेती हेतु
(ब) गेहूं मंडी हेतु
(स) लौह उद्योग हेतु
(द) सॉफ्टवेयर व कंप्यूटर उद्योग हेतु
उत्तर- (द) सॉफ्टवेयर व कंप्यूटर उद्योग हेतु

14. गमोट संबंधित है?
(अ) समुद्री पर्वतों से
(ब) समुद्री गर्त से
(स) प्रवाल से
(द) समुद्री लवणता से
उत्तर- (अ) समुद्री पर्वतों से

15. 'जोग जलप्रपात' किस नदी पर अवस्थित है?
(अ) ब्रह्मपुत्र नदी (ब) झेलम नदी
(स) गंगा नदी (द) शरावती नदी
उत्तर- (द) शरावती नदी

16. यूनेस्को का मुख्यालय कहां पर है?
(अ) यू.एस.ए.
(ब) पेरिस
(स) ऑस्ट्रेलिया
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर- (ब) पेरिस (फ्रांस)

17. कांदरिया महादेव मंदिर का निर्माण निम्न में से कौन से शासकों द्वारा किया गया था?
(अ) गुर्जर शासक
(ब) प्रतिहार शासक
(स) चंदेल शासक
(द) शुंग शासक
उत्तर- (स) चंदेल शासकों द्वारा

18. रिकेट्स नामक बीमारी कौन से विटामिन की कमी से होती है?
(अ) विटामिन सी (ब) विटामिन डी
(स) विटामिन ए (द) विटामिन बी
उत्तर- (ब) विटामिन डी

19. पोलियो वैक्सीन के आविष्कारक कौन थे?
(अ) होल्कट
(ब) एडवर्ड जेनर
(स) जॉनस इ. साल्क
(द) यूरिन कालमेट
उत्तर- (स) जॉनस इ. साल्क

20. दल-बदल से संबंधित प्रावधानों का उल्लेख भारतीय संविधान की कौन सी अनुसूची में है?
(अ) सातवीं में (ब) पाँचवी में
(स) दसवीं में (द) दूसरी में
उत्तर- (स) दसवीं में

21. सुब्रतो मुखर्जी कप किस खेल हेतु प्रदान किया जाता है?
(अ) क्रिकेट (ब) बैडमिंटन
(स) टेबल टेनिस (द) फुटबॉल
उत्तर- (द) फुटबॉल

22. मुस्कान किरार का संबंध किस खेल से है?
(अ) घुड़सवारी (ब) तैराकी
(स) तीरंदाजी (द) तलवारबाजी
उत्तर- (स) तीरंदाजी

23. सर्वोच्च न्यायालय को रिट निकालने की शक्ति किस अनुच्छेद द्वारा प्रदान की गई है?
(अ) 31वें (ब) 32वें
(स) 28वें (द) 25वें
उत्तर- (ब) 32वें

24. सुपर मून चन्द्रमा की किस स्थिति को कहां जाता है?
(अ) चन्द्रमा पृथ्वी के जब सबसे निकट होता है।
(ब) चन्द्रमा पृथ्वी के जब सबसे दूर होता है।
(स) जब माह में दो पूर्णिमा हो।
(द) जब माह में दो अमावस्या हो।
उत्तर- (अ) चन्द्रमा पृथ्वी के जब सबसे निकट होता है।

25. जीरो माइल फ्रीडम पार्क मेट्रो स्टेशन का उद्घाटन महाराष्ट्र के कौन से शहर में किया गया?
(अ) पुणे (ब) मुंबई
(स) नागपुर (द) नासिक
उत्तर- (स) नागपुर

26. 2021 ग्लोबल मैन्युफेक्चरिंग रिस्क इंडेक्स के अनुसार, विश्व स्तर पर सबसे आकर्षक मैन्युफेक्चरिंग हब की सूची में भारत का स्थान कौन सा है?
(अ) तीसरा (ब) दूसरा
(स) चौथा (द) पांचवा
उत्तर- (ब) दूसरा

27. रक्तदाब मापने के यंत्र का नाम है?
(अ) टैकोमीटर
(ब) स्फाइगनोमैनोमीटर
(स) एक्टीमीटर
(द) बैरोमीटर
उत्तर- (ब) स्फाइगनोमैनोमीटर

28. निम्न में से कौन सा ऊतक पौधों को कठोर एवं मजबूत बनाता है?
(अ) पैरेन्काइमा ऊतक
(ब) ऐरेन्काइमा ऊतक
(स) स्क्लेरेन्काइमा ऊतक
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर- (स) स्क्लेरेन्काइमा ऊतक

29. भारत में निम्न में से कौन सा अधिनियम वन्यजीवों को संरक्षण प्रदान करता है?
(अ) वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972
(ब) वन संरक्षण अधिनियम, 1982
(स) वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1970
(द) पश्चिम बंगाल वन्य जीव संरक्षण अधिनियम, 1959
उत्तर- (अ) वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972

तार्किक योग्यता

दिए गए कथन के आधार पर निष्कर्ष का अध्ययन कीजिए और सही उत्तर का चयन कीजिए?

1. कथन :
$P < Q < R = U, U \geq T < S, T \geq W$
निष्कर्ष:
I. $U < S$ II. $P < U$
(अ) केवल निष्कर्ष I सत्य है
(ब) केवल निष्कर्ष II सत्य है
(स) निष्कर्ष I व II दोनों सत्य है
(द) इनमें से कोई नहीं।
उत्तर- (ब) केवल निष्कर्ष II सत्य है

2. कथन :
$C = K < X < L > P \leq R, Q \geq C, P = M$
निष्कर्ष:
I. $Q \leq L$ II. $L > R$
(अ) केवल निष्कर्ष I सत्य है
(ब) केवल निष्कर्ष II सत्य है
(स) निष्कर्ष I व II दोनों सत्य है
(द) निष्कर्ष I व II दोनों असत्य है
उत्तर- (द) निष्कर्ष I व II दोनों असत्य है

3. यदि किसी कोड में ROAD को 34 लिखा जाता है, तो STARS को क्या लिखा जाएगा?
(अ) 77 (ब) 72
(स) 73 (द) 59
उत्तर- (ब) 72
हल- ROAD = (18+15+1+4) - 4
= 38 - 4 (क्योंकि ROAD में 4 शब्द हैं)
= 34
STARS = (19+20+1+18+19) - 5
= 72

4. कथन :
स्थानीय नागरिकों के समूह ने नगर प्राधिकरण को एक ज्ञापन दिया कि इलाके में खाली पड़े प्लाट को उनके अपने खर्चे पर एक बगीचे में बदलने की अनुमति दी जाए।
पूर्णधारणाएं:
1. हो सकता है स्थानीय नागरिकों का समूह बगीचे को विकसित करने के लिए पर्याप्त निधि एकत्र कर ले।
2. हो सकता है नगर प्राधिकरण स्थानीय नागरिकों के समूह के अनुरोध न माने
(अ) पूर्वधारणा 1 अंतर्निहित है
(ब) पूर्वधारणा 2 अंतर्निहित है
(स) दोनों ही पूर्वधारणाएं गलत हैं
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर- (अ) पूर्वधारणा 1 अंतर्निहित है।

5. अगला पद ज्ञात कीजिए -
EIGHTY : GIEYTH :: OUTPUT?
(अ) DTUOTUP
(ब) TUOUTP
(स) UTOPTV
(द) TUOTUP
उत्तर- (द) TUOTUP

6. असमान को छांटिए -
(अ) AEFJ (ब) KOPT
(स) UYZD (द) EHIL
उत्तर- (द) EHIL
हल- A $\xrightarrow{+4}$ E $\xrightarrow{+1}$ F $\xrightarrow{+4}$ J
K $\xrightarrow{+4}$ O $\xrightarrow{+1}$ P $\xrightarrow{+4}$ T
U $\xrightarrow{+4}$ Y $\xrightarrow{+1}$ Z $\xrightarrow{+4}$ D
E $\xrightarrow{+3}$ H $\xrightarrow{+1}$ I $\xrightarrow{+3}$ L

7. यदि 8 फरवरी 2005 को मंगलवार था तो 8 फरवरी 2004 को सप्ताह का कौन सा दिन था।
(अ) मंगलवार (ब) सोमवार
(स) रविवार (द) बुधवार
उत्तर- (स) रविवार
हल- 2004 लीप वर्ष था (इसमें दो विषम दिन है)
8 अप्रैल 2005 में 8 अप्रैल 2004 के दिन से एक बाद का दिन होगा
8 फरवरी 2005 - मंगलवार
8 फरवरी 2004 - रविवार

8. राम की आयु श्याम की आयु की तिगुनी है तथा श्याम की आयु मोहन की आयु की चार गुनी है तो तीनों की आयु का अनुपात क्या होगा।
(अ) 15:3:1
(ब) 12:4:1
(स) 17:21:3
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर- (ब) 12:4:1
हल- राम : श्याम : मोहन
3 1 —— 1
4 —— 4 1
12 : 4 : 1

9. 4320, 720, ?, 36, 12, 6, 6
(अ) 134 (ब) 102
(स) 144 (द) 108
उत्तर- (स) 144
हल- 4320 720 ? 36 12 6 6
÷6 ÷5 ÷4 ÷3 ÷2 ÷1

10. a__cdd__bcd__abc__dab__
(अ) baddc (ब) abddc
(स) badcd (द) bdadc
उत्तर- (अ) baddc

11.
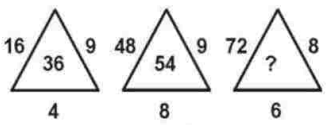

(अ) 96 (ब) 76
(स) 48 (द) 32
हल- $16 \times 9 \div 4 = 36$
$48 \times 9 \div 8 = 54$
$72 \times 8 \div 6 = 96$

12. यदि J; + को प्रदर्शित करे, K; -- को प्रदर्शित करे L; ÷ को प्रदर्शित करे तथा M, X को तब 8M36L 4K16J3=?
(अ) 115 (ब) 55
(स) 59 (द) 25
उत्तर- (स) 59
हल- 8M36L 4K16J3=?
$8 \times 36 \div 4 - 16 + 3$
$8 \times 9 - 16 + 3 = 59$

अंक गणित

1. यदि $\frac{a}{b} = \frac{6}{7}$ हो, तो $\frac{a+2b}{a-3b} = ?$
(अ) $\frac{3}{4}$ (ब) $\frac{-4}{3}$
(स) $\frac{7}{2}$ (द) $\frac{-3}{5}$
उत्तर- (ब) $\frac{-4}{3}$
हल- $\frac{a+2b}{a-3b} = \frac{\left(\frac{a}{b}\right)+2}{\left(\frac{a}{b}\right)-3}$
[अंश व हर में b से भाग देने पर]
$\frac{\frac{6}{7}+2}{\frac{6}{7}-3} = \frac{(6+14)}{6-21} = \frac{20}{-15} = \frac{-4}{3}$

2. $\left(2\frac{-1}{3}\right)\left(2\frac{-3}{5}\right)\left(2\frac{-5}{7}\right)..... \left(2-\frac{997}{999}\right) = ?$
(अ) $\frac{1001}{3}$ (ब) $\frac{5}{999}$
(स) $\frac{1001}{999}$
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर- (अ) $\frac{1001}{3}$
हल- $\frac{5}{3} \times \frac{7}{5} \times \frac{9}{7} \times ..... \frac{1001}{999} = \frac{1001}{3}$

3. $\left(\overline{0.63} + \overline{0.37}\right) = ?$
(अ) 1.01 (ब) $0.\overline{101}$
(स) $1.\overline{01}$ (द) $1.00\overline{1}$
उत्तर- (स) $1.\overline{01}$
हल- $\frac{63}{99} + \frac{37}{99} = \frac{100}{99} = 1.\overline{01}$

4. एक पार्टी में प्रत्येक व्यक्ति उपस्थित सभी व्यक्तियों से हाथ मिलाता है, यदि कुल 'हैण्ड शेक' 66 हुए हों, तो पार्टी में कितने व्यक्ति थे।
(अ) 11 (ब) 12
(स) 22
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर- (ब) 12
हल- माना पार्टी में n व्यक्ति थे तब -
$n_{c_2} = 66 \Rightarrow \frac{n(n-1)}{2} = 66$
$\Rightarrow n^2 - n - 132 = 0$
$\Rightarrow n^2 - 12n + 11n - 132 = 0$
$\Rightarrow n(n-12) + 11(n-12) = 0$
$\Rightarrow (n-12)(n+11) = 0$
$\Rightarrow n = 12 \ [\because n \neq -11]$

5. किसी वस्तु को 20% लाभ पर बेचने से उसे 20% हानि पर बेचने की तुलना में 60 रु. अधिक प्राप्त होते हैं, वस्तु का क्रय-मूल्य कितना है।
(अ) 200 रु. (ब) 150 रु.
(स) 140 रु. (द) 120 रु.
उत्तर- (ब) 150 रु.
हल- माना क्रय मूल्य x है तब
(x का 120%) - (x का 80%) = 60
$\left(x \times \frac{120}{100} - x \times \frac{80}{100}\right) = 60$
$\Rightarrow \frac{6x}{5} - \frac{4x}{5} = 60$
$\Rightarrow (6x - 4x) = 300 \Rightarrow x = 150$

6. किसी कार्य के $\frac{7}{10}$ भाग को A 15 दिन में पूरा करता है, उसके पश्चात वह B की सहायता से शेष कार्य को 4 दिन में पूरा करता है। पूरे कार्य को A व B मिलकर कितने दिन में पूरा करेंगे।
(अ) $10\frac{1}{3}$ दिन (ब) $12\frac{2}{3}$ दिन
(स) $13\frac{1}{3}$ दिन (द) $8\frac{1}{4}$ दिन
उत्तर- (स) $13\frac{1}{3}$ दिन
हल- शेष कार्य $\left(1-\frac{7}{10}\right) = \frac{3}{10} \Rightarrow$
[$\frac{3}{10}$ भाग को (A+B) करते हैं = 4 दिन में]
सारे कार्य के (A+B) करेंगे
$= \left(4 \times \frac{10}{3}\right) \Rightarrow 13\frac{1}{3}$ दिन में

- कृतिका जावरिया
(लेखिका, प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित विषयों पर लेखन करती हैं।)

खेल चर्चा

जूनियर बैडमिंटन रैंकिंग में तसनीम बनीं नंबर वन

नई दिल्ली, भारत की नवोदित बैडमिंटन खिलाड़ी तसनीम मीर ने इतिहास रच दिया है। 16 वर्षीय तसनीम जूनियर बैडमिंटन रैंकिंग में बालिका वर्ग में विश्व की नंबर वन खिलाड़ी बन गई हैं। तसनीम यह उपलब्धि हासिल करने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी हैं। तसनीम ने पिछले वर्ष बैडमिंटन में शानदार प्रदर्शन किया था। इस दौरान तसनीम ने बुल्गारिया, फ्रांस और बेल्जियम में तीन टूर्नामेंट जीते थे। विश्व नंबर वन बनने के बाद तसनीम ने कहा कि मैं अंडर-19 की तरह सीनियर सर्किट में भी इसी तरह का प्रदर्शन जारी रखना चाहती हूं। उन्होंने कहा कि मेरा लक्ष्य सीनियर सर्किट में अपनी रैंकिंग सुधारना है, ताकि मैं ओलिंपिक जैसे बड़े टूर्नामेंट में भारत का प्रतिनिधित्व कर सकूं।

बीसीसीआई ने नई राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी का काम किया शुरू

बेंगलुरु, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने बेंगलुरु में नई राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) का काम शुरू कर दिया है। बीसीसीआई के अध्यक्ष सौरव गांगुली ने नई एनसीए की नींव रखी। बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने बताया कि राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी को नया और भव्य रूप दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमारा विजन है कि एक ऐसा सेंटर तैयार किया जाये, जहां टैलेंट को निखारा जाये और क्रिकेट इकोसिस्टम बने। नया एनसीए 40 एकड़ में तैयार हो रहा है, इसमें 3 मैदान, 40 प्रैक्टिस पिच और 20 से ज्यादा फ्लड लाइट, 250 कमरे और एक बड़ा जिम होगा। एनसीए में भारतीय टीम के सभी खिलाड़ी, घरेलू स्तर के खिलाड़ी और जूनियर लेवल के खिलाड़ी ट्रेनिंग करते हैं। नया एनसीए एक साल में बनकर तैयार होगा।

कनाडा की महिला टीम ने जीता आईस हॉकी में स्वर्ण पदक

बीजिंग, कनाडा की महिला आईस हॉकी टीम ने बीजिंग विंटर ओलिंपिक में स्वर्ण पदक अपने नाम किया है। कनाडा की टीम ने स्पर्धा के फाइनल में गत विजेता अमेरिका को 3-2 से हराया। कनाडा की महिला आईस हॉकी टीम ने कुल पांचवीं बार विंटर ओलिंपिक में स्वर्ण पदक जीता है। इससे पहले कनाडाई टीम वर्ष 2002, 2006, 2010 और 2014 में भी स्वर्ण पदक जीत चुकी हैं। इस स्पर्धा का कांस्य पदक फिनलैंड की टीम ने जीता है।

भारत ने एफआईएच प्रो लीग में दक्षिण अफ्रीका को हराया

पोचेफ्स्ट्रूम, भारतीय हॉकी टीम का एफआईएच प्रो लीग में शानदार प्रदर्शन जारी है। भारत ने लीग में दक्षिण अफ्रीका को दोनों लीग मुकाबलों में हराया है। भारत ने दोनों मैचों में 10-2 से जीत दर्ज की। इससे पहले भारत ने लीग में अपने पहले मैच में फ्रांस को हराया, वहीं दूसरे मैच में दक्षिण अफ्रीका पर जीत दर्ज की, तीसरे मैच में फ्रांस ने भारत को हराकर हिसाब बराबर किया। वहीं चौथे मैच में भारत ने एक बार फिर दक्षिण अफ्रीका को 10-2 से हराया। भारत के लिये हरमनप्रीत सिंह ने चार तथा शीलानंद ने दो गोल किये, वहीं वरुण कुमार, मनदीप सिंह, शमशेर सिंह और सुमित ने एक-एक गोल किये। दक्षिण अफ्रीका के लिये डेनियल बेल और कोनोर ब्यूचैंप ने एक-एक गोल किया।

आईपीएल-2022 नीलामी

ईशान किशन इस सत्र के सबसे महंगे भारतीय खिलाड़ी बने

बेंगलुरु, विश्व के सबसे बड़े और रोमांचक प्रोफेशनल क्रिकेट टूर्नामेंट इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की मेगा नीलामी प्रक्रिया सम्पन्न हो गई। बेंगलुरु में दो दिन तक चले इस इवेंट में 580 खिलाड़ियों में 204 खिलाड़ियों पर बोली लगाई गई। कुल बिके खिलाड़ियों में 137 भारतीय और 67 विदेशी खिलाड़ी हैं। इस वर्ष नीलामी में सबसे ज्यादा कीमत भारत के युवा खिलाड़ी ईशान किशन को मिली। ईशान आईपीएल के इतिहास में नीलामी में सबसे ज्यादा कीमत पाने वाले दूसरे भारतीय खिलाड़ी बने। ईशान को मुंबई इंडियंस ने 15.25 करोड़ रुपये में अपने साथ जोड़ा।

ईशान किशन पिछले वर्ष भी मुंबई इंडियंस का हिस्सा थे, लेकिन नीलामी से पहले मुंबई ने उन्हें रिलीज कर दिया था। ईशान ने वर्ष 2016 में गुजरात लायंस की तरफ से आईपीएल में पदार्पण किया था। इसके बाद वर्ष 2018 में मुंबई इंडियंस ने 6.2 करोड़ रुपये में नीलामी में खरीदा था। ईशान ने वर्ष 2020 में मुंबई के लिये कई शानदार पारियां खेली थीं।

लिविंगस्टोन सबसे महंगे विदेशी खिलाड़ी

आईपीएल के 15वें सत्र के लिये हुई नीलामी में इंग्लैंड के विस्फोटक बल्लेबाज लियाम लिविंगस्टोन की जबरदस्त डिमांड रही। लिविंगस्टोन को पंजाब किंग्स ने 11.50 करोड़ रुपये में अपने साथ जोड़ा। लिविंगस्टोन इस वर्ष नीलामी में सबसे ज्यादा कीमत हासिल करने वाले विदेशी खिलाड़ी

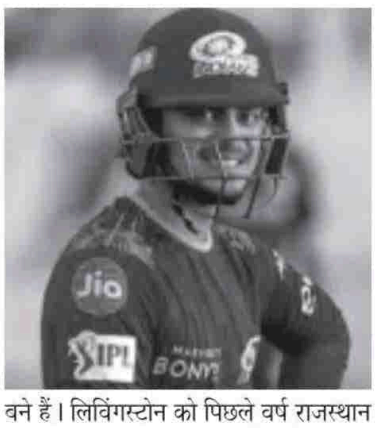

बने हैं। लिविंगस्टोन को पिछले वर्ष राजस्थान रॉयल्स ने 75 लाख रुपये में खरीदा था, लेकिन उन्हें रिटेन नहीं किया।

सबसे महंगे अनकैप्ड खिलाड़ी बने आवेश खान

आईपीएल की नीलामी में अनकैप्ड (जिसने एक भी अंतर्राष्ट्रीय मैच न खेला हो) खिलाड़ियों की भी जबरदस्त डिमांड रही। नीलामी में मध्यप्रदेश के तेज गेंदबाज आवेश खान के लिये सभी फ्रैंचाइजी के बीच विडिंग वॉर देखने को मिली। आवेश को लखनऊ सुपर जाइंट ने 10 करोड़ रुपये में खरीदा। आवेश आईपीएल नीलामी के इतिहास में सबसे ज्यादा कीमत पाने वाले अनकैप्ड खिलाड़ी बन गये हैं। नीलामी में आवेश के अलावा राहुल तेवतिया और शाहरुख खान जैसे अनकैप्ड खिलाड़ियों को भी 9-9 करोड़ रुपये मिले।

रैना को नहीं मिले खरीददार

आईपीएल-2022 की नीलामी में जहां युवा और अनजान खिलाड़ियों को जमकर खरीदा गया, वहीं कुछ ऐसे दिग्गज खिलाड़ी भी रहे, जो बिना बिके रह गये। आईपीएल के सबसे सफल बल्लेबाजों में से एक सुरेश रैना को चेन्नई सुपर किंग्स ने रिलीज कर दिया था, इसके बाद रैना नीलामी में उतरे, लेकिन उन्हें किसी भी टीम ने नहीं खरीदा। रैना के अलावा ईशांत शर्मा, स्टीव स्मिथ, शाकिब अल हसन, चेतेश्वर पुजारा, अमित शर्मा, इमरान ताहिर, डेविड अलान, इयॉन मोर्गन, मुजीब उर रहमान, आरोन फिंच मर्सस लावुशेन जैसे दिग्गज खिलाड़ी भी इस बार आईपीएल में नजर नहीं आयेंगे।

- **नीलामी में कुल 108 खिलाड़ियों को एक करोड़ रुपये से ज्यादा कीमत मिली।**
- **नीलामी में 10 खिलाड़ी ऐसे रहे, जिन्हें 10 करोड़ रुपये से अधिक राशि मिली।**
- **आईपीएल नीलामी में सबसे ज्यादा कीमत पाने वाले भारतीय खिलाड़ी युवराज सिंह हैं।**
- **युवराज को दिल्ली डेयरडेविल्स ने वर्ष 2015 में 16 करोड़ रुपये में खरीदा था।**
- **चेन्नई सुपरकिंग्स ने दीपक चाहर को 14 करोड़ रुपये में दोबारा अपने साथ जोड़ा।**
- **कोलकाता नाइटराइडर्स ने श्रेयस अय्यर पर 12.25 करोड़ रुपये का दांव लगाकर उन्हें हासिल किया और टीम का कप्तान भी बनाया।**

आईसीसी ने महिला क्रिकेट विश्वकप की इनामी राशि बढ़ाई

दुबई, अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने आईसीसी महिला क्रिकेट विश्वकप की इनामी राशि दोगुनी करने की घोषणा की है। आईसीसी ने कहा कि इस वर्ष मार्च में आयोजित होने वाले आईसीसी महिला विश्वकप के विजेता को 13 लाख 20 हजार डॉलर की इनामी राशि मिलेगी, जो महिला विश्वकप-2017 में विजेता को मिली राशि से दोगुनी है। आईसीसी ने कहा कि टूर्नामेंट की कुल इनामी राशि में 75 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी की गई है। अब उपविजेता को छह लाख डॉलर मिलेंगे, वहीं सेमीफाइनल में हारने वाली टीमों को तीन-तीन लाख डॉलर तथा ग्रुप स्टेज से बाहर होने वाली टीमों को 70 हजार डॉलर मिलेंगे। उल्लेखनीय है कि आईसीसी महिला विश्वकप इस वर्ष 4 मार्च से 3 अप्रैल तक न्यूजीलैंड में आयोजित किया जायेगा।

कैस्पर रूड ने जीता अर्जेंटीना ओपन का खिताब

ब्यूनस आयर्स, नॉर्वे के अनुभवी खिलाड़ी कैस्पर रूड ने अर्जेंटीना ओपन टेनिस टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया है। टूर्नामेंट के फाइनल में रूड गत विजेता डिएगो श्वार्ट्जमैन को कड़े मुकाबले में 5-7, 6-2, 6-3 से हराया। फाइनल मुकाबले में श्वार्ट्जमैन ने रूड को 7-5 से हरा दिया था, इसके बाद रूड ने दूसरे सेट में जबरदस्त वापसी करते हुये श्वार्ट्जमैन को 6-2 से पटखनी दी।

तीसरे सेट में भी दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली, हालांकि रूड के सामने श्वार्ट्जमैन ज्यादा देर तक टिक नहीं पाये। रूड ने दूसरी बार अर्जेंटीना ओपन का खिताब जीता है। इससे पहले रूड वर्ष 2020 में भी चैंपियन बने थे।

बीसीसीआई ने जारी किया श्रीलंका के खिलाफ सीरीज का शेड्यूल

मुंबई, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने श्रीलंका के आगामी भारत दौरे का नया शेड्यूल जारी कर दिया है। बीसीसीआई ने कार्यक्रम में बदलाव करते हुये टेस्ट सीरीज से पहले ट्वेंटी-20 सीरीज आयोजित करने का निर्णय लिया है। दौरे के दौरान दोनों टीमें आपस में तीन मैचों की ट्वेंटी-20 तथा दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेंगी।

बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने एक विज्ञप्ति जारी कर कहा कि ट्वेंटी-20 सीरीज का पहला मुकाबला लखनऊ में 24 फरवरी को खेला जायेगा, वहीं दूसरा मुकाबला 26 फरवरी तथा तीसरा मुकाबला 27 फरवरी को धर्मशाला में खेला जायेगा। ट्वेंटी-20 सीरीज के बाद टेस्ट सीरीज खेली जायेगी। यह सीरीज आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा होगी। टेस्ट सीरीज का पहला मैच चार से आठ मार्च तक मोहाली में खेला जायेगा, जबकि दूसरा मुकाबला 12 से 16 मार्च तक बेंगलुरु में खेला जायेगा। यह डे-नाइट टेस्ट मैच होगा। बीसीसीआई के अध्यक्ष सौरव गांगुली ने कुछ दिन पहले कहा था कि भारतीय टीम अपने घर में होने वाली हर टेस्ट सीरीज में कम से कम एक डे-नाइट टेस्ट मैच खेलेगी।

टीम को मिलेगा नया टेस्ट कप्तान

श्रीलंका टेस्ट सीरीज के दौरान भारतीय टेस्ट टीम को नया कप्तान मिलेगा। टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने दक्षिण अफ्रीका दौरे पर टेस्ट सीरीज में हार के बाद कप्तानी से इस्तीफा दे दिया था। कोहली भारत के सबसे सफल टेस्ट कप्तान हैं। वन-डे और ट्वेंटी-20 टीम के कप्तान रोहित शर्मा को अब टेस्ट टीम की कमान भी मिल सकती है।

दक्षिण अफ्रीका के कीगन पीटरसन बने प्लेयर ऑफ द मंथ

दुबई, अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने जनवरी 2022 माह के लिये प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड के विजेताओं की घोषणा कर दी है। दक्षिण अफ्रीका के युवा बल्लेबाज कीगन पीटरसन पुरुष वर्ग में प्लेयर ऑफ द मंथ चुने गये। पीटरसन यह अवॉर्ड जीतने वाले पहले दक्षिण अफ्रीकी पुरुष खिलाड़ी हैं।

भारत के खिलाफ किया शानदार प्रदर्शन

आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड के लिये पीटरसन के अलावा बांग्लादेश के इबादत हुसैन और दक्षिण अफ्रीका के डेवाल्ड ब्रेविस को भी नॉमीनेट किया गया था। पीटरसन ने जनवरी में भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया था। पीटरसन ने दूसरे टेस्ट मैच में पहली पारी में 62 तथा दूसरी पारी में 28 रन बनाये थे। इसके अलावा उन्होंने तीसरे टेस्ट मैच की दोनों पारियों में अर्द्धशतक बनाये तथा दक्षिण अफ्रीका को जीत दिलाई थी। पीटरसन के इस प्रदर्शन की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने टेस्ट सीरीज में 1-0 से पिछड़ने के बावजूद 2-1 से जीत दर्ज की थी। सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले पीटरसन को मैन ऑफ द सीरीज भी चुना गया था।

महिला वर्ग में हीथर नाइट बनीं विजेता

इंग्लैंड की महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हीथर नाइट ने महिला वर्ग में आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड जीता है। हीथर ने इस अवॉर्ड की दौड़ में श्रीलंका की कप्तान चामरी अट्टापट्टू और वेस्टइंडीज की स्टार खिलाड़ी डिएंड्रा डॉटिन को पीछे छोड़ा है। हीथर ने जनवरी माह में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ महिला एशेज में एकमात्र टेस्ट मैच में शानदार प्रदर्शन किया था। हीथर ने मैच की पहली पारी में 168 रन बनाये थे।

फीफा क्लब विश्वकप

चेल्सी पहली बार बनी चैंपियन

अबू धाबी, इंग्लिश फुटबॉल क्लब चेल्सी ने फीफा क्लब विश्वकप का खिताब पहली बार अपने नाम कर लिया है। चेल्सी ने ब्राजील के फुटबॉल क्लब पालमेराज को फाइनल में 2-1 से हराकर इस प्रतिष्ठित ट्रॉफी को अपने कब्जे में किया। चेल्सी की जीत के हीरो रहे केई हावर्ट्ज, जिन्होंने एक्स्ट्रा टाइम में मिली पेनाल्टी को गोल में बदलकर टीम को खिताब दिलाया।

अबू धाबी में खेले गये फाइनल मुकाबले में मौजूदा चैंपियंस लीग विजेता चेल्सी और पालमेराज दोनों ही क्लब पहले हाफ में कोई गोल नहीं कर पाये थे। ऐसे में दूसरे हाफ की शुरुआत के थोड़े ही समय बाद चेल्सी के स्ट्राइकर रोमेलू लुकाकू ने गोल कर चेल्सी को 1-0 से आगे कर दिया। 10 मिनट बाद पालमेराज को पेनाल्टी मिली जिसे राफेल वेइगा ने गोल में बदलकर मुकाबला 1-1 से बराबर कर दिया।

मैच के निर्धारित समय तक दोनों

टीमें 1-1 की बराबरी पर थी। इसके बाद एक्स्ट्रा टाइम में भी काफी देर तक गोल नहीं हुआ और लग रहा था कि फाइनल के विजेता का फैसला पेनाल्टी शूटआउट से होगा। लेकिन मैच के 117वें मिनट में चेल्सी को पेनाल्टी के रूप में जीत का मौका मिला और हावर्ट्ज ने इसे गोल में बदलकर टीम को उसका पहला क्लब विश्वकप दिला दिया। हावर्ट्ज ने पिछले सीजन चैंपियंस लीग में भी फाइनल में टीम के लिये जीत का गोल दागा था।

- **चेल्सी फीफा क्लब विश्वकप जीतने वाली तीसरी इंग्लिश टीम है।**
- **चेल्सी से पहले इंग्लिश क्लब लिवरपूल और मेनचेस्टर यूनाइटेड ने भी जीता है ये खिताब।**
- **स्पेनिश क्लब रियल मेड्रिड चार तथा बार्सिलोना तीन बार बने हैं विजेता।**

ओलिंपिक चैंपियन गैटलिन ने लिया संन्यास

लॉस एंजेलिस, अमेरिका के दिग्गज एथलीट जस्टिन गैटलिन ने संन्यास लेने की घोषणा की है। गैटलिन को उसेन बोल्ट के बाद सबसे शानदार फर्राटा धावक माना जाता है। गैटलिन ने सोशल मीडिया पर अपने संन्यास का ऐलान करते हुये लिखा कि ऑन योर मार्क्स, गेट सेट गोन। गैटलिन के संन्यास को लेकर लंबे समय से चर्चा चल रही थी। गैटलिन ने हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण पिछले वर्ष टोक्यो ओलिंपिक में हिस्सा नहीं लिया था। गैटलिन ने ओलिंपिक खेलों में पांच पदक जीते हैं, इनमें एक स्वर्ण, दो रजत और दो कांस्य पदक शामिल हैं। गैटलिन ने विश्व एथेलेटिक्स चैंपियनशिप में चार स्वर्ण और छह रजत सहित 10 पदक जीते हैं। गैटलिन ने वर्ष 2017 में विश्व चैंपियनशिप में बोल्ट को हराकर 100 मीटर स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

सामयिकी

वॉयस ऑफ कस्टमर रिकॉग्निशन-2021

एएआई हवाई अड्डों को चुना गया

एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एएआई) के सात हवाई अड्डों अर्थात् - चेन्नई, कोलकाता, गोवा, पुणे, पटना, भुवनेश्वर तथा चंडीगढ़ को एयरपोर्ट काउंसिल इंटरनेशनल (एसीआई) द्वारा विश्व के वॉयस ऑफ कस्टमर इनिशिएटिव के तहत वॉयस ऑफ कस्टमर रिकॉग्निशन के लिए चुना गया है। इन एयरपोर्ट्स ने एसीआई-एएसक्यू सर्वे 2021 में हिस्सा लिया था। एयरपोर्ट काउंसिल इंटरनेशनल ने ऐसे हवाई अड्डों को सम्मानित करने तथा उन्हें स्वीकृति देने के लिए वॉयस ऑफ कस्टमर इनिशिएटिव नामक पहल की शुरुआत की है, जिन्होंने लगातार अपने ग्राहकों को प्राथमिकता दी तथा यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि वर्तमान में जारी कोविड-19 महामारी के दौरान भी निरंतर उनकी आवाज सुनी जाए।

'विश्व सतत् विकास शिखर सम्मेलन'

गरीबों तक ऊर्जा की समान पहुंच हमारी पर्यावरण नीति की आधारशिला रही है : प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो संदेश के माध्यम से ऊर्जा और संसाधन संस्थान (टेरी) के 'विश्व सतत् विकास शिखर सम्मेलन' में उद्घाटन भाषण दिया। प्रधानमंत्री ने स्मरण करते हुए कहा कि "पहले गुजरात में और अब राष्ट्रीय स्तर पर अपने पूरे 20 साल के कार्यकाल के दौरान पर्यावरण और सतत् विकास मेरे लिए प्रमुख फोकस क्षेत्र रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि गरीबों तक ऊर्जा की समान पहुंच हमारी पर्यावरण नीति की आधारशिला रही है। उन्होंने कहा कि उज्ज्वला योजना के तहत 90 मिलियन परिवारों को स्वच्छ रसोई गैस उपलब्ध कराने और पीएम-कुसुम योजना, जिसके तहत किसानों को सौर पैनल स्थापित करने, इसका उपयोग करने और फिर ग्रिड को अधिशेष बिजली बेचने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है, इसके अंतर्गत किसानों के लिए नवीकरणीय ऊर्जा जैसे कदमों से निरंतरता और समानता को बढ़ावा मिलेगा। प्रधानमंत्री ने एलईडी बल्ब वितरण योजना के बारे में बताया कि यह योजना सात वर्षों से अधिक समय से चल रही है, जिससे 220 बिलियन यूनिट से

अधिक बिजली बचाने में और प्रति वर्ष 180 बिलियन टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन कम करने में मदद मिली है। इसके अलावा, राष्ट्रीय हाइड्रोजन मिशन का लक्ष्य हरित हाइड्रोजन का दोहन करना है। उन्होंने टेरी जैसे अकादमिक और अनुसंधान संस्थानों को हरित हाइड्रोजन की क्षमता की प्राप्ति के लिए संभावित समाधान के साथ आगे आने के लिए प्रोत्साहित किया। प्रधानमंत्री ने कहा, भारत एक अत्यधिक विविधतापूर्ण देश है और इस पारिस्थितिकी की रक्षा करना हमारा कर्तव्य है। रक्षित क्षेत्र नेटवर्क को मजबूत करने के प्रयासों के बारे में प्रधानमंत्री ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (आईयूसीएन) की मान्यता से भारत के प्रयासों को अंतर्राष्ट्रीय मान्यता मिली है। जैवविविधता के प्रभावी संरक्षण स्थल के रूप में हरियाणा के अरावली जैव विविधता पार्क को ओईसीएम घोषित किया जा रहा है। रामसर स्थलों के रूप में दो और भारतीय आर्द्र भूमि की मान्यता के साथ, भारत में अब 49 रामसर स्थल हैं, जो 1 मिलियन हेक्टेयर से अधिक में फैले हुए हैं। श्री मोदी ने कहा, "हम 'बॉन चैलेंज' के तहत भूमि क्षरण तटस्थता की राष्ट्रीय प्रतिबद्धता को प्राप्त करने के मार्ग पर आगे बढ़ रहे हैं। हम यू.एन.एफ. और ट्रिपल सी के तहत की गयी अपनी सभी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने में दृढ़ विश्वास रखते हैं। हमने ग्लासगो में सीओपी-26 के दौरान भी अपनी महत्वाकांक्षाओं को दुनिया के सामने रखा है।"

प्रधानमंत्री ने कहा कि स्थिरता के लिए वैश्विक सामान्य स्थिति के लिए समन्वित कार्रवाई की आवश्यकता है। "हमारे प्रयासों ने एक दूसरे पर निर्भरता को मान्यता दी है। अंतर्राष्ट्रीय सौर संगठन के माध्यम से हमारा उद्देश्य 'वन सन, वन वर्ल्ड, वन ग्रिड' यानी एक सूर्य, एक विश्व, एक ग्रिड है। हमें हर समय हर जगह विश्वव्यापी ग्रिड से स्वच्छ ऊर्जा की उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में काम करना चाहिए। उन्होंने आगे विस्तार से बताया कि यह भारत के मूल्यों के अनुसार 'संपूर्ण विश्व' का दृष्टिकोण है।

(हाउती हमलों के बाद)

यूएई पहुंचे अमेरिकी एफ-22 फाइटर जेट

हाउती विद्रोहियों द्वारा संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) पर किए गए हवाई हमलों के बाद सुरक्षा को मजबूती देने के लिए अमेरिका सामने आया है। अमेरिका ने अपने फाइटर जेट एफ-22 का एक जत्था पिछले सप्ताह यहां भेज दिया था। यह फाइटर जेट अबू धाबी के अल डफरा एयर बेस पर उतारे गए हैं। इस समय यूएई में करीब दो हजार अमेरिकी सैनिक तैनात हैं। हाउती विद्रोहियों के हमले के बाद से अमेरिकी सैनिक मोर्चा संभाले हुए हैं। अमेरिकी सैनिकों ने कुछ दिन पहले पैट्रियट इंटरसेप्टर मिसाइलों को लॉन्च किया। ईराक में 2003 में अमेरिकी नेतृत्व वाले आक्रमण के बाद से अमेरिकी सैनिकों ने इस सिस्टम का इस्तेमाल किया है। अमेरिकी अधिकारियों ने यह नहीं बताया कि यूएई में कितने एफ-22 फाइटर जेट तैनात किए गए हैं।

दुनिया के सबसे उन्नत लड़ाकू विमानों में गिना जाने वाला एफ-22 रैप्टर पांचवीं

पीढ़ी का लड़ाकू विमान हैं। अमेरिकी कंपनी लॉकहीड मार्टिन द्वारा निर्मित एफ-2215 दिसंबर 2005 को अमेरिकी वायु सेना में शामिल किया गया। अमेरिका ने अब तक एफ-22 के 195 यूनिट्स को बनाया है, जिनमें से 8 विमान टेस्टिंग के लिए रखे गए हैं। शेष 187 एफ-22 रैप्टर अमेरिकी वायु सेना में कार्यरत हैं। बता दें कि यमन के ईरान समर्थक हाउती विद्रोहियों के हमले झेलने वाले यूएई की मदद के लिए अमेरिका आगे आया। पिछले सप्ताह अमेरिका ने ऐलान किया था कि वह एफ-22 फाइटर जेट और एक गाइडेड मिसाइल डेस्ट्रायर को यूएई के आसपास तैनात करेगा।

यूक्रेन पर हमला हुआ तो अमेरिका दृढ़ता से देगा जवाब : बाइडेन

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच फोन पर बातचीत में दोनों राष्ट्राध्यक्षों ने यूक्रेन को लेकर चर्चा की। व्हाइट हाउस की जानकारी के मुताबिक यह बातचीत करीब 62 मिनट तक चली।

बातचीत में बाइडेन ने पुतिन से कहा कि यूक्रेन पर रूस के आक्रमण का अंजाम 'व्यापक मानवीय पीड़ा' होगी। बाइडेन ने पुतिन को बताया कि अमेरिका, यूक्रेन पर कूटनीति जारी रखेगा लेकिन 'अन्य परिदृश्यों के लिए भी समान रूप से तैयार है।' बाइडेन ने पुतिन से दोबारा कहा है कि यूक्रेन सीमा के पास जुटे रूसी सैनिकों को वापस बुला लें।

मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि बाइडेन ने रूस को चेतावनी दी कि अगर वह यूक्रेन पर आक्रमण करता है, तो अमेरिका और उसके सहयोगी "दृढ़ता से जवाब देंगे और उसे इसकी भारी कीमत चुकानी होगी।"

इससे पहले व्हाइट हाउस ने इंटेलिजेंस रिपोर्ट्स के हवाले से कहा कि रूस, यूक्रेन पर जल्द ही हमला कर सकता है। बाइडेन से बातचीत करने से पहले पुतिन ने फ्रांस के राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों से बातचीत की। मैक्रों संकट के समाधान के प्रयास के तहत पुतिन से मॉस्को में मिल भी चुके हैं। रूस ने यूक्रेन की सीमा पर एक लाख से ज्यादा सैनिकों का जमावड़ा कर रखा है और पड़ोसी देश बेलारूस में युद्धाभ्यास के लिए अपने सैनिक भेजे हैं। अमेरिका के विदेश विभाग के यात्रा परामर्श में कहा गया कि यूक्रेन की राजधानी कीव स्थित दूतावास से अधिकतर अमेरिकी कर्मचारियों को वहां से हटने का आदेश दिया गया है। परामर्श में कहा गया है कि यूक्रेन में अमेरिकी लोगों को भी देश छोड़ देना चाहिए।

इस बीच, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने शांति प्रदर्शित करने की कोशिश की। उन्होंने क्रीमिया के पास सैन्य अभ्यास देखा। रूस ने 2014 में क्रीमिया को अपना हिस्सा बना लिया था। जेलेंस्की ने कहा, "हम डरते नहीं हैं, हम घबराए हुए नहीं हैं। सब चीज नियंत्रण में है।"

वहीं ब्रिटेन ने भी अपने नागरिकों से यूक्रेन छोड़ने को कहा। अमेरिकी रक्षा विभाग ने 3000 अतिरिक्त अमेरिकी सैनिक पोलैंड भेजने का आदेश दिया है। यूक्रेनी सेना को प्रशिक्षण देने वाले ब्रिटेन के सैनिकों ने भी देश छोड़ने की योजना बनाई है। जर्मनी, नीदरलैंड और इटली ने अपने नागरिकों से जल्द से जल्द वहां से निकलने को कहा है। कनाडा, नॉर्वे और डेनमार्क ने भी अपने नागरिकों को यूक्रेन छोड़ने के लिए कहा है।

नासा ने खींची शुक्र ग्रह की अद्भुत तस्वीर

नासा के वैज्ञानिकों ने पार्कर सोलर प्रोब की मदद से पहली बार शुक्र ग्रह की सतह की अद्भुत तस्वीरें ली हैं। इसमें शुक्र

- **नासा ने पार्कर सोलर प्रोब की मदद से पहली बार शुक्र ग्रह की सतह की अद्भुत तस्वीरें खींची हैं।**
- **इस तस्वीर में शुक्र ग्रह स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है।**

ग्रह के ऊंचाई वाले इलाके और मैदानी क्षेत्र को स्पष्ट देखा जा सकता है। नासा के वैज्ञानिक ब्रायन वुड ने कहा, 'अब अंततः हम पहली बार अंतरिक्ष से शुक्र ग्रह की सतह को देख पा रहे हैं।' इस तस्वीर से शुक्र ग्रह की विविध भौगोलिक स्थिति का पता चला है। इसमें ऊंचाई वाले और निचले

इलाके तथा कई भौगोलिक विशेषताएं नजर आ रही हैं जो खोज के लिए काफी अहम हो सकती हैं। इस आंकड़े से यह भी पता चला है कि शुक्र ग्रह की सतह पर तापमान 863.33 फारेनहाइट है।

इससे पहले भी शुक्र ग्रह की सतह की तस्वीरें ली गई थीं लेकिन उतनी साफ नहीं थीं, जिससे कि इंसान की आंखों से उसे देखा जा सके। दरअसल, शुक्र ग्रह पर सल्फ्यूरिक एसिड और कार्बन डाईऑक्साइड के बादल छाए रहते हैं। ये इतने घने होते हैं कि तस्वीरें साफ नहीं आ पाती हैं। वह भी तब जब शुक्र ग्रह रोशनी में मोती की तरह से नजर आता है। घने बादल होने की वजह से रोशनी बहुत कम मात्रा पर शुक्र ग्रह की सतह पर पहुंच पाती है। जानकारी के अनुसार रात के समय भी शुक्र ग्रह बहुत गर्म होता है, लेकिन पार्कर प्रोब ने उसकी तस्वीर खीचने में सफलता हासिल कर ली। वुड ने कहा, 'शुक्र ग्रह की सतह रात में भी 860 डिग्री गर्म रहती है। शुक्र ग्रह की सतह इतनी गर्म होती है कि उसकी चट्टानी सतह चमकती दिखाई देती है। यह कुछ उसी तरह से होती है जैसे भट्टी से निकाले जाने पर लोहा दिखता है।'

(ईरान ने)

लंबी दूरी तक मार करने वाली नई मिसाइल बनाई

ईरान ने लंबी दूरी तक मार करने वाली एक नई मिसाइल का अनावरण किया है। यह मिसाइल इजरायल और अमेरिकी सैन्य अड्डे को निशाना बनाने में सक्षम है। ईरान की सरकारी मीडिया ने बताया कि इस मिसाइल का नाम खैबर-बस्टर है। खैबर एक यहूदी किले का नाम था, जिस पर इस्लाम के शुरुआती दिनों में पैगंबर मोहम्मद के नेतृत्व में मुस्लिम योद्धाओं ने कब्जा कर लिया था। मिसाइल का इंजन ठोस ईंधन से चलता है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि यह मिसाइल काफी सटीकता के साथ अपने लक्ष्य को भेदने में सक्षम है। यह पूरी तरह से स्वदेशी तकनीक पर आधारित है जो किसी भी मिसाइल डिफेंस सिस्टम को चकमा दे सकती है।

ईरानी सेना के चीफ ऑफ स्टाफ मोहम्मद बघेरी ने इसे एक रणनीतिक और लंबी दूरी की मिसाइल बताया है। उन्होंने इस मिसाइल की लॉन्चिंग पर कहा कि ईरानी सेना और ईरानी गणराज्य के दुश्मन ताकत और बल की भाषा के अलावा कुछ नहीं समझते हैं। ईरान से इजरायल का सबसे निकटतम बिंदु 997 किलोमीटर है। ईरान के पास कई ऐसी मिसाइलें हैं, जो 2000 किलोमीटर तक की रेंज में हमला कर सकती हैं। मध्य-पूर्व के देशों में ईरान के पास सबसे ज्यादा संख्या में मिसाइलें हैं। 24 दिसंबर को ईरान ने सैन्य अभ्यास के दौरान 16 बैलिस्टिक मिसाइलों को एक साथ फायर कर इजरायल को अपनी ताकत दिखाई थी।

कृषि उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने 36वां स्थापना दिवस मनाया

कृषि उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने 13 फरवरी को अपना 36वां स्थापना दिवस मनाया। एपीडा ने 2020-21 में कृषि उत्पादों के निर्यात को 20.67 बिलियन डॉलर तक ले जाने में सरकार की सक्रियता के साथ सहायता की। 1986 में जब इसकी स्थापना हुई, उस समय कृषि उत्पादों का निर्यात 0.6 बिलियन डॉलर था। एपीडा ने 205 देशों में निर्यात का विस्तार करने में भी सहायता की। एपीडा निर्यात का हिस्सा (20.67 बिलियन डॉलर) 2020-21 में कुल कृषि-उत्पाद निर्यात का 49 प्रतिशत था, जिसमें अनाज और ताजा बागवानी का 59 प्रतिशत, अनाज बने व्यंजन और विविध प्रसंस्कृत मद 23 प्रतिशत और पशु उत्पाद में 18 प्रतिशत हिस्सा शामिल था। चालू वित्त वर्ष (2021-22) में एपीडा को दिया गया लक्ष्य 23.7 अरब डॉलर है, जिसमें से 70 प्रतिशत से

एपीडा APEDA

ज्यादा अर्थात् 17.20 अरब डॉलर जनवरी 2022 तक अर्जित कर लिया गया है और शेष लक्ष्य निर्धारित समय-सीमा अवधि में पूरा हो जाने की उम्मीद है। कृषि उत्पादों के निर्यात को एक नए स्तर पर ले जाने के उद्देश्य से, एपीडा ने भारत से निर्यात के संवर्धन और विकास में व्यवसाय करने की सुगमता के लिए आईटी-सक्षम गतिविधियों को बढ़ावा दिया। एपीडा ने शासन को अधिक कुशल और प्रभावी बनाने के लिए कागज रहित कार्यालय (री-इंजीनियरिंग, डिजिटल हस्ताक्षर, इलेक्ट्रॉनिक भुगतान सुविधा), एपीडा मोबाइल एप, ऑनलाइन सेवाओं की चरण-वार डिलीवरी, निगरानी और मूल्यांकन, एक समान पहुंच तथा वर्चुअल व्यापार मेला जैसी कई पहलों की शुरुआत की है।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

बचती हैं मुस्कानें अब...

- गर्भ धारण होने पर शीघ्र पंजीयन करवायें।
- प्रसव पूर्व चार जांचें अवश्य करवायें।
- टिटनेस का टीका लगवायें।
- फोलिक एसिड, केल्शियम एवं आयरन फोलिक एसिड (आई.एफ.ए.) की गोलियों का नियमित सेवन करें।
- जटिलता पाये जाने पर समुचित उपचार करवायें।
- प्रसव स्वास्थ्य संस्था में ही करवायें एवं जननी सुरक्षा योजना तथा मुख्यमंत्री श्रमिक सेवा प्रसूति सहायता योजना का लाभ पायें।
- योजना का लाभ लेने के लिये गर्भवती महिला अपना एवं पति का बैंक खाता नम्बर एवं समग्र आईडी साथ लेकर आये।

अस्पताल जाने एवं वापस घर आने हेतु नि:शुल्क जननी एक्सप्रेस/108 वाहन उपलब्ध है

यह सुविधायें सभी शासकीय स्वास्थ्य केन्द्रों/ग्राम आरोग्य केन्द्रों पर नि:शुल्क उपलब्ध हैं।

NATIONAL HEALTH MISSION
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन

लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग
मध्यप्रदेश शासन द्वारा जनहित में जारी

D-103730/R-46560/2022

स्वामी "मध्यप्रदेश माध्यम" की ओर से प्रकाशक, मुद्रक राघवेन्द्र कुमार सिंह, मध्यप्रदेश माध्यम 40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल, भोपाल-462011 (म.प्र.) से प्रकाशित एवं डी.बी. कार्प द्वारा दैनिक भास्कर, प्लाट नंबर-10, सेक्टर-बी, गोविंदपुरा, भोपाल से मुद्रित। सम्पादक - पुष्पेन्द्र पाल सिंह।